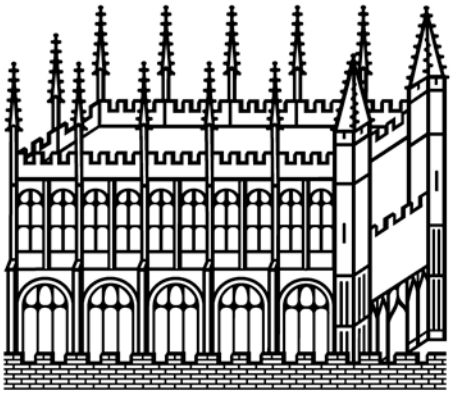


Bodleian Libraries

UNIVERSITY OF OXFORD

This book is part of the collection held by the Bodleian Libraries and scanned by Google, Inc. for the Google Books Library Project.

For more information see:

http://www.bodleian.ox.ac.uk/dbooks



This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial-ShareAlike 2.0 UK: England & Wales (CC BY-NC-SA 2.0) licence.

Hindi Tul. 3
13.E.20

Indian Institute, Oxford.
The Lucknow Sparks Library.
Presented
by
Munshi Newul Kishore.

Gītāvalī.

Gitawali

गीतावली ॥

گیتا ولي

गोसाईंतुलसीदासकृत

जो

अनेक रागों में सुन्दर बालचरितादि सम्पूर्ण लीलायुक्त और यथाविधि बोधके अर्थ पद बिभाग करके सुवाच्य वर्णोंमें वर्णित है

तीसरी बार

लखनऊ

मुंशी नवलकिशोरके छापेख़ानेमें छपी

दिसम्बर सन् १८८२ ई०

विज्ञप्ति ॥

इसमहीने अर्थात् दिसम्बर सन् १८८२ ई० पर्य्यन्त जो पुस्तकें बेचने के लिये तैयार हैं वह इस सूचीपत्र में लिखी हैं और उनका मोल भी बहुत किफ़ायत से घटाकर नियत हुवाहै परंतु व्यापारियों के लिये और भी सस्ती होंगी जिनको व्योपार की इच्छाहो वह छापेख़ाने के मुहतमिम अथवा मालिक के नाम ख़त भेजकर क़ीमत का निर्णय करलें ॥

नामकिताब	नामकिताब	नामकिताब
भाषा (इतिहास)	१ आदिपर्व	तथा जिल्दबंधी
महाभारत	२ सभापर्व	तथा मोटे अक्षरोंकी
१ पहिले हिस्सामें	३ बनपर्व	मयेतसवीर व चित्रक
आदि पर्व, सभा पर्व	४ विराटपर्व	रामायणतुलसीकृत
बनपर्व	५ उद्योगपर्व	सातोकाण्ड
२ दूसरे हिस्सामें	६ भीष्मपर्व	१ बालकांड
विराटपर्व, उद्योगपर्व	७ द्रोणपर्व	२ अयोध्याकांड
भीष्मपर्व, द्रोणपर्व	८ कर्णपर्व	३ आरण्यकाण्ड
३ तीसरे हिस्सामें	९ शल्यपर्व व गदापर्व	४ किष्किन्धा कांड
कर्णपर्व, शल्यपर्व	सौप्तिकपर्व मय	५ सुन्दरकांड
गदापर्व, सौप्तिकपर्व	योशिक व विशोक	६ लंका कांड
योशिकपर्व, विशोकपर्व	व स्त्रीपर्व	७ उत्तर कांड
स्त्रीपर्व, शान्तिपर्वमें	१० शान्तिपर्व राजधर्म	रामायण शब्दार्थ कोष
राजधर्म आपदधर्म,	व आपदधर्म व मोक्ष	रामायण का इतिहास
मोक्षधर्म	धर्म दान धर्म	रामायण मानसदीपिका
४ चौथे हिस्सामें	११ अश्वमेध, आश्रम	रामायण कबितावली
शान्तिपर्व, दानधर्म	वासिकपर्व व मौशल	रामायण गीतावली सटीक
अश्वमेध, आश्रमवासिक	पर्व,महाप्रस्थान स्वर्गारोहण	विनयपत्रिका वा० मो०
पर्व, व मौशलपर्व	१२ हरिवंशपर्व	विनयपत्रिका वा० शि०
बाणप्रस्थान पर्व	रामायणरामविलास	लिंगपुराण
स्वर्गारोहण पर्व	रामायण तुलसीकृत	विष्णुपुराण
हरिवंश पर्व	रामायण सटीक मय	गरुड़पुराण प्रेतकल्प
महाभारतपर्वअलेहदाभीहै	मानसदीपिका कोषआदि	ब्रह्मोत्तर खंड

श्रीगणेशायनमः ॥

गीतावली ॥

गोसाईंतुलसीदासकृत ॥

बालकाण्ड ॥



नीलाम्बुजश्यामलकोमलांगंसीतासमारोपितबामभागं पा णौमहाशायकचारुचापंनमामिरामंरघुवंशनाथम् १ ॥ रागआसावरी ॥

आजुसुदिनशुभघरीसुहाई रूपशीलगुणधामरामनृपभवनप्रगट भेआई अतिपुनीतमधुमासलग्नग्रहबारयोगसमुदाई हर्षवन्त चरअचरभूमितरुतनुरुहपुलकजनाई बर्षहिंबिबुधनिकरकुसुमा वलिनभदुन्दुभीबजाई कौशल्यादिमातुमनहर्षितयहसुखबरणि नजाई सुनिदशरथसुतजन्मलियोसबगुरुजनबिप्रबुलाई वेदबि हितकरिक्रियापरमशुचिआनँदउरनसमाई सदनवेदधुनिकरत मधुरमुनिबहुबिधिबाजबधाई पुरबासिनप्रियनाथहेतुनिजनिज सम्पदालुटाई मणिमयतोरणकेतुपताकनपुरीरुचिरकरिछाई मा गधसूतद्वारबन्दीजनजहँतहँकरतबड़ाई सहजशृँगारकियेबनि ताचलिमङ्गलबिपुलबनाई गावहिंदेहिंअशीशमुदितचिरजिवो तनयसुखदाई बीथिनकुंकुमकीचअरगजाअगरअबीरउड़ाई नाच हिंपुरनरनारिप्रेमभरिदेहदशाबिसराई अमितधेनुगजतुरँगबस नमणिजातरूपअधिकाई देतभूपअनुरूपजाहिज्वइ सकलसिद्धि गृहआई सुखीभयेसुरसन्तभूमिसुर खलगणमनमलिनाई सबैसु मनबिकशतरहैंनिकसतकुमुदबिपिनबिलखाई जोसुखसिन्धुसु कृतसीकरतेशिवबिरञ्चिप्रभुताई स्वइसुखअवधउमांगरहदशदि

शिकौनयत्नकहौंगाई जोरघुबीरचरणचिन्तक तिनकीगतिप्रगट
दखाई अबिरलअनलअनूपभक्तदृढ़तुलसिदासतबपाई १ ॥ राग
जयंतश्री टेक ॥ सहेलीसुनिसोहिलोरे सोहिलोसोहिलोसोहिलो
सोहिलोसबजगआजु पूतसपूतकौशल्याजायो अचलभयोकुल
आजु १ चैतचारुनौमीशितमध्यगगनगतभानु नखतयोगग्रहल
ग्नभलोदिनमङ्गलमोदनिधानु २ ब्योमपवनपावकजलथलदि
शिदशहुंसुमङ्गलमूल सुरदुन्दुभीबजावहिंहर्षहिंबर्षहिंफूल ३ भू
पतिसदनसोहिलासुनिबाजेगहगहेनिशान जहँतहँसजहिंकल
शध्वजचामरतोरणकेतुबितान ४ सींचिसुगन्धरचेचौकेगृहआंगन
गलीबजार दलफलफूलदूबदधिरोचनघरघरमंगलचार ५ सु
निसानन्दउठेदशस्यन्दनसकलसमाजसमेत लियेबोलिगुरुसचि
वभूमिसुरप्रमुदितचलेनिकेत ६ वेदकर्मकरिपूजिपितरसुरदिय
महिदेवनदान त्यहिअवसरसुततीनिप्रगटभे मंगलमुदकल्यान
७ आनँदमहँआनंदअवधआनन्दबधावनहोइ उपमाकहेचारिफ-
लकेम्वहिंभलनकहैकविकोइ ८ सजिआरतीबिचित्रथालकरयूथ
यूथबरनारि गावतिचलींबधावनलैलैनिजनिजकुलअनुहारि ९
असहीदुसहीमरहिंमनहीमनबैरिनबढ्योबिषाद नृपसुतचारिचा
रुचिरजीवहुशंकरगौरिप्रसाद १० लैलैढोवप्रजाप्रमुदितचलेभां
तिभांतिभरिभार करहिंगानकरिआनरायकीनाचहिंराजदुआर
११ गजरथबाजिबाहिनीबाहनसबनिसँवारेसाज जनुऋतुपतिर
तिपतिकौशलपुरबिहरतसहितसमाज १२ घण्टाघण्टिपखाउज
आउझझांझबेनडफतार नूपुरधुनिमंजीरमनोहरकरकङ्कनझनका
र १३ नृत्यकरहिंनटनटीनारिनरअपनेअपनेरंग मनहुंमदनरति
बिबिधभेषधरिनटतसुदेशसुगन्ध १४ उघरहिंछन्दप्रबन्धगीत
पदरागतालबन्धान सुनिकिन्नरगन्धर्बसराहतबिथकहिंबिबुध
बिमान १५ कुंकुमअगरअरगजाछिरकहिंभरहिंगुलालअबीर

नभप्रसूनझरिपुरीकोलाहलभैमनभावतिभीर १६ बड़ीबयसबि
धिभयोदाहिनोगुरुसुरआशिर्बाद दशरथसकुलसुधासागरसब
उमँगेतजिमर्य्याद १७ ब्राह्मणवेदबन्दिबिरदावलिजयधुनिमंग
लगान निकसतपैठतलोगपरस्परबोलतलगिलगिकान १८ वार
हिंमुकुतारत्नराजमहिषीपुरसुमुखिसमान बगरेनगरनिछावरि
मणिगणजनुजुआरयवधान १९ कीन्हवेदबिधिलोकरीतिनृपमं
दिरपरमहुलास कौशल्याकैकयीसुमित्रारहतबिवशरनिवास२०
रानिनदयबसनमणिभूषणराजासहनभँडार मागधसूतभाटनट
याचकजहँतहँकरहिंकबार २१ बिप्रबधूसनमानिसुवासिनिज
नपुरजनपहिराई सनमानेअवनीशअशीशतईशरमेशमनाई २२
अष्टसिद्धिनवनिद्धिभूतिसबभूपतिभवनकमाहिं समयसमाजरा
जदशरथकोलोकपसकलसिहाहिं २३ कोकहिसकैअवधबासि
नको प्रेमप्रमोदउछाहु शारदशेषगणेशगिरीशहि अगमनिगम
अवगाहु २४ शिवबिरंचिमुनिसिद्धप्रशंसतबड़ेभूपकेभाग तुलसि
दासप्रभुसोहिलोगावतउमँगिउमँगिअनुराग २५ ॥ रागबिलावल ॥
आजुमहामंगलकोशलपुरसुनिनृपकेसुतचारिभये सदनसदनसो
हिलासुहावननभअरुनगरनिशानहये सजिसजियानअमरकिन्न
रमुनिजानिसमयशुभगानठये नाचहिंनभअप्सरामुदितमनपुनि
पुनिवर्षहिंसुमनचये१अतिसुखबेगिबोलिगुरुभूसुरभूपतिभीतरभ
वनगये जातिकर्मकरिकनकबसनमणिभूषितसुरभिसमूहदये दल
रोचनफलफूलदूबदधियुवतिनभरिभरिथारलये गावतिचलींभीर
भइबीथिनबंदिनबाकुरबिरदबये२कनककलशचामरपताकध्वजज
हँतहँबंदनवारनये भरहिंअबीरअरगजाछिरकहिंसकललोकयक
रंगरये उमँगिचल्योआनन्दलोकतिहुंदेतसबनिमन्दिररितये तुल
सिदासपुनिभेददेखियतरामकृपाचितवनचितये ३ ॥ रागजयतिश्री ॥
गावैंबिबुधबिमलबरबानी भुवनकोटिकल्याणकन्दजयोपूतकौश

ल्यारानी मासपक्षतिथिबारनखतग्रहयोगलग्नशुभखानी जलथ
लगगनप्रसन्नसाधुसुनिदशदिशिहियहुलसानी बर्षतसुमनबधाव
नगरनभहर्षनजातबखानी ज्योंहुलासरनिवासनरेशहित्योंजनप
दरजधानी अमरनागमुनिमनुजसपरिअनबिगतबिषादगलानी
मिलहिँमांझरावणरजनीचरलंकशंकअकुलानी देवपितरगुरुबिप्र
पूजिनृपदयेदानरुचिजानी मुनिबनितापुरनारिसुवासिनिसहस
भांतिसनमानी पाइअघाइअशीशतनिकसतयाचकजनभेदानी यों
प्रसन्नकैकयीसुमित्रहिहोहुमहेशभवानी दिनदूसरेभूपभामिनि
द्वउभईंसुमंगलखानी भयोसोहिलोसोहिलोसोसृष्टिसोहिलंसा-
नी नाचतगावतसोमनभावतसुखआवतअधिकानी देतलेतपहि
रतपहिरावतप्रजाप्रमोदअघानी गाननिशानकोलाहलकौतुकदे
खतदुनीसिहानी हरिबिरंचिहरपुरशोभाकुलकोशलपुरीलोभानी
सानँदअवनिराजरवनीसबमांगहुकोखिजुड़ानी आशिषदेइसरा
हहिँसादरउमारमाब्रह्मानी बिभवबिलासबाढ़िदशरथकीदेखिन
जिनहिँस्वहानी कीरतिकुशलभूतिजयऋधिसिधितिनपरसबैक
हानी छठींबारहोंलोकवेदबिधिकरिसुबिधानबिधानी रामलषण
रिपुदवनभरतधरेनामललितगुरुजानी सुकृतसुमनतिलमोदबा
सविधियत्नयंत्रभरिखानी सुखसनेहसबदियेदशरथहिखरिखले
लथिरथानी अनुदिनउदयउछाहउमँगजगघरघरअवधकहानी
तुलसीरामजन्मयशगावतसोसमाजउरआनी ४ ॥ रागकेदार ॥ अव
धबधावनेघरघरमंगलसाजसमाज शकुनसुहावनेमुदितकरतसब
निजनिजकाज ॥ छन्द ॥ निजकाजसाजसवांरिपुरनरनारिरचना
अनगनी गृहअजिरअटतिबजारबीथिनचारुचौकेविधिबनी चाम
रपताकबितानतोरणकलशदीपावलिबनी सुखसुकृतशोभामयपु
रीबिधिसुमतिजननीजनुजनी १ चैतचतुर्दशिचांदनीअमलउदित
निशिराज उडुगणअवलिलसीदशदिशिउमँगतआनँदआज आनं

दउमँगतआजु विबुधबिमानबिपुलबनाइकै गावतबजावतनटत हर्षतसुमनबपतआइकै नरनिरखिनभसुरपेखिपुरछबिपरस्परस चुपाइकै रघुराजसाजसराहिलोचनलाहुलेतअघाइकै २ जागिये रामछठीसजनारीरजनीरुचिरनिहारि मंगलमोदमठीमूरतिजहँ नृपबालकचारि मूरतिमनोहरचारुबिरचिबिरञ्चि परमारथमयी अनुरूपभूपहिजानिपूजनयोगबिधिशंकरदयी तिनकीछठीमंजु लमठीजगसरसजिनकीसरसई कियनींदभामिनिजागरणअभि रामिनीयामिनिभई ३ सेवकसजगभयेसमयसुसाधनसचिवसुजा न मुनिबरगुरुशिषयेलौकिकवैदिकबिबिधिबिधान वैदिकविधा नअनेकलौकिकआचरणसुनिजानिकै बलिदानपूजाभूलिकामणि साधिराखीआनिकै जैदेवदेवीसेइयतहितलागिचितसनमानिकै तेयंत्रमंत्रसिखाइपेखतसबनसोपहिंचानिकै ४ सकलसुवासिन गुरुजनपुरजनपाहुनलोग बिबुधविलाशिनिसुरमुनियाचकजोज्य हियोग ज्यहियोगज्यहित्यहिभाँतित्यहि पाहराइपरिपूरणकिये जयकहतदेतअशीशतुलसीदासज्योंहुलसतहिये ज्योंआजकालिहु पर्ब्बजाग्रनहोहिंगेनिवतेदिये तेधन्यपुण्यपयोधिजेत्यहिसमयसु खजीवनजिये ५ भूपतिभागबलीसुरनरनागसरहिसिराहिँ कि यबेरबषअलीसम्पतिसिधि अणिमादिकमाहिँ अणिमादिशारद शैलनंदनिबाललालहिपारही भरिजन्मजेपायेनतेपरितोषउमार मालही निजलोकविसरेलोकपनधरकीनचरचाचालही तुलसीत पततिहुँतापजगजनुप्रभुछठीछायालही ६ । ५ ॥ रागजयतिश्री ॥ बाज आजअवधगहगहेसानन्दबधाये नामकरणरघुबरनकेनृपसुदिन शोधाये पायरजायसुरायकोऋषिरायबुलाये शिष्यसचिवसेवक सखासादरशिरनाये साधुसुमतिसमरथसबैसानंदसिखाये जल दलफलमणिमूलिमंगलकाजलिखाये १ गणपगौरिहरपूजिकै गोवृन्ददुहाये घरघरमुदमङ्गलमहागुणगणसुहाये तुरितमुदित

जहँतहँचलेमनकेभयभाये सुरपतिशासनघनमनोमारुतमिलिधा
ये २ गृहआंगनचौहटगलीबाजारबनाये कलशचवरबरतोरण
ध्वजासुबितानतनाये चित्रचारुचौकरचीलिखिमामजनाये भरि
भरिसरवरबापिकाअरगजासनाये ३ नरनारिनपलचारिमेंसब
साजसजाये दशरथपुरछबिआपनीसुरनगरलजाये बिबुधबिमा
नबनायकैआनंदितआयेहर्षिसुमनबर्षनलगेगयेधनजनुपाये४चा
रबिपहुबदकेबिकुलगुरुज्ञानी आपुबशिष्टअर्थबनीमहिमाजगजा
नी लोकरीतिबिधिबेदकीकरिकह्योसुबानी शिशुसमेतबेगिबोलि
येकौशल्यारानी ५ सुनतसुवासिनिलैचलीगावतिबहुभागी उ-
मारमाशारदशचीलखिसुनिअनुरागी निजनिजरुचिबपुबिरचि
कैहिलिमिलिसँगलागी त्यहिअवसरतिहुंलोककीसुदशाजनुजा
गी ६ चारुचौकबैठतभईनृपभामिनिसोहैं गोदमोदमूरतिलिये
सुकृतिजनुजोहैं सुखसुखमाकौतुककलालखिसुनिमुनिमोहैं सो
समाजज्योंकहिसकैऐसोकबिकोहै ७ लगेपढ़नरक्षाऋचाऋषिरा
जबिराजे गानसुमनझरिजयजयबहुबाजनबाजे भयेअमंगलल
ङ्कमेंशङ्कशङ्कटगाजे भुवनचारिदशकेबड़ेदुखदारिदभाजे ८ बाल
बिलोकिअथर्बनीहँसिहरिहिजनायो शुभकोशुभमोदमोदकोराम
नामसुनायो आलबालकलकोशिलादलबरणसुहायो कन्दसकल
आनन्दकोजनुअंकुरजायो ९ जोहिजानिजपिजारिकेकरपुटशिर
राखे जयजयजयकरुणानिधेसादरसुरभाखे सत्यसिंधुसांचेसदा
जेआखरआंखे प्रणतपालपायेसहीजेफलअभिलाखे १० भूमि
देवसुरदेखिकैनरदेवसुखारी बोलिसचिवसेवकसखापटधारिभँ
डारी देहुजाहिज्वइचाहियेसनमानसंभारी लगेदेनहियहर्षकै
हेरिहेरि हँकारी११ रामनिछावरिलेनकोहठिहोतभिखारी बहु
रिदेतत्यइदेखियेमानहुंधनधारी भरतलषणरिपुदवनहूंधरेनाम
बिचारी १२ भयेभूपबालकनकेनामनिरूपमनीके गयेशोचसङ्कट

मिटेतबतेपुरतीके सुफलमनोरथबिधिकियेसबबिधिसबहीके अ
बहैंहैंगायेसुनेसबकेतुलसीके १३ । ६ ॥ रागबिलावल ॥ सुभगसेज
सोहतिकौशल्यारुचररामशिशुगोदलिये बारबारबिधुबदनबि
लोकतलोचनचारुचकोरकिये कबहुंपौढ़िपयपानकरावतिकबहुँक
राखतिलाइहिये बालकेलिगावतिहलरावतिपुलकतिप्रेमपियूष
पिये बिधिमहेशसुनिसुरसिंहातसबदेखतअम्बरओटदिये तुल
सिदासअससुखरघुपतिपैकाहूतोपायोनबिये७ ॥ रागसोरठ ॥ ह्वैहैं
लालकबहिंबड़ेबलिमैया रामलषणभावतेभरतरिपुदमनचारुच
हुंभैया बालबिभूषणबसनमनोहरअंगनिबिरचिबनैहौं शोभानि
रखिनिछावरिकरिउरलाइवारनेजैहौं छगनमगनमिलिअजिर
खेलिहौहुलुकिठुमुकिकबधैहौ कलबलबचनतोतरीमंजुलकहिमा
मोहिंब्वलैहौ पुरजनसचिवरावरानीसबसेवकसखासहेली लेहैं
लोचनलाहुसुफललखिफलितमनोरथबेली जोसुखकीलालसाल
टूशिवशुकसनकादिउदासी तुलसीत्यहिसुखसिन्धुकौशलाभगन
प्रेमपयप्यासी ८ पगनिकबचलिहौंचारिउभैया प्रेमपुलकिउर
लाइसुवनसबकहतिसुमित्रामैया सुन्दरतनशिशुबचनअभूषणान
खसिखनिरखिनिकैया दलितृणप्राणनिछावरिकरिकरिलेहैंमा
तबलैया किलकनिनटनिचलनिचितवनिभजिमिलनिमनोहरतै
या मणिखंभनिप्रतिबिम्बझलकछबिछलकिहिभरिअँगनैया बा
लबिनोदमोदमंजुलबिधुलोललितज्वन्हैया भूपतिपुण्यपयो
धिउमँगिघरघरआनन्दबधैया ह्वैहैसकलसुकृतसुखभाजनलोच
नलाहुलुटैया अनायासपइहैंसोजन्मफलतोतरबचनसुनैया भरत
रामरिपुदवनलषणकेचरितसरितअन्हवैया तुलसीतब्यों अजहुं
जानिबेरघुबरनगरबसैया ९ चुपरिउबटिअन्हवायकेनयनआंजे
रचिरुचितिलकगोरोचनकोकियोहै भूपरअनूपमसिबिन्दवारे
बारे बारबिलसतशीशपरहेरिहरहियोहै मोदभरिगोदलिये ला

लतिसुमित्रादावेदेवकहेसबकोसुकृतउपबियोहै मातुपितुप्रियप
रिजनपुरजनधन्यपुण्यपुंजपेखिपेखिप्रेमरसपियोहै लोहितल
लितलघुचरणकमलकरचलिचाहिसुछबिसुकबिजियजियोहै बा
लकेलिबातबशझलकिझलमलतशोभाकी दिअटिमानोरूपदीप
दियोहै रामशिशुसानुजचरितचारुगाइसुनिसुजननिसादरजन
मलाहुलियोहै तुलसीबिहायदशरथदशचारिपुरऐसेसुखयोगबि
धिबिरच्योनबियोहै १० रामशिशुगोदमहामोदभरदशरथकौ
शिलहुंललकिलषणलाललयोहै भरतसुमित्रालयेकैकयीशमन
शत्रुतनप्रेमपुलकमगनमनभयोहै मढीलटकनमणिकनकरचित
बालभूषणबनायआछेअंगअंगठयोहै चाहिचुचुकारिचूंबिलालन
लावतउरतैसे फलपावतसुबीजजैसेबयोहै घनआटबिबुधबिलोकि
बर्षतफूलअनुकूलबचनकहतनेहनयोहै ऐसेपितुमातुपूतपुरजन
परिजनबिधिजानियतआपुभरिएईनिर्मयोहै अजरअमरहोहुक
रैंहरिहरछोहुजठरजठेरिनआशीर्वाददयोहै तुलसीसराहेभाग
तिनकेजिनकेहियेडिभनरामरूपअनुरागरंगरयोहै ११ ॥ रागआ-
सावरी ॥ आजुअनरसेहैंभोरकेपयपियतननीके रहतनवैठेठाढ़ेपाल
नेझूलतहुंरोवतरामभरोसोशोचसबहीके देवपितरग्रहपूजियेतुला
तौलियेघीके तदपिकबहुंकबहुंसखिऐसेहिआरतजबपरतदृष्टिदुष्ठ
तीके बेगिबोलिकुलगुरुछुयेमाथोहाथअमीके सुनतआयऋषिकुश
हरेनरसिंहमंत्रपढ़िजोसुमिरतभयभीके जासुनामसर्बससदाशिव
पार्व्वतीके ताहिझरावतिकौशलायहरीतिप्रीतिकोहियहुलसतितु
लसीके १२माथाहाथऋषिजबदियोरामकिलकनलागे महिमास
मुझिलीलाबिलोकिगुरुसजलनयनतनपुलकरोमरोमजागे लिये
गोदधायेगोदतेमोदमुनिअनुरागनिरखिमातुहर्षिहियेआलीओट
कहतमृदुबचनप्रेमकेसेपागे तुमसुरतरुरघुबंशकेदेतअभिमतिमांगे
मेरेबिशेषिगतिरावरीतुलसीप्रसादजाकेसकलअमंगलभागे १३

अमियविलोकनिकरिकृपामुनिबरजबजोये तबतेरामअरुभारत
लक्ष्मणरिपुदवनसुमुखसखिसकलसुवनसुखसोये लायसुमित्रा
लियेहियेफणिमणिज्योंगोये तुलसीनिछावरिकरतमातुअतिप्रेम
मगनमनसजलसुलोचनकोये १४ मातसकलकुलगुरुबधूप्रिय
सखीसुहाई सादरसबमंगलकियेमहिमतिमहेशपरसबनिसुधेनुदु
हाई बालिभूपभूसुरलियेअतिबिनयबड़ाई पूजिपांयसनमानदान
दियलहीअशीशसुनिबषसुमनसुरसांई घरघरपुरबाजनलगीआ
नंदबधाई सुखसनेहत्यहिसमयकोतुलसोजानैजाकोचोरेउचित
चहुंभाई १५ ॥ राग धनाश्री ॥ याशिशुकोगुणनामबड़ाई कोकहिसकै
सुनहुनरपतिश्रीपतिसमानप्रभुताई यद्यपिबुधिबयरूपशीलगुण
समयचारुचारौभाई तदपिलोकलोचनचकोरशशिरामभक्तिसुख
दाई सुरनरमुनिकरिअभयदनुजहतिहरहिंधरणिगरुआई कीर
तिबिमलबिश्वअघमोचनिरहिहिसकलजगछाई याकेचरणसरोज
कपटतजिजेभजिहैमनलाई सोकलयुगलसहितरतिहैभवयहन
कछूअधिकाई सुनिगुरुबचनपुलकितनदम्पतिहर्षनहृदयसमाई
तुलसिदासअवलोकिमातमुखप्रभुमनमेंमुसकाई १६ ॥ राग बिलावल ॥
अवधआजुआगमीयकआयो करतलनिरखिकहैसबगुणगणबहुत
निपरचोपायो बूढ़ोबड़ोप्रमाणिकब्राह्मणशंकरनामसोहायो सँग
शिशुशिष्यसुनतकौशल्याभीतरभवनबोलायो पायँपखारिपूजिदि
यआसनअसनबसनपहिरायो मलेचरणचारुचारिउसुतमाथेहाथ
दिवायो नखशिखबालचिलोकिबिप्रतनपुलकनयनजलछायो लै
लैगोदकलमकरनिरखतउरप्रमोदअनुमायो जन्मप्रसंगकह्योकौ
शिकमुनिसीयस्वयम्बरगायो रामभरतरिपुदवनलषणकोजयसु
खसुयशसुनायो तुलसिदासरनिवासरहसबशभोसबकोमनभायो
सनमान्योमहिदेवअशीशतसानेसदनसिधायो १७ ॥ राग केदारा ॥
पौढ़ियेलालपालनेहौंझुलावों करपदमुखचखिकमललसतलखि

लोचनभ्रमरभुलावों बालबिनोदमोदमंजुलमणिकिलकनिखानि
खुलावों त्यइअनुरागतागगुहिबेकहँमतिमगनयनबुलावों तुलसी
भणितभलीभामिनिउरसोपहिरायफुलावों चारुचरितरघुबरतेरे
हिमिलिगायचरणांचतलावों १८सोइयेलाललाड़िलेरघुराई मग
नमोदलियेगोदसुमित्राबारबारबलिजाई हँसेहँसतअनरसेअनर
सतप्रतिबिम्बनिज्योझांई तुमसबकेजीवनकेजीवनसकलसुमंगल
दाई मूलमूलसुरबीथिबेलितमतोससुदलअधिकाई नखतसुमा
नभबिटपबोड़िमनुछटाछटकिछबिछाई हौंजँभातअलसाततान
तुवबानिजानिमैंपाई गायगायहललायबोलिसौंसुखनींदरीसुहत
इ बछरूछौनाछगनमगनमेरेकहतमल्हाइमल्हाइ सानुजहियहु
लसतितुलसीकेप्रभुकिललितलरिकाई १६ ललनलोनेलरुआव
लिमैया सुखसोइयनींदब्यरियाभइचारुचरितचहुंमैया कतिहिम
ल्हाइलाइउरछिबछितछगनछबीलेछोटेछैया मोदकन्दकुलकुमुद
चंद्रमेरेरामचन्द्ररघुरैया रघुबरबालकेलिसंतनकीशुगभसुमुदसुर
गैया तुलसीदुहिपीवतसुखजीवतपयसुप्रेमघनघैया २० सुखनीं
दकहतिआलिआइहौं रामलषणरिपुदवनभरतशिशुकरिसबसुमु
खस्ववाइहौं रोवनिधोवनिअनखनिअनरसनिडिठिमिठनिठुरन
शाइहौं हँसनिखेलनिकिलकनिआनन्दनिभूपतिभवनबसाइहौं
गोदविनोदमोदमयमूरतिहर्षि२ हललाइहौंतनतिलतिलकरिवा
रिरामपरलेहौंरोगबलाइहौं रानीराउसहितसुतपरिजननिरखि
नयनफलपाइहौंचारुचरितरघुबंशतिलककेतहँतुलसिहिमिलिगा
इहौं २१॥रागआसावरी॥कनकरत्नमयपालनोरच्योमनहुंमारसुतहार
बिबिधखेलौनाकिंकिनीलोनेमंजुलमुक्ताहार रघुकुलमंडनरामल
ला१जननिउबटिअन्हवायकैमणिभूषणसजिलियेगोद पौढ़ायेप
टपालनेशिशुनिरखिमगनमनमोददशरथनंदनरामलला २मदन
मोरकीचन्द्रिकाझलकनिनिदरतितनुज्योति नीलकमलमणिजल

दकीउपमाकहेलघुहोतिमातुसुकृतफलरामलला ३ लघु२लोहित ललितहैंपदपाणिअधरयकरंग कोकबिजोछबिकहिसकैनखशिख सुंदरसबअंगपरिजनरंजनरामलला ४ पगनूपुरकटिकिंकिनीकर कंकनपहुंचीमंजु हियहरिनखअद्भुतबन्योमनोमनसिज मणिग णगंजु पुरजनसुरमणिरामलला ५ लोचननीलसरोजसेभ्रूपरम सिबिन्दुबिराज जनुबिधुमुखछबिअमियकोरक्षकराख्योआज शो भासागररामलला ६ गभुआरीअलिकावलिलसैलटकनिललित ललाट जनुउड़गणबिधुमिलनकोचलेतमबिदारिकैरिवाट सहज सुहावनरामलला ७ देखिखिलौनाकिलकहींपदपाणिबिलोचन लोलबिचित्रबिहंगअलिजलजज्योंसुखमासरकरतकलोल भक्तक ल्पतरुरामललाटबालबोलिबिनअर्थकेसुनिदेतपदारथचारि जनु इनबचननतेभयेसुरतरुतापसत्रिपुरारि नामकामधुकरामलला ९ सखीसुमित्रावारहींमणिभूषणबसनबिभाग मधुरझुलाइमल्हाव हींगावहिंउमँगिउमँगिअनुराग हेंजगमंगलरामलला १० मो तीजायोसीपमेंअदितजयोजगभान रघुपतिजायोकोशलागुणमंग लरूपनिधान भुवनबिभूषणरामलला ११ रामप्रगटजबतेभयेग येसकलअमंगलमूल मीतमुदितहितउदितहैंनितबैरिनकेउरशूल भवभयभंजनरामलला १२ अनुजसखाशिशुसंगलैखेलनजैहैंचौ गान लंकाखरभरपरैगोसुरपुरबाजिहैंनिशान रिपुगणगंजनराम लला १३ रामअहेरेचलहिंगजबगजरथबाजिसँवारि दशकंधर उरधकधकीअबजनिधावैंधनुधारि अरिकरिकेहरिरामलला १४ गीतसुमित्रासखिनकेसुनिसुरमुनिअनुकूल दयअशीषजयजयकहैं हर्षैंबर्षैं फूल सुरसुखदायकरामलला १५ बालचरितमयचन्द्रमा यहषोडशकलानिधान चितचकोरतुलसीकियोकरैप्रेमअमीरसपा न तुलसीकेजीवनरामलला १६।२२ ॥ रागकान्हरा ॥ पालनेरघु पतिहिझुलावै लैलैनामसप्रेमरसस्वरकौशल्याकलकीरतिगावै

केकिकंठद्युतिश्यामबरणबपु बालबिभूषणबिचित्रबनाये अलकैकु
टिललितलटकनभ्रूनीलनलिनह्वैनयनसुहाये शिशुसुभाव
सोहतजबकरगहिबदननिकटपदपल्लवलाये मनहुंसुभगयुगभुज
गजलजभरिलेतसुधाशशिसोंशुचिपाये उरअनूपबिलोकखेलौ
नाकिलकतपुनिपुनिपाणिपसारत मनहुंउभयअम्भोजअरुणासों
बिधुभयबिनयकरतअतिआरत तुलसिदासबहुबासबिबशअलिगुं
जतसोनहिंजातबखानी मनहुंसकलश्रुतिऋचामधुपह्वैबिशदसु
यशबरणतवरबानी२३॥ रागबिलावल ॥ झूलतरामपालनेसोहैं भूरि
भागजननीजनजोहैं तनमृदुमंजुलमेचकताई झलकतिबालबिभूष
णझाई अधरपाणिपदलोहितलोने सरशिंगारभवसारससोने कि
लकतनिरखिखिलौनालौना मनहुंबिनोदलखैकबिछौना रंजित
अंजनकंजबिलोचन भ्राजतभालतिलकगोरोचन लसैमसिबिन्दु
बदनबिधुनीके चितवतचितचकोरतुलसीके २४ ॥ रागकल्यान ॥ रा
जतशिशुरूपरामसकलगुणनिकायधाम कौतुकीकृपालब्रह्मजानु
पाणिचारी नीलकंजजलदपुंजमरकतमणिसदृशश्यामकामकोटि
शोभाअँगअंगनूपुरवारी हाटकमणिरत्नखचितइन्द्रमणिमन्दिरा
निवाससदनबुधिरच्योसँवारी बिहरतनृपअजिरअनुजसहितबा
लकेलिकुशलनीलजलजलोचनहरिमोचनभयभारी अरुणचरण
अंकुशध्वजकंजकुलिशचिन्हरुचिरभ्राजतअतिनूपुरबरमधुरमुखर
कारी किंकिनिबिधिजालकम्बुकंठललितमालउर बिशालकेहरि
नखकंकनकरधारी चारुचिबुकनासिकाकपोलभालतिलकभृकुटि
श्रवणअधरसुन्दरद्विजछबिअनूपन्यारी मनहुंअरुणकंजकोशमंजु
लयुगपांतिप्रसवकुन्दकलीयुगुलयुगूलपरमसुभ्रवारी चिक्कनचि
कुरावलीमनोषडंघ्रिमंडली बनीबिशेषगुंजतजनुबालकिलकारी
इकटकप्रतिबिम्बनिरखिपुलकतहरिहर्षिहर्षिलै उछंगजननीर
समंगजियबिचारी शेषहुसनकादिशंभुनारदादिशुकमुनीशकरत

बिबिधयोगकामक्रोधलोभजारी दशरथगृहस्वइउदारभंजनसं
सारभार लीलाअवतारतुलसिदासत्रासहारी २५॥ रागकान्हरा ॥
आंगनफिरतघुटुरुवनधाये नीलजलजतनश्यामरामशिशुजननि
निरखिसुखनिकटबुलाये बंधुकसुमनुअरुणपदपंकजअंकुशप्रमुख
चिन्हबनिआये नूपुरजनुमणिवरकलहंसनिरचेनीडदैबाहुबसाये
कटिमेखलबरहारग्रीवदररुचिरबाहुभूषणपहिराये उरश्रीवत्सम
नोहरहरिनखहेममध्यमणिगणबहुलाये सुभगचिबुकद्विजअधर
नासिकाश्रवणकपोलमोहिंअतिभाये भ्रूसुन्दरकरुणारसपूरणलो
चनमनहुंयुगुलजलजाये भालबिशाललललितलटकनबरबालदशा
केचिकुरस्वहाये मनुद्वौगुरुशनिकुजआगेकरिशशिहिमिलनतमके
गणआये उपमाएकअभूतभईतबजबजननीपटपीतओढ़ाये नील
जलदपरउड़गणनिरखततजिसुभावजनुतड़ितछपाये अंगअंगप
रमारनिकरमिलिछबिसमूहलैलैजनुछाये तुलसिदासरघुनाथरू
पगुणतौकहौंजोबिधिहोहिंबनाये२६॥ रागकेदारा ॥रघुबरबालछबि
कहौंबरणि सकलसुखकीसींवकोटिमनोजशोभाहरणि रुचिरनू
पुरकिंकिनीमनुहरतिरुनुझुनुकरणि वसीमानहुंचरणकमलनिअ
रुणतातजितरणि मंजुमंचकमृदुलतनुअनुहरतिभूषणभरणि मन
हुंसुभगशिंगारशिशुतरुफरेउअद्भुतफरणि भुजनिभुजगसरोज
नयननिबदनबिधुत्योंलरणि रहकुहरनिसलिलनभउपमाअपर
द्युतिदरणि लसतकरप्रतिबिम्बमणिआंगनघुटुरुवनिचलणि जल
जसंपुटसुछबिभरिभरिधरतिजनुउरधरणि पुण्यफलअनुभवति
सुतहिबिलोकिदशरथघरणि बसिततुलसीहृदयप्रभुकिलकनिनट
निलरखरणि२७नेकुबिलोकिधौंरघुबरणि चारिफलत्रिपुरारितो
कोंदयोहैनृपघरणि बालभूषणबसनसुन्दररुचिरराजतभरणि प
रस्परखेलनअजिरउठिचलनिगिरिगिरिपरणि झुकनिझांकनि
छांहसोकिलकनिनटनिहठिलरणि तोतरीबोलनिबिलोकनिमोह

नीमनुहरणि सखिबचनसुनिकौशलालखिसुढरपासेढरणि लेति भरिभरिअंकसेततिपैतजनुदुहुंकरणि चरितनिरखतबिबुधतुल सीओटदैजलधरणि चहतसुरसुरपतिभयोसुरपतिभयोचहैतरणि २८ ॥ रागजयतिश्री ॥ भूमितलभूपकेसौभाग रामलषणरिपुदवन भरतशिशुनिरखतअतिअनुराग बालबिभूषणलसतपाइमृदुमंजु लअंगबिभाग दशरथसुकृतमनोहरनिरखनिरूपकरहजनुलाग राजमरालबिराजतबिहरतजेहरहृदयतड़ाग तेनृपअजिरपाणि जनुधावतधरणचटकचलकाग सिद्धसिहातसराहतमुनिगणकहैं सुरकिन्नरनाग क्वैचरुबिहँगबिलोकियेबालकबसिपुरउपबनबाग परिजनसहितरायरानिनकियोमंजनप्रेमप्रयाग तुलसीफलचारि उताकेमणिमरकतपंकजराग २९ ॥ रागआसावरी ॥ क्वगणमगण आँगनखेलतचारुवाचारौभाई सानुजभरतलाललक्ष्मणरामलोने लोनेलरिकालखिमुदितमातसमुदाई बालबसनभूषणधरेनखशि खक्वबिछाई नीलपीतमनसिजसरसिजमंजुलमालनिमानौहैदेह नितैंद्युतिपाई ठुमुकुठुमुकुपगधरनिनटनिलरखरणिसुहाई भज निमिलनिरूठानटूटानकिलकनिअवलोकनिबोलनिबरणिनजाई जननिसकलचहुंओरआलबालमणिअँगनाई दशरथसुकृतबिबुध बिरदावलिसुतबिलोकिजनुबिधिवरबारिबनाई हरिबिरंचिहर हेरिरामप्रेमपरबशताई सुखसमाजरघुराजकेबरणतबिशुद्धमनसु रनिसुमनझरिलाई सुमिरतश्रीरघुबरयकीलीलालरिकाई तुल सिदासअनुरागअवधिआनन्दअनुभवततबकोसोअजहुंअघाई ॥ ३० ॥ रागबिलावल ॥ आंगनखेलैंआनन्दकन्दा रबिकुलकुमुदसु खदचहुंचन्दा सानुजभरतलषणसँगसोहैं शिशुभूषणभूषितमन मोहैं तनुद्युतिमोरचन्द्रजिमिझलकै उमँगिअँगअँगछबिछलकै कटिकिंकिनिपयजनियांबाजैं पंकजपाणिपहुंचियांराजैं कठुलाक ण्ठबघनहानीके नयनसरोजमयनसरसीके लटकनलसतललाट

लटूरीदमकतद्वैद्वैदँतुलियांरूरी मुनिमनहरतिमंजुमसिबुन्दालालि
तबदनबलिबालमुकुन्दा कुलहीचित्रबिचित्रझँगूली निरखहिमा
तमुदितअतिफूली गहिमणिखंभनिडिगडिगडोलत कलबलबच
नतोतरबोलत किलकतझुकिझांकतप्रतिबिम्बनि देतपरमसुखपि
तुअरुअम्बनि सुमिरतसुखमाहियहुलसीहै गावतप्रेमपुलकितुल
सीहै ३१॥ रागकान्हरा ॥ ललितसुतहिलालतिसचुपाये कौशल्याक
लकनकअजिरमहिसिखवतचलनअँगुरियांलाये कटिकिंकिनीपैं
जनीपांयनिबाजतिरुनुझुनुमधुरेगाये पहुंचीकरनिकगठकटुलाब
न्योकेहरिनखमणिजांरतजराये पीतसुचीरबिचित्रझँगुलियासो
हतिश्यामशरीरसुहाये दतियांद्वैद्वैमनोहरमुखछबिअरुणअधर
चितलेतच्वराये चिबुककपोलनासिकासुन्दरभालतिलकलमसि
बिंदुबनाये राजतनयनमयनयुतखंजनकंजमीनमदनाये लटकनि
चारुभृकुटियांटेढ़ीमेढ़ीसुभगसुदेहसुभाये किलकिकिलकिनाचत
चुटकीसनिडरपतजननिपाणिछुटकाये गिरतघुटरुवनिटेकिउठि
अनुजनितोतरिबोलतरूपदिखाय बालकेलिअवलोकिमातुसब
मुदितमगनआनँदअनमाये देखतनभघनओटचरितमुनियोगस
माधिबिरतिबिसराये तुलसिदासजेरसिकनयहिरस तेजनजड़
जीवतजगजाये ३२ ॥ रागललित ॥ छोटीछोटीगोड़ियांअँगुरियांछ
बीलीछोटीनखज्योतिमोतीमानोकमलदलनिपर ललितआंगन
खेलैंठुमुकठुमुकचलैंरुनुझुनुपांयपैंजनीमृदुमुबर किङ्किनीकलित
कटिहाटकनमंजुकरकंजनिपहुचियांरुचिरतर पियरीझीनीझंगु
लीसाँवरेशरीरखुलीबालकदामिनिओटमानोबारेबारिधर उरब
घनखहाटकगठकटुलाझंडूलेकेशमेढ़ीलटकन मसिविन्दुमुनिमनह
र अंजनरँजातनयनचित्तचोरेचितवनिमुखशोभापरवारि अमित
अस्मशर चुटुकीबजावतिनचावतिकौशल्यामाता बालकेलिगाव
तिमल्हावतिप्रेमसर किलकिकिलकिहँसैद्वैद्वैदतुरियांलसैंतुलसी

केमनबसैंतोतरेबचनबर ३३ सादरसुमुखिबिलोकिरामशिशुरू
पअनूपभूपलियेकनियाँ सुन्दरश्यामसरोजबरणतनसबअँगसुभ
गसकलसुखदनियाँ अरुणचरणनखज्योतिजगमगतिरुनुझुनुक
रातपायपजनियाँ कनकरत्नमणिजटितरटितकटिकिङ्किनिकलित
पीतपटतनियाँ पहुंचीकरनिपदिकहरिनखउरकठुलाकण्ठमंजुज
गमणियाँ रुचिरचिबुकरदअधरमनोहरललितनासिकालसतन
थुनियाँ बिकटभृकुटिसुखमानिधिआननकलकपालकाननगफ
नियाँ भालतिलकमसिबिन्दुबिराजतसोहतिशीशलालचौतनि
याँ मनमोहनीतोतरीबोलनिमुनिमनहरणिहँसनिकिलकनियाँ
बालसुभायबिलोलबिलोचनबोलतचितहिचारुचितवनियाँ सुनि
कुलबधूझरोखनिझाँकतिरामचन्द्रछबिचन्द्रबदनियाँ तुलसिदा
सप्रभुदेखिमगनभईप्रेमबिबशकछुसुधिनअपनियाँ ३४ ॥ रागबि
लावल ॥ सोहतसहजसुहायेनयन खजनमीनकमलसकुचततबज
बउपमाचाहतकबिदयन सुन्दरसबअङ्गनिशिशुभूषणराजतजनु
शोभायेलयन बड़ोलाभलाभबशरहिगये लखिसुखमाबहुमयन
भोरभूपलियेगोदमोदभरेनिरखतबदनसुनतकलबयन बालकरू
पअनूपरामछबिनिबसतितुलसिदासउरअयन ३५ ॥ रागबिभास ॥
भोरभयउजागहुरघुनन्दन गतब्यलीकभक्तनउरचन्दन शशिकर
हीनक्षीणद्युतितारे तमचुरमुखरसुनहुंमेरेप्यारे बिकशितकंजकु
मुदबिलखाने लैपरागरसमधुपउड़ाने अनुजसखासबबोलनआ
ये बन्दिनअतिपुनीतगुणगाये मनभावतोकलेऊकीजै तुलसिदा
संकहँजूठनिदीजै३६ प्रातभयोतातबलिमातबिधुबदनपरमदनवा
रोंकोटिउठोप्राणप्यारे सूतमागधबन्दीबदतबिरदावलीद्वारशि
शुअनुजप्रियतमतिहारे कोकगतशोकअवलोकिशशिक्षीणछबिअ
रुणभयेगगनकररुचिरतारे मनहुंरबिबालमृगराजतमनिकरक
रिदलितअतिललितमणिगणबिथारे सुनहुंतमचुरमुखरकीरकल

हंसपिककेकरवकलितबोलतबिहंगबारे मनहुंमुनिवृन्दरघुबंशम णिरावरेगुणआश्रमनिवसपरिवारे सरनिविकसितकंजपुंजमक रन्दबरमंजुलतरमधुकरगुंजारे मनहुंप्रभुजन्मसुनिबयनअमरा वती इन्दिरानन्दिमन्दिरसँवारे प्रेममेंमिलतबरबचनरचनाअक निरामराजीवलोचनउघारे दासतुलसीमुदितजननिकरेआरती सहजसुन्दरअजिरपांउधारे ३७ जागियेकृपानिधानजानरायरा मचंद्रजननीकहबारबारभोरभयोप्यारे राजिवलोचनविशालप्री तिबापिकामरालललितबदनऊपरमदनकोटिवारडारे अरुणउ दितबिगतशर्व्वरीशशांककिरनहीन दीनदीपज्योतिमलिनद्युति समूहतारे मनहुंज्ञानघनप्रकाशबीतेसबभवबिलासआशत्रासति मिरतोषतरणितेजजारे बोलतखगनिकरमुखरमधुरकरप्रतीति सुनहुंश्रवणप्राणजीवनधनमेरेतुमबारे मनहुंवेदबन्दीमुनिवृन्दसू तमागधादिबिरुदबदतजैजैजैजैतिकैटभारे बिकशितकमलावली चलेप्रपुंजचंचरीकगुंजतकलकोमलधुनित्यागिकंजन्यारे जनुबिरा गपाइसकलशोककूपगृहबिहाय भृत्यप्रेममत्तफिरतगुणतिहारे सुनतबचनप्रियरसालजागेअतिसपदबाल भागेजंजालबिपुलदु खकदम्बढारे तुलसिदासअतिअनन्ददेखिकैमुखारबिन्द छूटेभ्रम फन्दपरममन्दद्वन्दभारे ३८ बोलतअवनिपकुमारठाढेनृपभवन द्वाररूपशीलगुणउदारजागहुमेरेप्यारे बिलखितकुमुदिनचकोर चक्रबाकहर्षभोरकरतशोरतमचुरखलगुंजतअलिन्यारे रुचिरमधु रभोजनकरिभूषणसजिसकलअंग संगअनुजबालकसबबिबिधि बिधिसँवारे करतलगहिललितचापभंजनरिपुनिकरदापकटितट पटपीततूणशायकअनिआरे उपबनमृगयाबिहारकारणगमनेकृ पालजननीमुखनिरखिपुण्यपुञ्जनिजबिचारे तुलसिदाससंगली जैजानिदीनअभयकीजैदीजैमतिबिमलगावैचरितबरतिहारे ३९

रागनट ॥ खेलनचलियेआनन्दकन्द सखाप्रियनृपद्वारठाढ़ेबिपुल

बालकवृन्द तृखितेतुम्हरेदरशकारणचतुरचातकदास बपुषबारि
दबर्षिछबिजलहरहुलोचनप्यास बन्धुबचनबिनीत सुनिउठेमनहुं
केहरिबाल ललितलघुशरचापकरउरनयनबाहुबिशाल चलतप
दप्रतिबिम्बराजतअजिरसुखमापुंज प्रेमबशप्रतिचरणमहिमनुदे
तिआसनकंज निरखिपरमबिचित्रशोभाचकितचितवहिंमात ह
र्षबिबशनजातकहिनिजभवनबिहरहुतात देखितुलसीदासप्रभु
छबिरहेसबपलरोकि थकितनिकरचकोरमानहुंशरदइन्दुबिलो
कि ४० बिहरतअवधबीथिनराम संगअनुजअनेकशिशुनवनील
नीरदश्याम तरुणअरुणसरोजपदबनिकनकभयपदत्राण पीतप
टकटितूणवरकरललितलघुधनुबाण लोचननिकोलेतफलछबिनि
रखिपुरनरनारि बसततुलसीदासउरअवधेशकेसुतचारि ४१
करतलसोहतबाणधनुहियाँ खेलतफिरतकनकआँगनमेंपांयनला
लपनहियां दशरथकुमुदइन्दुचिंतामणिप्रगटेभूतलमहियाँ दारि
ददवनमोहतमनाशनसुखदायकमहिमहियाँ जोसुखतिहूंलोकमें
नाहींसोपैयतप्रभुपहियाँ तुलसीजन्ममरणभक्तनकोनिरुवारतदै
बहियाँ ४२ जसेरामललिततैसेलोनेलक्ष्मणबाल तैसोईभरत
शीलसुखमासनेहबिधितैसोइसुभगसंगशत्रुशाल धरेधनुशरकर
कसेकटितरकसपीरेपटओढ़ेचलचारुचाल अंगअंगभूषणजराय
केजगमगतहरतजनकेजीकेतिमिरजाल खेलतचौहटघाटबीथी
बाटिकनिप्रभुशिवसुप्रेममानसमराल शोभादानदैदैसनमानतया
चकजानिकरतलोकलोचननिहाल रावणदुरितदुखदलेसुरकहें
आजुअवधसकलसुखकेसुकाल तुलसीसराहैंसिद्धसुकृतकौशल्या
जूके तसोभूरिभागभाजनभुआल ४३ ॥ रागललित ॥ ललितरल
घुलघुधनुशरकरतैसीतरकसकटिकसेपटपियरे ललितपनहींपाँ
यपैंजनीकिङ्किनिधुनिसुनिसुखलहैंमनरहैंनितनियरे पहुंचीअंग
दबारुहृदयपदिकहारुकुण्डलतिलकछबिगड़ीकलिजियरे शिरटे

ढ़ीपागेंलालनीरजनयनबिशालसुन्दरबदनठाढ़ेसुरतरुसियरे सु
भगसकलअगअनुजबालकसंगदेखे नरनारिरहेज्योंकुरंगदियर
खेलतअवधखोरिगोलाभौंराचकडोरि मूरतिमधुरबसेतुलसीके
हियरे ४४ छोटियेधनुहियांपनहियाँपगनिछोटाछाटियेकछोटी
कटिछोटीएकतरकसी लसतिझगूंलीझीनीदामिनीकी छबिछीनी
सुन्दरबदनशिरपगियाजरकसी देअनुहरतबिभूषणबिचित्रअंग
जाहेजियआवतिसनेहकीसरकसी मूरतिकीसूरतिकहीनपरेतुल
सीपजानेसोईजाकेउरकसेकेकरकसी ४५ ॥ रागटोड़ी ॥ रामलष
णएकओरभरतरिपुदवनलालएकओरभये सरयूतीरसमसुभग
भूमितलगणिगुणिगाहियांबाटलिये कन्दुककेलिकुशलहयचढ़ि
चढ़िमनकसिकसिठोकिठोकिखये करकमलनबिचित्रचौगानैखे
लनगयेखेलरिझयेव्योमबिमाननबिबुधबिलोकतखेलकपेखकछां
हछये सहितसमाजसराहिदशरथहीवर्षतनिजतरुकुसुमचये एक
लेनबढ़तएकफेरतसबप्रेमप्रमोदबिनोदमये एककहातभइहेलरा
मजूकीएककहतभैयाभरतजये प्रभुबकसतगजबाजिबसनमणिज
यधुगिगगननिशानहयेपाइसखासेवकयाचकभरिजीवनदूसरद्वा
रगये नभपुरपरतिनिछावरजहँतहँसुरसिद्धनबरदानदये भूरिभा
गअनुरागउमँगितेगावतसुनतचरितानितये हारेहर्षहेतहियभर
तहिंजीतेसकुचिशिरनयननये तुलसीसुमिरिसुभायशीलगुणसुकृ
तीजोयहिरंगरये ४६ खेलीखेलिसुखेलनहारे उतरिउतरिचुचु
कारितुरङ्गनसादरजाइज्वहारे बन्धुसखासेवकसराहिसनमानि
सनेहसँभारे दियेबसनगजबाजिसाजिशुभसाजसुभांतिसँवारे
मुदितनयनफलपाइगाइगुणसुरसानन्दसिधारे सहितसमाजरा
जमन्दिरकहुंरामरायपगुधारे भूपसबनघरघरघमण्डकल्याणको
लाहलभारे निरखिहरषिआरतीनिछावरिकरतशरीरबिसारे नि
तयेमंगलमोदअवधसबबिधिसबलोगसुखारे तुलसीतिनसमते

जिनकेप्रभुतेप्रभुउरितपियारे ४७ ॥ रागसारंग ॥ चहतमहामुनि योगजयो नीचनिशाचरदेतदुसहदुखकृशतनुतापतयो शापजापन येनिदरतखलसबतेयहमंत्रठयो बिप्रसाधुसुरधेनुधरणिहितहरि अवतारलयो सुमिरतश्रीशारंगपाणिक्षणमेंसबशोचगयो चलेमुदितकौशिककोशलपुरसगुणनिसाथदयो करतमनोरथजातिपुलकिप्रगटतआनन्दनयो तुलसीप्रभुअनुरागउमँगिमगमंगलमूलभयो ४८ आजुसकलसुकृतफलपाइहौं। सुखकीसींवअवधआनँद कीअवधबिलोकनजाइहौं सुतनसहितदशरथहिदेखिहौंप्रेमपुलकिउरलाइहौं रामचन्द्रमुखचन्द्रसुधाछबिनयनचकोरनिप्याइहौं सादरसमाचारनृपबुझिहैंहौंसबकथासुनाइहौं तुलसीह्वैकृतकृत्यआश्रमहिंरामलषणलैआइहौं ४९ ॥ रागनट ॥ देखिमुनिरावरे पदआजु भयोप्रथमगणतीमेंअबतेंजहँलौंसाधुसमाजु चरणबन्दि करजोरिनिहोरतकहियकृपाकरिकाजु मेरेकछुनअदेयरामबिनुदे हगेहसबराजु भलीकहीतुमसोंत्रिभुवनमेंकोसुकृतीशिरताजु तुलसीरामजन्मतेजनियतसकलसुकृतकोसाजु ५० राजनरामलषणजोदीजै यशरावरोलाभढोटनिहूंमुनिसनाथसबकीजै डरपतहौं सांचेहुसनेहवशसुतप्रभाउबिनुजाने बूझियेबामदेवअरुकुलगुरुतुमपुनिपरमसयाने रिपुरणदलिमखराखिकुशलअतिअलपदिननिघरऐहैं तुलसिदासरघुबंशतिलककोकबिकुलकीरतिगैहैं ५१ रहे ठगिसेनृपतिसुनिमुनिबरकेबयन कहिनसकतकछुरामप्रेमबशपुलकगातभरेनयन गुरुबशिष्ठसमुझाइकह्योतबहियहर्षानेजानेशेषशयन सौंपेसुतगहिपाणिपांयपरिभूसुरउरचलेउमँगिचयन तुलसीप्रभुजोहतपोहतचितमोहतमोहतकोटिमयन मधुमाधवमूरतिदोऊसँगमानोदिनमणिगमनकियोउत्तरअयन ५२ ॥ रागसारंग ॥ ऋषिसँगहर्षिचलेद्वौभाई पितुपदबन्दिशीशलियोआयसुसुनिशिखआशिषपाई नीलपीतपाथोजबरणबपुबयकिशोरबनिआई शर

धनुपाणिपीतपटकटितटकसेनिखंगबनाई कलितकंठमणिमालक
लेवरचन्दनखौरिस्वहाई सुन्दरबदनसरोरुहलोचन मुखछबिबर
णिनजाई पल्लवपक्षसुमनशिरसोहतक्योंकहौंबेषलोनाई मनुमूर
तिभरिउभयभागभईत्रिभुवनसुन्दरताई पैठतसरणिशिलनिचढ़ि
चितवतखगमृगबनरुचिराई सादरसभयसप्रेमपुलकि मुनिपुनि
पुनिलेतबलाई एकतीरतकिहतीताड़ुकाबिद्याबिप्रपढ़ाई राख्योय
ज्ञजीतिरजनीचरभयजगबिदितबड़ाई चरणकमलरजपरसिअहल्यानिजपतिलोकसिधाई तुलसिदासप्रभुकेबूझेमुनिसुरसरिकथा
सुनाई५३॥ रागनट ॥ द्वौराजसुवनराजतमुनिकेसंग नखशिखलोने
लोनेबदनलोनेलोयनदामिनिवारिदबरणअंग शिरनिशिखासुहा
ईउपबीतपटधनुशरकरकसेकटिनिखंग मानोमखरुजनिशिचर
हरिबेकोसुतपावककेसाथपठयोपतंग करतछांहघनबर्षेसुरसुमनि
छबिबरणतअतुलितअनंग तुलसीप्रभुबिलोकिमगलोगखगमृग
प्रेममगनरँगेरूपरंग ५४ ॥ रागकल्यान ॥ मुनिकेसंगबिराजतबीर
काकपक्षधरकरकोदण्डसरसुभगपीतकटितूणीर बदनइन्दुअम्भो
रुहलोचनश्यामगौरशोभासदनशरीर पुलकतऋषिअवलोकिअ
मितछबिउरनसमातप्रेमकीभीर खेलतचलतकरतमगकौतुकबिल
सतसरितसरोबरतीर तोरतलतासुमनसरसीरुहपियतसुधासम
शीतलनीर बैठतबिमलशिलनिबिटपनितरपुनिपुनिबरणतछांह
समीर देखतनटतकेकिकलगावतमधुपमरालकोकिलाकीर नयन
निकोफललेतनिरखिखगमृगसुरभीब्रजबधूअहीर तुलसीप्रभुहिं
देतसबआसननिजनिजमनमृदुकमलकुटीर५५ ॥ रागकान्हरा॥ सो
हतमगमुनिसँगद्वौभाई तरुणतमालचारुचंपकछबिकबिसुभायक
हिजाई भूषणबसनअनुहरतअँगनिउमंगतिसुन्दरताई बदनमनो
जसरोरुहलोचननिरखिलोभाइलुनाई अंगनिधनुशरकरकमलनि
कटिकसेनिखंगबनाई सकलभुवनशोभासर्व्वसलघुलागतिनिर

खिनिकाई महिमृदुपथघनछांहसुमनसुरबर्षपवनसुखदाई जल थलरुहफलफूलसलिलसबकरतप्रेमपहुनाई सकुचसभीतबिनीत साथगुरुबालनिचलनिस्वहाईखगमृगसुभगबिचित्रबिलोकतबि चबिचलसतिललितलरिकाई विधादइजानिबिद्यानिधिबिद्यहु लहीबड़ाई ख्यालदलीताडुकादेखिमुनिदेतअशीशअघाई बूझत प्रभुसुरसरिप्रसंगकहिनिजकुलकथासुनाई गाधिसुवनसनेहसु खसम्पतिउरआश्रमनसमाई बनबासीबटुयतीयोगिजनसाधुसि द्धससुदाई पूजतपेखिप्रीतिपुलकिततननयनलाभलुटिपाई मख राख्योखलदलदलिभुजबलबाजतबिबुधबधाई नितप्रतिचरितस हिततुलसीचितबसतलषणरघुराई ५६ मंजुलमंगलमयनृपढोटा मुनिमुनितियमुनिशिशुबिलोकिकहेंमधुरमनोहरजोटा नामरूप अनुरूपबेषबयरामलषणलाललोने इनतेलहिजनुघनदामिनिद्यु तिमनसिजमरकतसोने चरणसरोजपीतपटकटितटतूणतीरधनु धारी केहरिकंधकामकरिकरवरबिपुलबाहुबलभारी दूषणरहित समयसमभूषणपाइसुअंगनिसोहै नवराजीवनयनपूरणबिधुबद नमदनमनमोहै शिरनिशिखगडसुमनदलमगडनबालसुभायबना ये केलिअंकतनुरेनुपंकजनुप्रगटतचरितचोराये मखराखिबेलागि दशरथसोंमांगिआश्रमहिंआने प्रेमपूजिपाहुनेप्राणप्रियगाधिसु वनसनमाने साधनफलसाधकसिद्धनिकेलोचनफलसबहीके सक लसुकृतफलमातपिताकेजीवनधनतुलसीके५७॥ रागसुहव ॥ रामप दपद्मपरागपरी ऋषितियतुरतत्यागिपाहनतनछबिमयदेहधरी प्रबलपापपतिशापदुसहदवदारुणजरनिजरी सींचिकृपाजलबि बिधबेलिज्योंफिरिसुखफरनिफरी निगमअगममूरतिमहेशमति युवतिबरायबरी सोइमूरतिजानोनयननपथयकटकतेनटरी बरण तिहृदयस्वरूपशीलगुणप्रेमप्रमोदभरी तुलसीऐसेकेहिआरतकी आरतिप्रभुनहरी ५८ परतपदपंकजरजऋषिरवनी भईप्रगटअ

तिदिव्यदेहधरिमानौत्रिभुवनछबिछवनी देखिबड़ोआश्चर्य्यपुल
कितनुकहतमुदितङ्कैमुनिभवनी जोचलिहैंरघुनाथपयादेहिशिला
नहींरहिहैंअवनी परसिजेपांयपुनीतशंभुशिरशोहतीनपथगवनी
तुलसिदासतेहिचरणरेणुकीमहिमाकहमतिकवनी ५९ भूरिभाग
भाजनभई रूपराशिअवलोकिबंधुद्वौप्रेमसुरंगरई कहाकहौंकेहि
भांतिसराहौंनहिंकरतूतिनई बिनुकारणकरुणाकररघुबरकेहिके
हिगतिनदई करिबहुबिनयराखिउरमूरतिमंगलमोदमई तुलसी
ङ्कैबिशोकपतिलोकहिप्रभुगुरुगनतिगई६०॥ राग कान्हरा ॥ एकौशि
कमखकेरखवारे नामरामअरुलषणललितअतिदशरथरायदुलारे
मेचकपीतकमलकोमलकलकाकपक्षधरबारे शोभासकलसकेलि
मदनबिधिस्वकरसरोजसँवारे सहससमूहसुबाहुसरिसखलसम
रशूलभटभारे केलितूणधनुबाणपाणिरणनिदरि निशाचरमारे ऋ
षितियतारिस्वयम्बरपेखनजनकनगरपगुधारे मगनरनारिनि
हारतसादरकहिवड़भागहमारे तुलसीसुनतएकएकनसोंचलतबि
लोकनिहारे एकनिबचनलाहुमानोअंधानलहैंबिलोचनतारे ६१
रागटोड़ी ॥ आयेसुनिकौशिकजनकहर्षानेहैं बोलिगुरुभूसुरसमा
जसोंमिलनचलेजानिबड़े भागअनुरागअकुलानेहैं नाइशीशपग
निअशीशपाइप्रमुदितपांवड़ेअर्घदेतआदरसोंआनेहैं असनबसन
बासकैसुपाससबबिधिपूजिप्रियपाहुनेसुभायसनमानेहैं बिनयब
ड़ाईऋषिरायहूपररूपरकरतपुलकिप्रमआनँदअघानेहैं देखेराम
लषणनिमेषेबिथकितभईप्राणहूंतेप्यारेलागेबिनुपहिंचानेहैं ब्रह्मा
नन्दहृदयहर्षसुखलोयननिअनुभवउभयसरसरामजानेहैं तुलसी
बिदेहकीसनेहकीदशासुमिरिमरेमनमानेराउनिपटसयानेहैं ६२
रागमलार ॥ कोशलरायकेकुंवरढोटा राजतरुचिरजनकपुरपैठतश्या
मगौरनीकोजोटा चौतनिशिरनिकनककलिकाननिकटिपटपीत
स्वहाये उरमणिमालबिलासबिलोचनसीयस्वयम्बरआये बरणि

नजातमनहिंमनभावतसुभगअबहिंबयथोरी भईहैंमगनबिधुबद
नबिलोकतबनिताचतुरचकोरी कहँशिवचापलरिकवनबूझतबिहँ
सिचितेतिरछेहैं तुलसीगलिनभीरदरशनलगिलोगअटनिअव
रोहैं ६३ एअवधेशकेसुतदोऊ चढ़िमंदिरनबिलोकतसादरजनक
नगरसबकोऊ श्यामगौरसुन्दरकिशोरतनुतूणबाणधनुधारी कटि
पटपीतकण्ठमुक्तामणिभुजबिशालबलभारी मुखमयंकसरसीरुह
लोचनतिलकभालटेढ़ीभौंहैं कलकुण्डलचौतनीचारुअतिचलतम
त्तगजगोंहैं विश्वामित्रहेतुपठयेनृपइनहिंताड़ुकामारी मखराख्यो
रिपुजीतिजानजगमगमुनिबधूउधारी पियपाहुनेजानिनरनारि
ननयननिअपनदये तुलसिदासप्रभुदेखिलोगसबजनकसमान
भये ६४ ॥ रागटोड़ी ॥ बूझतजनकनाथढोटादोउकाकेहैं तरुणत
मालचारुपंकजबरणतनुकौनेबड़ेभागीकेसुकृतिपरिपाकेहैं सुख
केनिधानपायेहियेकेबिधानलाये ठगकेसेलाडूखायेप्रेममधुछाकेहैं
स्वारथहिरतपरमारथीकहावतहैंभेसनेहबिबशबिदेहताबिबाकेहैं
शीलसुधाकेअगारसुखमाकेपारावारपावतनपरिपारपैरिपैरिपाके
हैं लोचनललकिलागेमनअतिअनुरागेएकरंसरूपचितसरूपसक
लसभाकेहैं जियजियजोरतसगाईरामलषणसोंआपनेभायजैसे
भायजाकेहैं प्रीतिकोप्रतीतिकोसूरिबेकोसेइबेकोशरणकोरामरथ
तुलसीहुताकेहैं ६५ ॥ रागमलार ॥ एकौनकहांतेआये नीलपीतपा
थोजबरणमनहरणसुभायसुहाये मुनिसुतकिधौंभूपकुँवरकिधौंब्र
ह्मजीवजगजाये रूपजलधिकेरत्नसुछबितियलोचनललितललाये
किधौंरबिसुवनमदनऋतुपतिकिधौंहरिहरभेषबनाये किधौंआप
नेसुकृतसुरतरुकेसुफलरावरेहिपाये भयेबिदेहबिदेहनेहबशदेहद
शाबिसराये पुलकगातनसमातहर्षहियसलिलसुलोचनछाये ज
नकबचनमृदुमंजुमधुरभरेभक्तिकौशिकहिभाये तुलसीअतिआन
न्दउमँगिउररामलषणगुणगाये ६६ कौशिककृपालहूकोपुलकित

तनुभो उमंगतअनुरागसभाकेसराहेभागदेखिदशाजनककीकहि
बेकोमनुभो प्रीतिकेनपातकीदियहुंशापपापबड़ोमखमिसमेरोतब
अवधगवनभो प्राणहूंतेप्यारेसुतमांगेदियेदशरथसत्यसिन्धुशोच
सहेसूनोसोभवनुभो काकशिखाशिरकरकेलितूणधनुशरबालक
बिनोदयातुधाननसोरणुभो बूझतबिदेहअनुरागआचरजबशऋ
षिराजपागभयोमहाराजअनुभो भूमिदेवनरदेवसचिवपरस्पर
कहतहमहिंसुरतरुशिवधनुभो सुनतराजाकीरीतिउपजीप्रतीति
प्रीतिभागतुलसीकेभलेसाहिबकोजनुभो ६७ चारौभलेबेटादेव
दशरथरायके प्रजैसेरामलषणभरतरिपुहनतैसेशीलशोभासागर
प्रभाकरप्रभायके ताड़कासँहारिमखराखेनीकेपालेव्रतकोटिकोटि
भाटिकियेएकएकघायके एकबाणबेगहीउड़ानेयातुधानजातसूखि
गयेगातहैंपतौआभयेबायुके शिलाछोरुछुअतअहल्याभईदिव्य
देहगुणपेखेपारसकेपङ्करुहपायके रामकेप्रसादगुरुगोतमखसफ
लभयेरावरेहुसतानन्दपूतभयेमायके प्रेमपरिहासपोषेबचनपर
स्परकहतसुनतसुखसबहींसुभायके तुलसीसराहेभागकौशिक
जनकजूकेविधिकसुढरहोतसुढरसुदायक ६८ येदोऊदशरथके
बारे नामरामघनश्यामलषणलघुनखशिखअँगउजियारे निज
हितलागिमांगिआनेमैंधर्मसेतुरखवारे धीरवीरबिरुदैत्यबांकुरे
महाबाहुबलभारे एकतीरतकिहतीताड़काकियेसुसाधुसुखारे य
ज्ञराखिजगसाखितोषऋषिनिदरिनिशाचरमारे मुनितियतारि
स्वयम्बरपेखनआयेसुनिबचनतिहारे एउदेखिहैंपिनाकुनेकुज्य
हिन्नृपतिलाजज्वरजारे सुनिसतानन्दसराहिसपरिजनबारहिं
बारनिवारे पूजिसप्रेमप्रशंसिकौशिकहिभूपतिसदनसिधारे शो
चतसत्यसनेहबिबशनिशिन्नृपहिगनतगईतारे पठयेबोलिभोरगु
रुकेसँगरंगभूमिपगुधारे नगरलोगसुधिपाइमुदितसबसबहीका
जबिसारे मनहुंमघाजलउमँगिउदधिरुखचलेनदीनदनारे येकि

शोरधनुघोरबहुतबिलखातबिलोकिनिहारे टर्योनचापतिन्हते जिन्हसुभटनकौतुककुधरउखारे येजानेबिनजनकजानियतकरि प्रणभूपहँकारे नतरुसुधासागरपरिहरकतकूपखनावतखारे सुख माशीलसनेहसानिमानोंरूपबिरंचिसँवारे रोमरोमपरसोमकाम शतकोटिवारिफेरिडारे कोउकहतेजप्रतापपुंजचितयेनहिंजातनि यारे कुअतशरासनशलभजरैगोदिनकरबंशदियारे एककहैकछु होइसुफलभयेजीवनजन्महमारे अवलोकेभरिनयनआजुहमतुल सीप्राणपियारे ६६ जनकविलोकिबारबाररघुबरको मुनिपद शीशनायआयसुअशीषपाइबातेंकहतगमनकियोघरको नींदनपर तिरातिप्रेमपणएकभांतिशोचतसंकोचतविरञ्चिहरिहरको तुमते सुगमसबदेवदेखिबेको अपयशहँसकियोयोगवतियुगपरको ल्या योसंगकौशिकसुनायेकहिगुणगणआयेदेखिदिनकरकुशलदिनक रको तुलसीतऊसनेहकोसुभाउबाउमानोंचलदलकोशोपातचरै चितचरको ७० ॥ रागकेदारा ॥ रंगभूमिभोरहींजाइकै रामलषण लखिलोगलूटिहैंलोचनलाभअघाइकै भूपभवनघरघरपुरबाहर यहैचर्चारहिछाइकै मगनमनोरथमोदनारिनरप्रेमबिबशउठेगाइ कै शोचतविधिगतिसमुझिपररूपरकहतबचनबिलखाइकै कुंवर किशोरकठोरशरासनअसमंजसभयेआइकै सुकृतसँभारिमनाइ पितरसुरशीशईशपदनाइकै रघुबरकरधनुभंगचहतसबअपनोसो हितचितलाइकै सुनिअनुकूलमुदितमनमानहुंधरतधीरजहिधाइ कै कौशिककथाएकएकनसोंकहतप्रभावजनाइकै सीयरामसंयोग जानियतरच्योविरंचिबनाइकै एकसराहिसुबाहुमथनबरबाहुउ छाहुबढ़ाइकै सानुजराजसमाजबिराजिहैंरामपिनाकचढ़ाइकै बड़ी सभाबड़ोलाहुबड़ोयशबड़ीबिड़ाईपाइकै कोसोहिहैऔरकोलायक रघुनायकहिबिहाइकै गवनिहैंगवहिंगँवाइगर्वगृहनृपकुलबल हिलजाइकै करिस्वारथमनकामजनककोहमरोहितसमुदाइकै

भलोभांतिसाहिबतुलसीचलिहैंब्याहबजाइकै ७१ ॥ रागटोड़ी ॥
भोरफूलबीनिबेकोगयेफुलवाईहैं शीशनिटेपारोउपवीतपीतपटक
टिदोनाबामकरनसलोनेभेसखाईहैं रूपकेआगारभूपकेकुमारसु
कुमारगुरुकेशुठिप्राणाधारसंगसेवकाईहैं नीचज्योंटहलकरेरुख
राखैअनुसरैंकौशिकसेकोहीननकियेदुहुंभाईहैं सखिनसहितते
हिअवसरसंयोगविधिगिरिजापूजिबेकोजानकीजूआईहैं निरखे
लषणरामजानेऋतुपति काममोहिंमानोमदनमोहनीमूठजाईहैं
राघोजूश्रीजानकीलोचनमिलबेको मोदकहिबेकोयोगनमैंबातैसी
बनाईहैं स्वामीसियसखिनलषणतुलसीकोतैसोतैसोमनभयोजा
कोजैसियैसगाईहै ७२ पूजिपावतीभलेभायपायपरिकै सजल
सुलोचनशिथिलतनपुलकित आवतबचनमनरह्योप्रेमभरिकै अ
न्तर्य्यामिनिभवभामिनिस्वामिनिसों कहीचहौंबातमातअन्ततो
हिंलरिकै मूरतिकृपालमंजुमालदैबोलतिभई पूजौमनकामनाभाव
तोबरुबरिकै रामकामतरुपाइबेलिज्योंबोड़ीबनाइमांगकोषितोषि
फैलफूलकरिकै लहौंगीकहौंगीतबसांचीकहीअम्बसियगहेपाइ
हैउठायमाथेहाथधरिकै मुदितअशीशसुनिशीशनाइपुनिपुनिबि
दाभईदेवीसोंजननिडरडरिकै हर्षिसहलीभयोभावतोगावतगी
तगवनीभवनतुलसीसराहियोंहेरिकै ७३ रंगभूमिआयेदशरथ
केकिशोरहैंपखनोसोपेखनचलेहैं पुरनरनारिबारेबूढ़ेअंधपंगुक
रतनिहोरहैं नीलपीतनीरजकनकमरकतघनदामिनीबरणतन
रूपकेनिचोरहैं सहजसलोनेरामलषणललितनामजैसेसुनेतैसेई
कुंवरशिरमौरहैं चरणसरोजचारुजंघाजानुउरकटिकंधरबिशाल
बाहुबड़ेबरजोरहैं नीकेकैनिषंगकसेकरकमलनलसेबाणबिशिषा
सनमनोहरकठोरहैं काननकनकफूलउपवीतअनुकूलपिअरेदुकू
लबिलसतआछेछोरहैं राजिवनयनबिधुबदनटेपारेशिरनखशिख
अंगनठगोरीठौरठौरहैं सभासखरलोककोकनदकोकगणप्रमुदित

मनदेखिदिनमणिभोरहैं अबुधअसैलेमनमैलेमहिपालभयेकछुक उलूककछुकुमुदचकोरहैं भाईसोंकहतबातकौशिकहिंसकुचातबो लघनघोरसबालतथोरथोरथोरहैं सनमुखसबहिं बिलोकतसबहिं नीकेकृपासोंहेरतहँसितुलसीकीओरहैं ७४ येईरामलषणजेमुनि सँगआयेहैं चौतनीचोलनिकाछेसखासोहैं आगेपाछेआछेहुंतेआछे आछेआछेभायेभाये हैं सांवरेगोरेशरीरमहाबाहुमहाबीरकटितूण तीरधरधनुषसोहायेहैं देखतकोमलकलअतुलबिपुलबलकौशिक कोदंडकलाकलितशिखायेहैं इनहींताड़ुकामारीगौतमकीतियता रीभारीभारीभूरिभटरणबिचलायेहैं ऋषिमखरखवारेदशरथकेदु लारेरंगभूमिपगुधारेजनकबुलायेहैं इनकेविमलगुणगणपुलकित तनसतानन्दकौशिकनरेशहासुनायेहैं पभुपदमनदियेसासमाज चितकियेहुलसिहुलसिहियेतुलसिहुगायेहैं ७५ ॥ रागकान्हरा ॥ सीयस्वयम्बरमाईहौभाईआयदेखन सुनतचलिप्रमदाप्रमुदितम नप्रेमपुलकितनमनहुंमदनमंजुलपेखन निरखिमनोहरताईसुख पाईकहहिंएकएकसोंभूरिभागहमधन्यअलिएदिनएक्षन तुलसी सहजसनेहसुरंगसबसोसमाजचितचित्रसारलागीखेलन ७६ ॥ रागगौरी ॥ रामलषणजबदृष्टिपरेरी अवलोकतसबलोगजनकपुर मानोबिधिबिबिधिबिदेहकरेरी धनुषयज्ञकमनीअवनीतलकौतुक हीमयेआइखरेरी छबिसुरसभामनहुंमनसिजकेकलितकल्पतरुरू पफरेरी सकलकामबर्षतमुखनिरखतकर्षतचितहितहर्षभरेरी तुल सीसबहिंसराहतभूपतिभलेपैतवासेसुढरढरेरी ७७ नेकुसुमुखि चितलाइचितोरी राजकुंवरमूरतिरचबेकीरुचिसुचिबिधिश्रमकि योहैकितोरी नखशिखसुंदरताअवलोकतकहौनपरतसुखहोतजि तोरीं सांवररूपसुधाभरिबेकहुंनयनकमलकलकलशिरतोरी मेरे जानइनबोलिबेकारणचतुरजनकठयोठाटइतोरी तुलसीप्रभुभंजि हैंशंभुधनुभूरिभागसियमातपितोरी ७८ ॥ रागसारंग ॥ जबतेराम

लषणचितयेरी रहेंयकटकनरनारिजनकपुरलागतपलककल्पबि
तयेरी प्रेमबिबशमांगतमहेशसोंदेखतहीरहियेनितयेरी कैयेस
दाबसहुइननैननकैयेनयनजाहुजितयेरी कोउसमुझायकहहिकि
नभूपहिबड़ेभागआयेइतयेरी कुलिशकठोरकहांशंकरधनुमृदुमूर
तिकिशोरकितयेरी बिरचतइनहिंबिरंचिभवनसबसुंदरताखोजत
रितयेरी तुलसिदासतेधन्यजन्मजगमनबचक्रमजिनकेहितयेरी
७९ सुनसांखभूपतिभलोईकियोरी ज्यहिप्रसादअवधेशकुंवरद्वौ
नगरलागअवलोकजियोरी मानिप्रतीतकहैंमरेतेकतसंदेहबशक
रतिहियोरी तौलैंहैयहशंभुशरासनश्रीरघुबरजौलौंनलियोरी ज्य
हिबिरंचिरचिसीयसँवारीरामहिंऐसोरूपदियोरी तुलसीदासते
चतुरबिधातानिजकरयहसंयोगसियोरी ८० अनुकूलनृपहिशू
लपाणिहैं नीलकण्ठकारुण्यसिन्धुहरदीनबन्धुदिनदानिहैं जो
पहिलेहीपिनाकजनककहँगयेसोंपिजियजानिहैं बहुरिबिलोचन
केफलसबहिसुलभकियेआनिहैं सुनियतभवभावतेरामहैं सिय
भावतीभवानिहैं परखतप्रीतिप्रतीतिपयजप्रणरहैकाजठटुठानि
हैं भयबिलोकिबिदेहनेहबशबालकबिनुपहिंचानिहैं होतहरेहो
नेबिरवनदलसुमतिकहतअनुमानिहैं देखितभूपभोरकैसेउड़ग
णगरतगरीबगलानिहैं तेजप्रतापबढ़तकुंवरनिकोयदपिसकोची
बानिहैं बयकिशोरबरजोरबाहुबलमेरुमेलिगुणतानिहैं अवशि
रामराजीवबिलोचनशंभुशरासनभानिहैं देखिहैंब्याहउछाहना
रिनरसकलसुमंगलबानिहैं भूरिभागतुलसीतेऊजेसुनिहैंगाइब
खानिहैं ८१ ॥ रागकेदारा ॥ रामहिंनीकेनिरखिसुनयनी मनमहुं
अगमसमुझियहअवसरकतसकुचतपिकबयनी बड़ेभागमखभूमि
प्रगटभइसीयसुमंगलमयनी जाकारणलोचनगोचरभइमूरतिस
बसुखदयनी कुलगुरुतियकेबचनमधुरसुनिजनकयुवतिमतिअय
नी तुलसीशिथिलदेहसुधिबुधिकरि सहजसनेहबिपयनी ८२

मिलोबरसुन्दरसुन्दरिसीतहिलायकसांवरो सुभगशोभाहूकोपर
मश्रृंगारु मनहुंकोमनमोहैउपमाकाआनकोहैसुखमासागरसंगअ
नुजराजकुमारु ललितसकलअंगतनुधरेकैधौंअनङ्गनयननिकोफ
लकैधौंसियकोसुकृतसारु शरदसुधासदनछबिहिनिन्दैबदनअरु
णआयतनवनलिनलोचनचारु जनकमनकीरीतिजानिबिहितप्री
तिऐसीओमूरतिदेखेरह्योपहिलोबिचारु तुलसीनृपहिऐसोकहि
नबुझावैकोऊप्रणओकुंवरदोऊप्रेमकीतुलाधौंतारु ८३ ॥ रागसारंग ॥
देखिदेखिरीदोउराजसुवन गौरश्यामसलोनेलोनेलोयननिजि
नकीशोभातेसोहैसकलभुवन इनहिताड़ुकामारीमुनितियतारीऋ
षिमखरारयोरणदलेहैंदुवन तुलसीप्रभुकोअबजनकनगरनभसु
यशबिमलरबिचाहतउवन ८४ ॥ रागटोड़ा ॥ राजारङ्गभूमिआजु
बैठेजाइजाइकै आपनेआपनेथलआपनेआपनेसाजआपनेआप
नोवरबानकबनाइकै कौशिकसहितरामलषणललितनामलरिका
ललामलोनेपठयेबुलाइकै दरशलालसाबशलोगचलेभायभलेबि
कशतमुखनिकसतधाइधाइकै सानुजसानन्दहियेआगेकैजनकलि
येरचनारुचिरसबसादरदेखाइकै दिव्यदियेआसनसुपाससावका
सअतिआछेआछेबिछिबिछिबिछनाबिछाइकै भूपतिकिशोरदुहुँ
ओरबिचमुनिराउदेखिबेकोदाउदेखोदेखिबोबिहाइकै उदयशय
लसोहैसुन्दरसुवनजोहैमानोभानुभोरभूरिकिरणछपाइकै कौतुक
कोलाहलनिशानगानपुरनभबर्षतसुमनबिमानरहेसुरछाइकै हि
तअनहितरतबिरतबिलोकिबाल प्रेममोदमगनजनमफलपाइकै
राजाकीरजाइपाइसचिवसहेलीधाइ सतानन्दलायेसियशिबिका
चढ़ाइकै रूपदीपिकानिहारिमृगमृगीनरनारिबिथकेबिलोचननि
मिषबिसराइकै हानिलाहुअनखउछाहुबाहुबलकहिबन्दीबोलेबि
रदअकसउपजाइकै दीपदीपकेमहीपआयसुनिपैजपणकीजैपुरु
षारथकोअवसरभोआइकै आनाकानीकरहंसोसुहाचाहीनलागी

देखिदशाकहतबिदेहबिलखाइकै घरनिसिधारियैसुधारियेआ
गिलकाजपूजिधनुकीजैबिजयबजाइकै जनकबचनछुयेबिखालजा
रुसेबीररहेसकलसकुचिशिरनाइकै तुलसीलषणभाषेरोषेराखेरा
मरुखभाषेमृदुपरुषसुभायनरिसाइकै ८५ भूपतिबिदेहकहीनीकी
येजोभईहै बड़ेहोसमाजआजराजनकीलाजपतिहांकिआंकएकही
पिनाकछीनिलईहै मेरोअनुचितनकहतलरिकाईबशप्रणपरमिति
औरभांतिसुनिगईहै नतरुप्रभुप्रतापउतरुचढ़ायचापदेतोपै देखा
यबलफलपापमईहै भूमिकेहरैयाउखरैयाभूमिधरणिकेबिधिबिर
चेप्रभावजाकोजगजईहै बिहँसिहियेहरषिहठकेलषणरामसोहत
सकोचशीलनेहनारिनईहै सहमीसभासकलजनकभयेबिकलरा
मलखिकौशिकअशीशआज्ञादईहै तुलसीसुभायगुरुपायँलागिरघु
रायऋषिरायकीरजायमाथेमानिलईहै ८६ शोचतजनकपोचपेच
परिगईहै जोरिकरकमलनिहोरिकहैकौशिकसोंआयसुभोरामको
सोमेरेदुचितईहै बाणयातुधानपतिभूपदीपसातहूकेलोकपबिलो
कतपिनाकभूमिलईहै जोतिलिङ्गकथासुनिजाकीअन्तपायेबिनु
आयेबिधिहरिहरसोईहाईभाईहै आपुहीबिचारियेनिहारियेस
भाकीगतवेदमरयादमानोहेतुबादहईहै इनकोजितोहैमनुशोभाअ
धिकानीतनुमुखनिकीसुखमासुखदसरसाइहै रावरोभरोसोबल
कैहैकोऊकियेछलकैधौंकुलकोप्रभाउकैधौंलरिकईहै कन्याकल
कीरतिबिजयबिश्वकीबटोरिकैधौंकरतारइनहीकोनिरमईहै प्रण
कीनमोहबिशेषिचिन्तासीतहूकी लुनिहैपैसोईसोईजोईजोईबई
हैरहैरघुनाथकीनिकाईनीकीनीकेनाथहाथनितिहारे करतूतिजा
कीनईह काहैसाधुसाधुगाधिसुवनसराहेराजमहाराजजानिजि
यठीकभलीदईहै हर्षेलषणहरषानेबिलखाने लोगतुलसीमुदित
जाकोराजारामजईहै ८७ सुजनसराहैंजोजनकबातकहीहै राम
हिंसोहानीजानिमुनिमनमानोसुनि नीचमहिपावलीदहनबिनुद

हीहै कहैं गाधिनन्दनमुदितरघुनन्दनसों नृपगतिअगहगिरान
जातिगहीहै देखेसुनेभूपतिअनेकझूठेझूठेनामसांचेतिरहुतिनाथ
साखीदेतिमहीहै रागऊबिरागभोगयोगयोगवतमनुयोगीयाग
वलिकप्रसादसिद्धलहीहै तातनेतरणितेनसीरेसुधाकरहूतेसहज
समाधिनिरुपाधिनिरबहीहै ऐसेऊअगाधबोधरावरेसनेहबशबि
कलबिलोकियतदुचितईसहीहै कामधेनुकृपाहुलसानीतुलसीशउ
रपणशिशुहेरिमरयादाबांधिरहीहै ८८ ऋषिराजराजाआजुजन
कसमानको आपुयहिभांतिप्रीतिसहितसराहियतरागीऔंबिरा
गीबड़भागीऐसोआनको भूमिभोगकरतअनुभवतयोगसुखमुनि
मनअगमअलखगतिजानको गुरुहरपदनेहगेहबसिभोंवदेहअ
गुणसगुणप्रभुभजनसयानको कहनिरहनिएकविरतिबिबेकनी
तिबेदबुधसंमतपथीनिरबाणको बिनुगुणकीकठिनगांठिजड़चेत
नकीछारि अनायाससाधुशोधकअपानको सुनिरघुबीरकीबचनर
चनाकीरीतिभयेमिथिलशमानोदीपकबिहानको मिट्योमहामोह
जीकोछुट्योपोचशोचसीकोजान्योअवतारभयोपुरुषपुराणको स
भानृपगुरुनरनारिपुरनरसुरसब चितवतमुखकरुणानिधानको
एकहिकहतएकप्रकटसप्रेमबश तुलसीशतोरिहैंशरासनईशानको
८९ ॥ रागमारू ॥ सुनोभैयाभूपसकलदैकान बज्ररेखगजदश
नजनकप्रणवेदबिदितजगजान घोरकठोरपुरारिशरासननाम
प्रसिद्धपिनाक जोदशकण्ठदियोनावोंज्यहिहरगिरिकियोमना
क भूलिभालभ्राजननचलतसोज्योंबिरंचिकोआंक धनुतोरेसो
इबरैजानकीराउहोउकिरांक सुनिआमर्षिउठेअवनीपतिलगे
बचनजनुतीर टरैनचापकरैंअपनोसोमहामहाबलबीर नमित
शीशशोचहिंसलज्जसबश्रीहतभयेशरीर बोलेजनकबिलोकिसि
यतनदुखितसरोषअधीर सप्तदीपनवखण्डभूमिके भूपतिवृन्द
जुरे बड़ोलाभकन्याकीरतिकोजहँतहँमहिपमुरै डग्योनधनुजनु

बीरबिगतमहिकीधौंकहुंसुभटदुरे रोपेलषणबिकटभृकुटीकरिभु जअरुअधरपुरे सुनहुभानुकुलकमलभानुजोअबअनुशासनपावौं कोबापुरोपिनाकमलिगुणमन्दरमेरुनवावौं देखोनिजकिङ्करको कौतुकक्योंकोदंडचढ़ावौं लेधावोंभंजौंमृनालज्योंतौप्रभुअनुजक हावौं हर्षेपुरनरनारिसचिवनृपकुंवरकहेवरबयन मृदुमुसुकाइ रामवरज्योंप्रियबन्धुबयनकीसयन कौशिककह्योउठोरघुनन्दन जगबन्दनबलऐन तुलसिदासप्रभुचलेमृगपतिज्योंनिजभक्तनसु खदैन ६० जबहिंसबनृपतिनिराशभये गुरुपदकमलबन्दिरघुप तितबचापसमीपगये श्यामतामरसदामबाणबपुउरभुजनयनबि शाल पीतबसनकटिकलितकंठसुन्दरसिन्धुरमणिमाल कलकुंडल पल्लवप्रसूनशिरचारुचौतनीलाल कोटिमदनछबिसदनबदनबि धुतिलकमनोहरभाल रूपअनूपबिलोकतसादरपुरजनराजसमा ज लषणकह्योथिरहोहुधरणिधरधरणिधरणिधरुआज कमठको लदिग्दन्तिसकलअंगसजगकरहुप्रभुकाज चहतचपरिशिवचाप चढ़ावनदशरथकोयुवराज गहिकरतलपुनिपुलकसहिकौतुकहि उठायलियो नृपगणमुखनिसमेतनिमितकरिसजिमुखसबहिदि यो आकर्ष्योसियमनसमेत हरिहर्ष्योजनकहियो भज्योभृगुपति गर्ब्बसहिततिहुंलोकबिमोहकियो भयोकठिनकोदण्डकोलाहल प्रलयपयोदसमान चौंकेशिवबिरञ्चिदिशिनायकरहेमूंदिकरका न सावधानह्वैचढ़ैबिमाननचलेबजाइनिशान उमँगिचलेगेआ नंदनगरनभजयधुनिमंगलगान बिप्रबचनसुनिसखीसुवासिनि चलीजानकिहिल्याइ कुवरनिरखिजयमालमेलिउरकुंवरिरहीस कुचाइ बर्षहिंसुमनअशीशहिंसुरमुनिप्रेमनहृदयसमाइ सीय रामकीसुन्दरतापरतुलसिदासबलिजाइ ६१ ॥ रागमलार ॥ जब दोउदशरथकुवरबिलोके जनकनगरनरनारिमुदितमननिरखिन यनफलरोके बयकिशोरघनतड़ितबरणतननखशिखअंगलोभारे

ह्वैबूझैहितलैसबछबिबितबिधिनिजहाथसँवारे संकटन्नपहिशो चत्रतिसीतहिभूपसकुचिशिरंनाये उठेरामरघुकुलकलकेहरिगुरु अनुशासनपाये कौतुकहीकोदण्डखण्डिप्रभुजयअरुजानकिपाई तुलसिदासकीरतिरघुपतिकीमुनिनतिहूंपुरगाई ६२ ॥ रागटोड़ी ॥ मुनिपदरेणुरघुनाथमाथेधरीहै रामरुखनिरखिलषणकीरजाइ पाइधराधरधरणिसुसावधानीकरीहै सुमिरिगणेशगुरुगौरिह रभूमिसुरशोचतसकोचतसकोचीवानिखरीहै दीनबन्धुकृपासि न्धुसभाकोसकोचकुलहूकीलाजपरीहै पेषिपुरुषारथपरखिप्रण प्रेमनेमसियहियकीबिशेषिबड़ीखरभरीहै दाहिनोदियोपिनाकु सहमिभयोमनाकुमहाव्यालबिकलबिलोकिजनुजरीहै सुरहरषत बरषतफूलबारबारसिद्धमुनिकहतसगुणशुभघरीहै रामबाहुबिट पबिशालबाड़िदेखिअतिजनकमनोरथकलपबेलिफरीहै लख्योन चढ़ावतनतोनतनतोरतहूंघोरधुनिसुनिशिवकीसमाधिटरीहै प्रभु केचरितचारुतुलसीसुनतसुखएकहीसुलाभसबहीकीहानिहरी है ६३ रागसारंग ॥ रामकानरिपुचापचढ़ायो मुनिहिपुलकआनन्दन गरनभसुरनिनिशानबजायो जेहिपिनाकबिनाककियोन्नृपसब हिबिषादबढ़ायो सोइप्रभुकरपरशतटूटोजनुहुतोपुरारिपढ़ायो प हिराईजयमालजानकीयुवतिहुमंगलगायो तुलसीसुमनबर्षिहर्षे सुरसुयशतिहूंपुरछायो६४॥ रागटोड़ी ॥जनकमुदितमनटूटतपिनाक के बाजेहैंबधावनेसुहावनेमंगलगानभयोसुखएकसरानीराजारंक के दुन्दुभीबजाइगाइहरषिबरषिफूलसुरगणनाचेनाचनायकहुना यकके तुलसीमहीदेखेदीनजरनाशजैसेसूबेपनेसेमनोमिटायेआंक के ६५ लाजतोनसाजसाजराजाराउरोषेहैं कहाभोचापकेचढ़ाये ब्याहह्वैहैबड़ेखायेबोलेखोलेसेलिआंखिचमकतचोखेहैं जानिपुर जनत्रसेधीरदैलषणहँसेबलइनकेपिनाकनीकेनापेजोषेहैं कुलहि लजावैबालबालसेबजावैगाल कैधोंकूरकालवशतमकित्रिदोषेहैं

कुंवरचढ़ाईभौंहैंअबकोबिलोकेसोहैं जहांतहांभेअचेतखेतकेसेधो
खे हैं देखेनरनारिकहैंसागखायजायमायबाहुपीनपांवरनिपीना
खायपोषेहैं मुदितमनलोककोकनदकोकगणरामकेप्रतापरविशो
चशरसोषेहैं तबकेदेखैयातोयैतबकेभलेलोगनिअवलोकेसुनैयासा
धुतुलसीहूंतोषेहैं ९६ जैमालजानकीजलजकरलईहैसुमनसुमंगल
सगुणकीबनाईमंजुमानहुमदनमालोआपुनिरमईहै राजदेखिल
खिगुरुभूसुरसुवासिनिनरामयेसमाजकीठवनिभलीठईहै चली
गानकरतिनिशानबाजेगहगहेलहलहेलोयनसनेहसरसई है ह
नोदेवदुन्दुभीहरषिबरषतफूलफलमनोरथभोसुखसुचितईहै पुर
जनपरिजनरानीराउप्रमुदितमनसादरअनूपरामरूपरंगरईहै स
तानन्दशिखसुनिपायपरिपहिरायमाल सियपियहियसोहतसोई
है मानसतनिकसीबिशालसुतमालपरमानहुंमरालपांति बैभठब
नगईहै हितनिकीलाहकीउछाहकीबिनोदमोदशोभाकीअवधिन
हींअबअधिकईहै यातेबिपरीतअनहितनकीजानिलियबिगतिक
हेप्रगटमुनिसखासीखईहै निजबेदकीसप्रेमयोगक्षेममईमुदितअ
शीशबिप्र बिदुषनदईहै छबितेहिकालकीकृपालसीतादूलहकीहु
लसतिहियेतुलसीकेनितनईहै ९७ ॥ रागकेदार ॥ लेहुरीलोचनन
कोलाहु कुँवरसुन्दरसांवरोसखिसुमुखिसादरचाहु खण्डिहरकोदं
डठाढ़ेजानुलम्बितबाहु रुचिरउरजयमालराजतदेतसुखसबकाहु
चितैचितहितसहितनखशिखअंगअंगनिबाहु सुकृतनिजसियरा
मरूपविरंचिमतिहिसराहु मुदितमनबरबदनशोभाउदितअधिक
उछाहु मनहुदूरिकलंककरिशशिसमरसूधोराहु नयनसुखमाअय
नहरतसरोजसुन्दरताहु बसततुलसीदासउरपुरजानकीकोनाहु
९८ ॥ रागसारंग ॥ भूपकेभागकीअधिकाईटूट्योधनुषमनोरथपूज्यो
बिधिसबबातबनाई तबतेदिनदिनउदयजनककोजबतेजानकीजा
ई अबज्यहिव्याहसुफलभयोजीवनत्रिभुवनबिदितबड़ाई बारहि

बारपहुनईयेहैंरामलषणद्वौभाई यहिआनन्दमगनपुरबासिनदेह दशाबिसराई सादरसकलबिलोकतरामहिंकामकोटिछविछाई य हसुखसमयसमाजएकमुखक्योंतुलसीकहैगाई ९९ ॥ रागसोरठ ॥ मरबालकैसेधौंमगनरहहिंगे भूखपियासशीतश्रमसकुचनिक्यों कौशिकहिकहहिगे कोमोरहीउबटिअन्हवैहैकाढ़िकलेऊदेहैकोभू षणपहिराइनिछावरिकरिलोचनसुखलेहैं नयननिमेषनज्योंयुग बैनितपितुपरिजनमहतारी तेपठयेंऋषिसाथनिशाचरमारनमखर खवारी सुन्दरसुठिसुकुमारसुकोमलकाकपक्षधरदोऊ तुलसीनि रखिहरषिउरलहैं बिधिहवैहैंदिनसोऊ १०० ऋषिनृपशीशठ गोरीसीडारी कुलगुरुसचिवनिपुणनेवनिअवरैवनसमुझिसुधा री सिरससुमनसुकुमारसुवनशिशुशूरसरोषसुरारी पठयेंबि नहिसहायपयादेहिकेलिबाणधनुधारी अतिसनेहकातरिमाता कहलखिसखिबचनदुखारी बादिवीरजननीजीवनजगक्षत्रिजा तिगतिभारी जोकहिहैफिरेरामलषणघरकरिमुनिमखरखवारी सोतुलसीप्रियमोहिंलागिहैज्योंसुभायसुतचारी १०१ ॥ राग सारंग ॥ जबतेंलैमुनिसंगसिधाये रामलषणकेसमाचारसखित बनेकछुअनपाये बिनुपानहिनवनफलभोजनभूमिशयनतरुछाहीं सरसरितनजलपानशिशुनकेसाथसुसेवकनाहीं कौशिकपरमकृ पालुपरमहितसमरथसुखदसुचाली बालकसुठिसुकुमारसको चीसमुझिशोचमोहिंआली बचनसप्रेमसुमित्रासुनिकेसबसनेह बशरानी तुलसीआइभरततेहिअवसरकहीसुमंगलबानी १०२ सानुजभरतभवनउठिधाये पितुसमीपसबसमाचारसुनिमुदित पातुपहँआये सजलनयनतनुपुलकअधरफरकतलखिप्रीतिसुहा ई कौशल्यालियेलायहृदयबलिकहौंकछुहैंसुधिपाईसतानन्दउप रोहितअपनेतिरहुतनाथपठाये क्षेमकुशलरघुबीरलषणकीललि तपत्रिकाल्याये दलिताड़कामारिनिशिचरमखराखिबिप्रतियता

री दैबिधालैगयेजनकपुरहैंगुरुसंगसुखारी करिपिनाकपणसु तास्वयम्वरसजिनृपकटकबटोरेउ राजसभारघुबरमृनालज्योंश म्भुशरासनतोरेउ योंकहिशिथिलसनेहबन्धुद्वौअम्बअंगभरिली न्हें बारबारमुखचुम्बिचारुमणिबसननिछावरिकीन्हें सुनतसुहा वनिचाहअवधघरघरआनंदबधाई तुलसिदासरनिवासरहसबसे सखिनसुमंगलगाई १०३ ॥ राग कान्हरा ॥ रामलषणसुधिआई बाजैअवधबधाई ललितलगनलखिपत्रिकाउपरोहितकेकरजन कनरेशपठाई कन्याभूपबिदेहकीरूपकीअधिकाई तासुस्वयम्बर सुनिसबआयेदेशदेशकेनृपचतुरंगबनाई पणपिनाकपबिमेरुतेगरु ताकठिनाई लोकपालमहिपालबारइतबाणदशाननसकेनचापच ढ़ाई त्यहिसमाजरघुराजकेमृगराजजगाई भंजिशरासनशम्भुको जगजयकलकीरतितियमणिसियराई पुरघरघरआनन्दमहासुनि चाहसुहाईमातमुदितमंगलसजैकहैंमुनिप्रसादभयेसकलसुमंगल गाई गुरुआयषुमण्डपरच्योसबसाजसजाई तुलसिदासदशरथब रातसजिपूजिगणेशहिचलेनिशानबजाई १०४ ॥ रागकेदारा ॥ म नमेंमंजुमनोरथहोरी सोहरगौरिप्रसादएकतेकौशिककृपाचौगुणी भोरी प्रणपरितापचापचिन्तानिशिशोचसंकोचतिमिरनहिंथोरी रबिकुलरबिअवलोकिसभासरहितचितबारिजबनबिकसोरी कुँव रकुँवरिसबमंगलमूरतिनृपद्वौधर्म्मधुरन्धरधोरी राजसमाजभूरि भागीजिनलोचनलाहलह्योयकठोरी व्याहउछाहरामसीताकोसु कृतसकेलिबिरंचिरच्योरी तुलसिदासजानैसोईयहसुखजाउरब सतिमनोहरजोरी १०५ राजतरामजानकीजोरी श्यामसरोजज लदसुन्दरबरदुलहिनतड़ितबरणतनगोरी ब्याहसमयसोहतबिता नतरउपमाकहुंनलहतमतिमोरी मनहुंमदनमंजुलमण्डपमहँकबि शिंगारशोभा सोउथोरी मंगलमयद्वौअंगमनोहरग्रथितचूनरीपीत पिछोरी कनककलशकहँदेतभांवरीनिरखिरूपशारदभइभोरीइत

बशिष्ठमुनिउतहिसतानँदबंशबखानकरैंदोउओरी इतअवधेशउत हिमिथिलापतिभरतअंकसुखसिन्धुलहोरी मुदितजनकरनिवास रहसबशचतुरनारिचितवहिंतृणतोरी गाननिशानवेदध्वनिसुनि सुरबर्षतसुमनहर्षकहँकोरी नयननकोफलपायप्रेमबशसकलअशी षतईशनिहोरी तुलसीजेहिआनन्दमगनमनक्योंरसनाबरणैसुख सोरी १०६ढूलहरामसीयदुलहीरी घनदामिनिबरबरणहरणम नसुन्दरतानखशिखनिबहीरी ब्याहबिभूषण वसनबिभूषितसखि अवलीलखिठगिसीरहीरी जीवनजन्मलाहुलोचनफलहैंइतनोल हिआजुसहीरी सुखमासुरभिशिंगारमारदुहिमयनअमियपयकि योदहीरीमथिमाखनसियरामसांवरेसकलभुवनछबिमनहुंमहीरी तुलसिदासजोरीदेखतसुखशोभाअतुलनजातकहीरी रूपराशिबि रचीबिरंचिमानोशिलाअवनिरतिकामलहीरी १०७ जैसेललित लषणलाललोने तैसियेललितउर्मिलापरस्परलखतसुलोचनको ने सुखमासारश्रृंगारमारकरिकनकरचेत्यहिसोने रूपप्रेमपरमि तिनपरतिकहिबिथकिरहीमतिमाने शोभाशीलसनेहसुहावनस मयकेलिगृहगोने देखवैयनकेनयनसुफलभयेतुलसिदासकेहोने १०८ ॥ रागबिलावल ॥ जानकीबरसुन्दरमाई इन्द्रनीलमणिश्याम सुभगअंगअंगमनोजनिबहुछबिछाई अरुणबरणआंगुलीमनोहर नखद्युतिवन्तकछुकअरुणाई कंजदलनपरमनहुंभौमदशबैठेअचल सुसदसिबराई पीनजानुउरचारुजड़ितमणिनूपुरपदकलमुखरसु हाई पीतपरागभरेअलिगणजनु युगुलजलजदिखिरहेलोभाई किङ्किणिकनककंजअवलीमृदुमरकतशिखरमध्यजनुजाई गईन उपरसभीतनमितमुखबिकशिचहूंदिशिरहीलौनाई नाभिगंभीर उदररेखाबरउरभृगुचरणचिन्हसुखदाई भुजप्रलम्बभूषणअनेक युतबसनपीतशोभाअधिकाई यज्ञोपबीतबिचित्रहेममयमुक्तामाल उरसिमोहिंभाई कन्दतड़ितबिचजनुसुरपतिधनुनिकटबलाकपाँ

तिचलिआई कम्बुकण्ठचिबुकाधरसुन्दरक्योंकहौंदशननकीरुचि राई पद्मकोशमहँबंशबज्रमानौनिजसँगतड़ितअरुणरुचिराई ना शिकचारुललितलोचनमृदुकुटिलकचनअनुपमछबिछाई रहेघेरि राजीवउभयमानेचंचरीककछुहृदयडराई भालतिलककच्चनकि रीटशिरकुण्डललोलकपोलनिझांई निरखि हिंनारिनिकरबिदेह पुरनिमिनृपकीमर्य्यादमिटाई शारदशेषशम्भुनिशिबासरचिन्तत रूपनहृदयसमाई तुलसिदासशठक्योंकरिबरणैयहछबिनिगमने तिकहिगाई १०६ ॥ रागकान्हरा ॥ भुजनिपरजननीबारिफेरिडा रीक्योंतोर्योकोमलकरकमलनशम्भुशरासनभारी क्योंमारीच सुबाहुमहाबलप्रबलताड़ुकामारी मुनिप्रसादमेरेरामलषणकीबि धिबाड़िकरवरठारी चरणरेणुलैनयनलगावतिक्योंमुनिबधूउधा री कह्योधौंतातक्योंजीतिसकलनृपबरीबिदेहकुमारी दुसहदोष मूरतिभृगुपतिअतिनृपतिनिकरक्षयकारी क्योंसोंप्योशारङ्गहारि हियकरिहैबहुतमनुहारी उमँगिउमँगिआनन्दबिलोकतिबधुनस हितसुतचारीतुलसिदासआरतीउतारतिप्रेममगनमहतारी११० रागबिहागरा ॥ मुदितमनआरतीकरैंमाता कनकवसनमणिवारिवारि बरपुलकप्रफुल्लितगाता पालागनदुलहियनिसिखावतसासुसाढ़ सतसाता देहिंअशीशतेबरषकोटिलगिअचलहोहुअहिवाता राम सीयछबिदेखियुवतिजनकरहिंपरस्परबाता अबजान्योंसांचेसुन हुंसखिकोबिदबड़ोबिधाता मङ्गलगाननिशाननगरनभआनन्द कह्योनजाता चिरजीवहुअवधेशसुवनसबतुलसिदाससुखदाता १११ ॥ इतिश्रीरामगीतावल्यांबालकाण्ड स्समाप्तम् ॥

अथ अयोध्याकाण्ड ॥

रागसोरठ ॥ नृपकरजोरिकह्योगुरुपाहींतुम्हरीकृपाअशीषना थमेरीसभैमहेशनिवाहीं रामहोहिंयुवराजोजयतममयहलालस मनमाहीं बहुरिमोहिंजियबेमरिबेकाचितचिन्ताकछुनाहीं महारा

जभलकाजबिचार्योबेगिबिलम्बनकीजै बिधिदाहिनेहोयतब सबमिलिजन्मलाहुसुठिलीजै सुनतनगरआनन्दबधावनकैकेयी विलखानी तुलसीदासदेवमायाबशकठिनकुटलताठानी ११२ रागगौरी ॥ सुनहुंराममेरेप्राणपियारे जारौसत्यबचनश्रुतिसमताजा तेहोंबिछुरतचरणतिहारे बिनुप्रयाससबसाधनकोफलप्रभुपायो सोनहींसँभारे हरितजिधम्मशीलभयोचाहतनृपतिनारिबशसर्वसहार रुचिरकांचमणिदेखिमूढ़ज्योंकरतलतेचिन्तामणिडारे मुनिलोचनचकोरशशिराघवशिवजीवनधनुसोनबिचारे यद्यपि नाथतातमायाबशसुखनिधानसुततुमहिं बिसारे तदपिहमहिं त्यागहुजनिरघुपतिदीनबंधुदयालमेरे बारे अतिशयप्रीतिबिनी तबचनसुनिप्रभुकोमलचितचलनन पारे तुलसिदासजोरहौमा तुहितकोसुरबिप्रभूमिभयटारे ११३ रहिचलियेसुन्दररघुनायक जासुततातबचनपालनरतजनजउतातमानिबेलायक बेदबिदित यहबाततुम्हारीरघुपतिसदासन्तसुखदायक राखहुनिजमर्य्याद निगमकाहौंबलिजाहुंधरहुधनुशायक शोककूपपरपरिहिमरिहि नृपसुनिसंदेशरघुनाथसिधायक यहदूषणबिधितोहिंहोतअबरा मचरणबियोगउपजायकमातुबचनसुनिश्रवणनयनजलकछुसुझा यजनुनरतनपायक तुलसिदासमुरकाजनसार्योतौतोदोषमाहिं महिआयक ११४ ॥ रागगोंड ॥ रामहोकौनयतनघररहिहों बार बारभरिअङ्कोदलैललनकोनसोंकहिहों यहिआंगनबिहरतमेरे बारेअनुजसंगशिशुलीन्हे कैसेहुंप्राणरहतसुमिरतसुतबहुबिनोद तुमकीन्हें जिनश्रवणनिकलवचनतिहारेसुनिसुनिहोंअनुरागी तिनश्रवणनिबनगवनसुनतिहोंमोकवनअभागा युगसमनिमिषजाहिंरघुनन्दनबदनकमलबिनुदेखे जोतनुरहैबर्षबीतेबलिकहा प्रीतियहलखे तुलसीदासप्रेमबशश्रीहरिदेखबिकलमहतारी गद्गदकण्ठनयनजलफिरिफिरिआवनकह्योमुरारी११५॥ रागबिलावल

रहुभवनहमरेकहेकामिनि सादरसासुचरणसेवहुनितजो तुम्ह रेअतिहितगृहस्वामिनि राजकुमारिकठिनकंटकमगक्योंचलि हौमृदुपदगजगामिनि दुसहबातवर्षाहिमआतपकस सहिहौ अगनितदिनयामिनि हौपुनिपितुआज्ञाप्रमाणकरिऐहौंबेगिसुन उद्युतिदामिनि तुलसिदासप्रभुबिरहबचनसुनिसहिनसकहिंमु र्छितभइभामिनि ११६ कृपानिधानसुजानप्राणपतिसंगबिपि नहोंआवोंगी गृहतेकाटिगुणितसुखमारगचलतसाथसचुपावोंगी थाकेचरणकमलचापोंगीश्रमभयेबायुडोलावोंगी नयनचकोरनि मुखमयंकछबिसादरपानकरावोंगी जौहठिनाथराखिहौमोकहँतौ सँगप्राणपठावोंगी तुलसिदासप्रभुबिनुजीवतयहिक्योंफिरिबद नदेखावोंगी ११७कहोतुमबिनगृहमेरोकौनकाजु बिपिनकोटिसु रपुरसमानमोकोजोपैपियपरिहर्योसुराजु बलकलबिमलदुकूल मनोहरकन्दमूलफलअमीअनाजु प्रभुपदकमलबिलोकिहौंक्षण क्षणयहितेअधिककहासुखसाजु होंरहिभवनभोगलोलुपकैपति काननकियेमुनिकोसमाजु तुलसिदासअसबिरहबचनसुनिकठिन हियोबिहर्योनआजु ११८ पियनिठुरबचनकहेकारणकवन जान तिहोसबकेमनकीगतिमृदुचितपरमकृपालुरवनप्राणनाथसुंदरसु जानमणिदीनबन्धुजनिआरतिदवन तुलसिदासप्रभुपदसरोजत जिरहिहौंकहाकरौंगीभवन ११९मैंतुमसोंसतभावकहीहै बूझति औरभांतिभामिनिकतकठिनकलेशसहीहै जौंचलिहौतोचलोच लिकेबनसुनिसियमनअवलम्बलहीहै बूड़तिबिरहबारिनिधिमा नहुंनाहबचनमिसबांहगहीहै प्राणनाथकेसाथचलीउठिअवधशो कसरिउमँगिबहीहै तुलसीसुनीनकबहुंकाहूकहुतनुपरिहरिछांहर हीहै १२० जबहिरघुपतिसँगसोयचली बिकलबियोगलोगपुरति यकहैंअतिअन्यायअली कोउकहमणिगणतजतकांचुलगिकरतन भूपभली कोउकहकुलकुबेलिकैकेयीदुखबिषफलनिफली एकक

हैबनयोगजानकीबिधिबड़ोबिषमबली तुलसीकुलिशहुकी कठोर तातेहिदिनदलकिदली १२१ ठाढेहैंलषणकमलकरजोरे उरधक धकिनकहतकछुसकुचनिप्रभुपरिहरतसबनितृणतोरे कृपा सिंधु अवलोकिबन्धुतनुप्राणकृपाणबीरसीक्षोरे तातबिदामांगियैमात सोंबनिहैबातउपायनओरे जाइचरणगहिआयसुयांच्योजननिक हतिबहुभांतिनिहोरे सियरघुबरसेवाशुचिह्वैहौंतोजानिहौंमहीसु तमेरे कोजुहुईहैबिचारनिरंतररामसमीपसुकृतनहिंथोरेतुलसीसु निशिखचलचकितचितउड्योमानोबिहंगबधिकभयभोरे १२२ ॥ रागसोरठा ॥ मोकोबिधुबदनबिलोकनदीजै रामलषणमेरीइहैभें टबलिजाहुमोहिंमिलिलीजै सुनिपितुबचनचरणगहेरघुपतिभूप अङ्कभरिलीन्हे अजहुंअवनिबिहरतिदरारशिशुसोअवसरसुधि कीन्हे पुनिशिरनाइगमनकियो प्रभुमुर्च्छितभयोभूपनजाग्योकर्म चोरनृपपथिकमारिमानोरामरत्नलैभाग्यो तुलसीरघुकुलरबिरथ चढ़िचलेतकिदिशिदक्षिणसुहाई लोगमलिनभयेमनिनअवधसर बिरहबिषमहिमआई १२३॥ रागबिलावल ॥कहोसोबिपिनहैधौंकेति कदूरि जहांगमनकियोकुंवरकौशलपतिबूझतिसियपियपतिहि बिसूरि प्राणनाथपरदेशपयादेहिचलेसुखसकलतजेतृणतूरि करौं बयारिबिलम्बिबटपतरझारौंचरणसरोरुहधूरि तुलसिदासप्रभु प्रियाबचनसुनिनीरजनयननीरआयेपूरि काननकहाअबहिंसुनु सुंदरिरघुपतिफिरिचितयोहितभूरि १२४फिरिफिरिरामसियात नहेरत तृषितजानिजललेनलषणगयेभुजउठायऊंचेचढ़िटेरत अ वनिकुरंगबिहागद्रुमडारनिरूपनिहारतपलकनप्रेरत मगननडर तनिरखिकरकमलनिसुभगशरासनफेरत अवलोकतमगलोगचहूं दिशिमनहुंचकोरचंद्रमहिघेरत तेजनभूरिभागभूतलपरतुलसीरा मपथिकपदजेरत १२५ नृपतिकुंवरराजतमगजात सुन्दरबदन सरोरुहलोचनमरकतकनकबरणमृदुगात अंशनिचापतूणकटिमु

निपटजटामुकुटबिचनूतनपात फेरतपानिसरोजनसायकचोरतचि
तैसहजमुसकात सङ्गनारिसुकुमारिसुभगसुठिराजतबिनभूषणन
बसात सुखमानिरखिग्रामबनितनकेनलिननयनबिकशतमानो
प्रात अंगअंगअँगनितअनंगछबिउपमाकहतसुकबिसकुचात सि
यसमेतनिततुलसिदासचितबसतकिशोरपथिकद्वौभ्रात १२६ तू
देखिदेखिरीपथिकबरसुन्दरदोऊ मरकतकलधौतबरणकामको
टिकान्तिहरण चरणकमलकोमलअतिराजकुंवरकोऊ करशरध
नुकटिनिषंगमुनिपटसोहैंसुभगअंग संगचन्द्रबदनिबधूसुन्दरिसु
ठिसोऊ तापसबरभेषकियेशोभासबलूटिलिये चितकेचोरबयकि
शोरलोचनभरिजोऊ दिनकरकुलमणिनिहारप्रेममगनग्रामना
रि परस्परकहैंसखिअनुरागतागपोऊ तुलसीयहध्यानसुधनजा
निमानिलाभसघनकृपणज्योंसनेहसोहियेसुगेहगोऊ १२७ कु
वरसाँवरोरीसजनीसुन्दरसबअंग रोमरोमछबिनिहारिआलिवा
रिफेरिडारिकोटिभानुसुवनशरदसोमकोटिअनंग बामअंशलसत
चापमौलिमंजुजटकलाप सुचिशरकरमुनिपटकटितटकसेनिषंग
आयतउरबाहुनयनमुखसुखमाकोलहै उपमाअवलोकिलोकगि
रामतिगतिभंग योंकहिभइमगनबालबिथकीसुनियुवतिजाल चि
तवतचलेजातसंगमधुपमृगबिहंग बरणोंकिमितिनकिदशहिँनि
गमअगमप्रेमरसहितुलसीमनबसनरंगेरुचिररूपरंग१२८॥ राग
कल्याण॥ देखुकोउपरमसुन्दरसखिबटोही चलतमहिमृदुचरणअ
रुणबारिजबरणभूपसुतरूपनिधिनिरखिहीमोही अमलतरकत
श्यामशीलसुखमाधामगौरतनुशुभगशोभासखिजोही युगलबि
चनारिसुकुमारिसुठिसुंदरीइन्दिराइन्दुहरिमध्ययजनुसोही कर
निवरधनुतीररुचिरकटितूणीरधीरसुरसुखदमर्दनअवनिद्रोही अ
म्बुजायतनयनबदनछबिबहुमयनचारु चितवनिचतुरलेतचितपो
ही बचनप्रियसुनिश्रवणरामकरुणाभवनचितैसनअधिकहितस

हितओही दासतुलसीनेहबिवशबिसरीदेहजानतहिआपुतेहिका लधोंकोही १२६ ॥ रागकेदारा ॥ सखिनीकेकैनिरखिकोउसुठिसुन्दरबटोही मधुरमूरतिममोहनजोहनयोगबदनशोभासदनदेखिहोंमोही साँवरेगोरेकिशोरसुरमुनिचितचोरउभयअन्तरएकनारिसोही मनहुंवारिदबिधुबीचललितअतिराजतितड़ितनिजसहजबिछोही उरधीरजधरिजन्मसुफलकरिसुनिहिसुमुखिजियबिकलनहोही कोजानेकौनेसुकृतलह्योहैलोचनलाहुताहीतेबारहिबारकहतिहोंतोही सखिहिसुसिखदईप्रेममगनभईसुरतिबिसरगईआपनीवोही तुलसीरहीहैठाढ़ीपाहनगढ़ीसीकाढ़ीनजानेकहांतेआईकौनकीकोही १३० मोहमनकेमोहनजोहनजोटजोही थोरहीबयसगोरेसांवरेसलोनेलोचनललितबिधुबदनबटोही शिरनिजटामुकुटमंजुलसुमनयुत तैसियैलसतिनवपल्लवखोही कियेमुनिभेषनीरधरेधनुतूणतीरसोहेमगकोहेलखिपरैनमोही शोभाकोसाँचोसँवारिरूपजातरूपढारि नारिबिरचीबिरंचिसंगसोसोही राजतरुचिरतनुसुन्दरश्रमकेकणुचाहेचकचौंधीलागैकहोंकातोही सनेहशिथिलसुनिबचनसकलसियचितईअधिकहितसोओही तुलसीमानहुंप्रभुकृपाकीमूरतिफिरिहेरिकैहरषिहियोलियोहैपोही १३१ सखिशरदबिपुलबिधुबदनबधूटी ऐसीललनासलोनीनभईनहैनहोनीरतीरचीबिधिजोछोलतछबिछूटी सांवरे गोरेपथिकबीचशोहतीअधिकतिहुत्रिभुवनशोभामानहुंलूटी तुलसीनिरखिसियप्रेमबशकहैतियलोचनशिशुहुंदेहअमियघूटी १३२ सोहेसांवरोपथिकपाछेललनालोनी दामिनीबरणगोरीलखिसखितृणतोरीबीतीहैबयकिशोरीयौवनहोनी नीकेकैनिकाईदेखिजनमसुफललेखिहमसीभूरिभागिनिनभसनक्षेानी तुलसीस्वामीस्वामिनिजोहमोहोहैंभामिनी शोभासुधापियेकरिअखियांदोनी १३३ पथिकगोरेसाँवरेसुठिलोने संगसुतियजाकेतनुतेलहि

हैंद्युतिस्वर्णसरोरुहसोने वयकिशोरसरिपारिमनोहरवयशशिरो
मणिहोने शोभासुधाआलिअँचवहु करिनयनमंजुमृदुदोने हेरत
हृदयहरतनहिंहेरतथारुबिलोचनकोने तुलसीप्रभुकिधौंप्रभुकेप्रे
मपटेप्रगटकपटपटटोने १३४ मनोहरताकेमानोअयन श्यामल
गौरकिशोरपथिकद्वउसुमुखिनिरखुभरिनयन बीचवधूबिधुबद
निबिराजतिउपमाकोकहुकोऊहयन मानहुंरतिऋतुनाथसहितसु
निबेषबनायोहैमयन किधौंशिंगारसुखमासुप्रेममिलिबलजगचि
तबितलयन अद्भुतत्रैकिधोंपठईहैबिधिमगलोगनिसुखदयन सु
निसुचिसरलसनेहसुहावनिग्रामबधुनकेबयन तुलसीप्रभुतरुतर
बिलम्बकियेप्रेमकनौड़ेकवन १३५ वयकिशोरगोरेसाँवरेधनुबाण
धरेहैं सबअंगसहजसुहावनेजीवजीतेनयननिबदननिबिधुनदरेहैं
तूणसमुनिपटकटिकसेजटामुकुटकरेहैं मंजुमधुरमृदुमूरतिपानह्यों
नपायनिकैसेधौंपथबिचरेहैं उभयबीचबनिताबनीलखिमोहिपरे
हैं मदनसप्रियसप्रियासखा मुनिबिभेषबनायेलियेसनजातहरे
हैं सुनिजहंतहंदेखनचलेअनुरागभरेहैं रामपथिकछबिनिरखि
केतुलसीमगलोगनिधामकामबिसरेहैं १३६ कैसेपितुमातुकैसेते
प्रियपरिजनहैं जगजलधिललालोनेगौरश्यामजिनपठयेहो ऐसे
बालकनवलहैं रूपकेनपारावारभूपकेकुमारमुनिभेषदेखतलोना
ईलघुलागतमदनहैं सुखमाकीमूरतिसीसाथनिशिनाथमुखीनख
शिखअङ्गसबशोभाकेसदनहैं पङ्कजकरनिचापतीरतरकशकटिश
रदसरोजहुतेसुन्दचरणहैं सीतारामलषणनिहारिग्रामनारिकहैं
हरिहरिहेरिहेलोहियकेहरणहैं प्राणहूकेप्राणसेसुजीवनकेजीव
नसेप्रेमहूकेप्रेमरङ्ककृपणकेधनहैं तुलसीकेलोचनचकोरनकेचन्द्र
मासेआछेमनमोरचितचातककेघनहैं १३७ ॥ रागभैरव ॥ देखिद्वौ
पथिकगोरेसांवरेसुभगहैं सुनियसलोनेसंगसहितसुगमगहैं शो
भासिंधुशम्भवसेनीकेनगहैं मातपितुभागबसगयेपरिफंगहैं पांय

नपन्हैंयानमृदुपंकजसेपगहैं रूपकीमोहनीमेलिमोहेअगजगहैं मुनिभेषधरेधनुशायकसुलगहैं तुलसीहियेलसतलोनेलोनेडगहैं १३८ पथिकपयादेजातपङ्कजसेपायहैं मारगकठिकुशकण्टकनि जकायहैं सखीभूखेप्यासेपैचलतचितचायहैं इनकेसुकृतसुरशङ्कर सहायहैं रूपशोभाप्रेमकेमेकमनीयकायहैं मुनिवेषकियेकैधौंब्रह्म जीवमायहैं बीरबरियारधीरधनुधररायहैं दशचारिपुरपालआ लिउरगायहैं मगलोगदेखतकरतकहाहायहैं बनइनकोतोबामबि धिवबनायहैं धन्यतेजेमीनसेअवधअम्बुआयहैं तुलसीसोप्रभुजि नहूभलेभायहैं १३९ ॥ रागआसावरी ॥ सजनीहैंकोउराजकुमार पन्थचलतमृदुपदकमलनहौरूपशीलआगार राजिवनयनश्याम तनुआगेशोभाअमितअपार डारोंवारिअंगअङ्गनिपरकोटिकोटिश तमार पाछेगोरकिशोरमनोहरलोचनललितसुढार कटितूणीर कसेकरशरधनुचलेहरणक्षितिभार युगुलबीचसुकुमारिनारियक राजतिबिनाहंशिंगार इन्द्रनीलहाटकमुक्तामणिजनुपहिरेमहि हार अवलोकहुभरिनयनबिकलजनिहोहुकरहुशुचिचार पुनिक हंयहशोभाकहलोचनदेहगेहसंसार सुनिप्रियबचनचितैहितकैर घुनाथकृपासुखसार तुलसिदासप्रभुहरेसबनिकेमनतनरहोनसँ भार १४० ॥ रागटोड़ी ॥ देखुरीसखीपथिकनखशिखनीकेहैं नीले पीलेकमलसेकोमलकलेवर, नितापसहूभेषकियेकामकोटिफीकेहैं सुकृतसनेहशीलसुखमासकेलिसुखविरचेबिरञ्चिकिधौं अमितअ मीकेहैं रूपकीसीदामिनीसोहतिसङ्गउमङ्गरमातेआङ्गेअङ्गअङ्गती केहैं बनपटकसेकटितूणतीरधनुधरेधीरनीरपालककृपालसबही केहैं पानह्योनचरणसरोजनिचलतमगकाननपठायेपितुमातुकैसे हीकेहैं आलीअवलोकिलेहुनयननिकोफलयेहुलाभकेसुलाभसु खजीवनसेजीकेहैं धन्यनरनारिजेनिहारिबिनुगाहकहुआपनेआ पनेमनमोलबिनुबीकेहैं बिबुधबरषिफूलहरषिहियेकहतग्रामलो

गमगनसनेहसियपीकेहैं योगीजनअगमदरशपायोपांवरनमुदि तबचनसुनिसुरपतिसचीकेहैं प्रीतिकेसुपालकसेललितसुजनमु निमगचारुचरितलषणरामसीकेहैं योगनबिरागपागतपनतीरथ त्यागयहीअनुरागभागखुलेतुलसीकेहैं १४१ रीतिचलिबेकीघा हिप्रीतिपहिंचानिकै अपनीअपनीकेहैंप्रेमपरबशअहैंमंजुमृदुबच नसनेहसुधासानिकै सांवरेकुँवरकेचरणकेबरायचिन्हबधूपगुधर तिकहाधौंजियजानिकै युगलकमलपदअंगयोगवतजातगोरेगात कुँवरमहिमामहामानिकै उनकीकहनिनीकीरहनिलषणसीकीति नकीगहनिजेपथिकउरआनिकै लोचनसजलतनपुलकमगनम नहोतभूरिभागीयशतुलसीबखानिकै १४२ ॥ रागकेदारा ॥ ज्यहि ज्यहिमगसियरामलषणगततहँतहँनरनारिबिनुछरछरिगे निर खिनिकाइअधिकबिथकितभये बिबिधिनयनशरशोभासुध्यभरि गे जोतेबिनुबयेबिनुनिफलनिराये बिनुसुकृतसुखेतसुखशालिफू लिफरिगे मुनिहुमनोरथकोअगमअलभ्यलाभ सुगमसोरामल घुलोगनिकोकरिगे लालचीकौड़ीकेक्रूरपारसपरहैंपालेजानत नकोहैंकहांकीवेसीबिसरिगे बुधिनबिचारनबिचारनसुधारसु धदेहगेहनेहनातेमनतेनिसरिगे बरषिसुमनसुरहरषि २ कहैं अनायासभवनिधिनीचनीकेतरिगे सोसनेहसमयसुमिरितुलसी हुकैसेभलीभातिभलेभले पैंतभलेपासेपरिगे १४३ बोलेराजदे नकोरजायसुभोकाननकोआननप्रसन्नमनमोदबड़ोकाजभो मातु पितुबन्धुहितुआपनोपरमहितुमोको बिश्वहीकेईशअनुकूलआजु भो असनअजीरणकोसमुझितिलकतज्यो विपिनगमनभलेभू खेकोसुनाजुभो धरमधुरीणधीरबीररघुबीरजूको कोटिराजसरि सभरतजूकोराजुभो ऐसीबतैंकहतसुनतमगलोगनकी चलेजात भ्रातदोऊमुनिकोसोसाजुभो ध्याइबेकोगाइबेकोसेइबेसुमिरिबे कोतुलसीसोसबभांतिसुखदसमाजुभो १४४ सिरससुमनसु

कुमारिसुखमाकीसीवभव सियरामबड़ेहीसकोचसंगलईहैं भाई प्राणकोसमानप्रियाहूकेप्राणप्राण जानिपानिप्रीतिनीतिकृपाशी लमईहैं आलबालअवधसुकामतरुकामबेलि दूरिकरिकेकईबि पत्तिबेलिबईहैं आपुपतिपूतगुरुजनप्रियपरिजन प्रजाहुकोकुटि लदुसहदशादईहैं पङ्कजसेपगनिनपानह्योपरूपपथकैसेनिबहे हैंनिबहैंगेगतिनईहैं एहीशोचशङ्कटमगनमगनरनारिसबकीसु मतिरामरागरंगरईहैं एककहैंबिधिदाहिनोहमकोभयोउतकी न्हीपीठिइतकोसुडीठिभईहैं तुलसीसहितबनबासीमुनिहमरीओ अनायासअधिकअघाईबनगईहैं १४५ ॥ रामगौरी ॥ नीकेकैमैंन बिलोकनपाये सखियहिमगयुगपथिकमनोहरबधूबिधुबदनसमे तसिधाये नयनसरोजकिशोरबयसबरशीशजटारबिमुकुटबनाये कटिमुनिबसनतूणधनुशरकरश्यामलगौरसुभायसुहाये सुन्दरब दनबिशालबाहुउरतनुछबिकोटिमनोजलजाये चितवतमोंहिंल गीचौंधीसीजानोंकौनकहांतेआये मनगयोसंगशोचबशलोचन मोचतबारिकितोसमुझाये तुलसीदासलालसादरशकीसोइपुरवै ज्यहिआनिदिखाये १४६ पुनिनफिरेदोउबीरबयाऊ श्यामलगौ रसहजसुन्दरसखिबारकबहुरिबिलोकिबेकाऊ करकमलनिशर सुभगशरासनकटिमुनिबसननिषंगसुहाये भुजप्रलम्बसबअंगम नोहरधन्यसुजनकजननिजेहिजाये शरदबिमलबिधुबदनजटाशि रमंजुलअरुणाशरोरुहलोचन तुलसिदासमनमेंमारगमेंराजतको टिमदनमदमोचन १४७॥ रागकेदारा ॥ अलीकाहुतोबूझेनपथिकक हांधौंसिधैहैं कहांतेआयेहैंकोहैंकहानामश्यामगोरेकाजकैकुशल फिरियहिमगऐहैं उठतबयसमसभीजतसलोनेसुठिशोभादेखवै याबिनुबितहीबिकैहैं हियेहरिहरिलेतलोनीललनासमेतलोचन निलाहुदेतजहांजहांजैहैं रामलषणसियपथकीकथाएथुलप्रेमबिथ कीकहतीसुमुखीसबैहैं तुलसीतिनसरिततेऊभूरिभागजेऊसुनिकै

शुचितत्यहिसमयसमेहैं १४८ बहुतदिनबीतेसुधिकछुनलही गये जोपथिकगोरेसांवरेसलोनेसखिसंगनारिसुकुमारिरही जानिप हिंचानिबिनुआपुतेआपनेहूतेप्राणहूंतेप्यारे प्रियतमउपहीसुधा केसनेहहूकेसारतेसँवारेबिधिजैसेभावतेहैं भांतिजातिनकहीबहु रिबिलोकिबेकबहुंकहतनपुलकिनयनजलधारबही तुलसीप्रभुसु मिरिग्रामयुवतीशिथिलबिनुप्रयासपरीप्रेमसही १४९ ॥ रागगौरी आलीरीवेपथिकजेयहिपन्थपरोंसिधाये तेतोरामलषण अवधते आये संगसियसबअंगसहजसुहाये रतिकामऋतुपतिकोलजाये राजादशरथरानिकोशलाजाये केकईकुचालिकरिकाननपठाये ब चनकुभामिनिकेभूपहिक्योंभाये हायहायरायबामबिधिभरमायेकु लगुरुसचिवनकाहूसमुझाये कांचुमणिलैअमोलमाणिकगँवायेभा गमगलोगनकेदेखनपाये तुलसीसहितजिनगुणगणगाये १५० सखीजबतेंसीतासमेतदेखेदोउभाई तबतेपरैनकलकछुनसुहाई न खशिखनीकेनीकेनिरखिनिकाई तनुसुधियेईमनअनतनजाई हेर निबिहसनिहियलियेहैंचोराई पावनप्रेमबिबशभईहौंपराईकैसो पितुमातप्रियपरिजनमाई जीवतजीवकेजीवनबनहिंपठाई समउ सोचितकरहितअधिकाई प्रीतिग्रामबधुनकीतुलसीगाई १५१जब तेसिधाये यहिमारग लक्षमणरामजानकीसहिततबतेनसुधिलही है अवधगयेधौंकैधौंफिरिकैधौंचढ़ेविन्ध्यगिरिकैधौंकहूंरहेसोकछु नकाहुकहीहै एककहैंचित्रकूटनदीकेतीरपरणकुटीकरिबसेबातस हीहै सुनियतभरतमनाइबेकोआवतहैंहोइगीपैसोईजोबिधाताचि तचहीहै सत्यसिन्धुधर्मधुरीणरघुनाथजूके आपनीनिबाहिबेनृप केशिरबहीहै दशचारिबरषबिहारबनपदचारकरिबेपुनीतशैलसुर सरिमहीहैं मुनिसुरसुजनसमाजकेसुधारिकाजबिगरिबिगरिज हांजहांजाकीरहीहै पुरपांउधारिहैंतुलसीहुसेजनजिनजानिकैग रीबागाढ़गहीहै १५२॥ रागमारंग॥येउपहीकोऊकुंवरअहेरीश्यामगौ

रधनुबाणतूणधरिचित्रकूटअबआयरहेरी इनहिंबहुतआदरतमहा मुनिसमाचारमेरेनाहकहेरी बनिताबन्धुसमेतबसतबनपितुहित कठिनकलेशसहेरी बचनपरस्परकहतिकिरातिनिपुलकिगातज लनयनबहेरी तुलसीप्रभुहिबिलोकतइकटकलोचनजनुबिनुपलक रहेरी १५३ चित्रकूटअतिबिचित्रसुन्दरबनमाहपबित्रपावनिपय सरितसकलनिकंदनी सानुजजहांबसतरामलोकलोचनाभिराम बामअंकबामाबरबिश्वबंदनी ऋषिवरतहांछंदबासुगावतकलिको किलासुकिंतनउनमायकायक्रोधकन्दनी बरबिधानकरतगानवार तधनमानप्राणझरनाझरझिगझिगझिगजलतरंगनी बरबिहारु चरणचारुपाडरचम्पकचनारु करनहारुबारुपारुपुरपरंबनी येब ननबटरतटारदुत्तमत्तमृगमरालमंजुमंजुगुंजतहैंअलि अलिंगनी चितवतमुनिगणचकोरबैठेनिजठौरठौरअछयअकलंक शरदचंदचं दनी उदितसदावनअकाशसमुदितबदनतुलसिदास जयजयरघु नंदनजयजनकनन्दनी १५४ फटिकशिलामृदुबिशालसंकुलसुरत रुतमाललितलताजालहरतिछबिबितानकी मन्दाकिनीतटनि तीरमंजुमृगबिहंगभीरधीरबीरमुनिगिरागँभीरसामगानकी मधु करपिकबरहिसुखसुन्दरगिरिनिर्झरझर जलकनघनछाहक्षणप्र माणभानकी सबऋतुऋतुपतिप्रभाउसन्ततबहत्रिबिधिबा युजनु बिहारकलित अवनिपंचबाणकी बिरचिततहँपरणशालअतिबिचि त्रलषणलालनिबसतजहँनितकृपालरामजानकी निजकरराजी वनयनपल्लवदलरचितशयनप्यासपरस्परपियूषप्रेमपानकी सिय अंगलिखेधातुरागसुमननिभूषणबिभाग तिलककरनिक्योकहांक लानिधानकी माधुरीबिलासहासगावतयशतुलसिदासबसतह यजोरीप्रियपरमप्राणकी १५५ ॥ रागकेदारा॥ लोनेलाललषणस लोनेरामलोनीसियचारुचित्रकूटबैठेसुरतरुतरहैं गोरेसांवरेशरीर पोतनोलनीरजसेप्रेमरूपसुखमाकेमनसिजसरहैं लोनेलोनेलोच

नजटनिकेमुकुटलोनेलोनेबदनिनजीतेकोटिसुधकरहैं लोनेलोने धनुषबिशिखकरकमलनिलोनेमुनिपटकटिलोनेसरधरहैं प्रियाप्रि यबन्धुकोदेखावतबिटपबेलिमंजुकंजशिलातलदलफलकरहैं ऋषि नकेआश्रमसराहेमृगनामकहेलागेमधुसरितझरतनिझरहं नाचत बिरहावीकैगावतमधुपपिकबोलतबिहंगनभजलथलचरहैं प्रभुहि बिलोकिमुनिगणपुलकेकहतभूरिभागभयसबनींचनारिन रहैं तु लसीसोसुखलाहुलूटत किरातकोलजाकोसिसिकतसुरबिधिहरि हरहैं १५६ ॥ रागसारंग ॥ आपरहेजबतेद्वौभाई तबतेचित्रकूटकानन छबिदिनदिनअधिकअधिकअधिकाई सीतारामलषणपदअंकित अवनिसुहावनिबरणिनजाई मन्दाकिनिमज्जतअवलोकतत्रिबि धपापत्रयतापनशाई उकठेउहरितमयेजलथलरुहनितनूतनराजी वसुहाई फूलतफलतपल्लवतपलुहतबिटपबेलिअभिमतसुखदाई सरितसरनिसरसीरुहसंकुलसदनसँवारिरमाजनुछाई कूजतबिहँ गमंजुगुंजतअलिजातपथिकजनुलेतबुलाई त्रिबिधसमीरनीरझर झरननिजहँतहँऋषिरहेकुटीबनाई शीतलसुभगशिलनिपरताप सकरतयोगजपतपमनलाई भयेसबसाधुकिरातकिरातिनिरामद रशमिटिगईकलुषाई खगमृगमुदितएकसँगबिहरतसहजबिषम बड़बैरबिहाई कामकेलिबाटिकाबिबिधबनलघुउपमाकबिकहतल जाई सकलभुवनशोभासकेलिमनोरामबिपिनबिधिआनिबसाई बनमिसुमुनिमुनितियमुनिबालकबरणतरघुबरबिमलबड़ाई पुल किशिथिलतनसजलबिलोचनप्रमुदितमनजीवनफलपाई क्योंक हौंचित्रकूटगिरिसम्पतिमहिमामोदमनोहरताई तुलसीजहँबसि लषणरामसियआनँदअवधिअवधबिसराई १५७ ॥ रागगौरी ॥ दे खतचित्रकूटबनमनअतिहोतहुलास सीतारामलषणप्रियतापस नन्दनिवास सरितसुहावनिपावनिपापहरणपयनाम सिद्धसाधु सुरसेवितदेतिसकलमनकाम बिटपबेलिनवकिशलयकुसुमितस

घनसुजाति कन्दमूलजलथलरुहअगणितअनबनभांति बंजुलमं
जुबकुलकुलसुरतरुतालतमाल कदलिकदम्बसुचम्पकपाटलप
नसरसाल भूरहुभूरिभरेजनुछबिअनुरागसुभाग बनबिलोकिल
घुलागहि बिपुलबिबुधबनबाग जाइनबरणिरामबनचितवतचित
हरिलेत ललितलताद्रुमसंकुलमनहुंमनोजनिकेत सरितसरनि
सरसीरुहफूलेनानारंग गुंजतमंजुमधुपगुणकूजतबिबिधिबिहंग
लषणकह्योरघुनन्दनदेखियबिपिनसमाज मानहुंचयनमयनपुर
आयउप्रियऋतुराज चित्रकूटपरराउरजानिअधिकअनुरागु सखा
सहितजनुरतिपतिआयेखेलनफागु झिल्लिझांझझरनाडफपणव
मृदंगनिशान भरिउपंगसुभृङ्गरवतालकीरकलगान हंसकपोतक
बूतरबोलतचक्कचकोर गावतमनहुंनारिनरमुदितनगरचहुंओर चि
त्रबिचित्रबिबिधमृगडोलतडोंगरडांग जनुपुरबीथिन बिहरतछै
लसँवारेस्वांग बरहिनटहिमोरायकगावहिंस्वरसुराग वृद्ध
निलजतरुणतरुणीजनुखेलहिंसमयसमान भरिभरिसूंडकरिनि
करिजहँतहँडारहिबारि भरतपरस्परपिचकनिमनहुंमुदितनरना
रि पीठिचढ़ाइशिशुनकपिकूदतडारहिँडार जनुमुहलाइलाइगेरू
मसिभयेखरनिअसवार लियेपरागसुमनरसडोलतमलयसमीर
मनहुंअरगजाछिरकतभरतगुलालअबीरकामकौतुकीयहिविधिप्र
भुहितकौतुककीन्ह रीझिरामरतिनाथहिजगबिजयीबरदीन्ह दु
खबहुदासमोरजनिमानहुंमोरिरजाइ भलेहिनाथमाथेधरिआयसु
चलेउबनाइ मुदितकिरातकिरातिनीरघुबरभूपनिहारि प्रभुगुण
गावतनाचतचलेज्वहारिज्वहारि देहिंअशीशप्रशंसहिंमुनिसुरब
र्षहिँफूल गवनेभवनराखिउरमूरतिमंगलमूल चित्रकूटकानन
छबिकोकबिबरणैपार जहँसियलषणसहितनितरघुबरकरहिंबि
हार तुलसिदासचाचरिनिसकहेरामगुणग्राम गावहिंसुनहिंना
रिनरपावहिंपदअभिराम ५८ ॥ रागबसन्त ॥ आजुबन्योहबिपिन

देखोसमधीरमानोखेलतफागुमुदितमदनबीर बटबकुलकदम्बप
नसरसाल कुसुमिततरुनिकरकुरबतमाल मानोबिबिधभेषधरेछै
लयूथ बिचबीचलतालललनाबरूथ पणवानकनिर्झरअलिअपंग
बोलतपारावतमनुडफमृदंग गायकसुखकोकिलझिल्लिताल नाच
तबहुभांतिरहीमराल मलपानिलशीतलसुरभिमन्द वहसहितसु
मनरसरेणुवृन्द मानोछिरकतफिरतसबनिसुरङ्ग भ्राजतउदार
लीलाअनङ्ग क्रीड़तजेतेसुरनरअसुरराग हठिसिद्धिमुनिनकेपथ
हिलाग कहतुलसिदासतोहिंछाड़मयन जेहिराखरामराजीवनय
न १५९ ऋतुपतिआयेभल्योबन्योसमाज मानोभयेहैंमदनमहा
राजआज मानोप्रथमफागुमिसकरिअनीति होरीमिसअरिपुरजा
रिनीति मारुतमिसपत्रप्रजाउजारि नयेनगरबसायेबिपिनझारि
सिंहासनशैलाशिलासुरङ्ग काननछबिरतिपरिजनुकुरङ्ग सितछ
त्रसुमनबल्लीबितान चामरसमीरनिर्झरनिशान मधुमाधवद्वौअनि
पधीर बरबिपुलबिटपबानैतबीर मधुकरशुककोकिलवृन्दवृन्द
बर्णाहिंबिशुद्धयशबिबिधछन्द महिपरतसुमनरसफलपराग जनु
देतइतरनृपकरबिभाग कलिसचिवसहितनयनिपुणमार कियो
बिश्वबिबशचारिहुप्रकार बिरहिनपरनितनईपरैमारि डांटिय
हिसिद्धसाधकप्रचारि तिनकीनकामसकैचापिछांह तुलसीजेबस
हिंरघुबीरबांह १६० ॥ रागमलार ॥ सबदिनचित्रकूटनाकोलागतब
र्षाऋतुप्रवेशबिशेषगिरिदेखतमनअनुरागत चहुंदिशिउनसम्पन्न
बिहँगमृगबोलतशोभापावत जनुसुनरेशदेशपुरप्रमुदितप्रजासक
लसुखछावत सोहतश्यामजलदमृदुघोरतधातुरंगमगेश्रृंगनि म
नहुंआदिअम्भोजबिराजतसेवितसुरमुनिभृङ्गनि शिखरपरहिघन
घनहिमिलतिबगपांतिसोछबिकबिबरणी आदिबराहिबिहरिबा
रिधिमानोउड्योहैदशनधरिधरणी जलयुतबिमलशिलनिझलक
त नभबनप्रतिबिम्बतरंग मानहुंजगरचनाबिचित्रबिलसति विरा

टअँगअंग मन्दाकिनिहिमिलतझरनाझरि २ भरिभरिजलआ
के तुलसीसकलसुकृतसुखलगेमानोंरामभक्तिकेपाके १६१ आं
जुकोमोरुओरसोमाई सुनेानद्वारबेदबन्दीधुनिगुणिगणगिरासु
हाई निजनिजपतिसुन्दरसदननितेरूपशीलछबिछाई लेनअशीश
सीयआगेकरिमोपैसुतबधूनआई बूझीहेानबिहँसिमेरेरघुबरकहां
रीसुमित्रामाता तुलसीमनहुंमहासुखमेरोदेखिनसक्योंबिधाता
१६२ जननीनिरखतिबाणधनुहियां बारबारउरनयननिलावति
प्रभुजीकीललितपनहियां कबहुंप्रथमज्योंजाइजगावतिकहिप्रि
यबचनसँवारे उठहुतातबलिमातबदनपरअनुजसखासबद्वारे क
बहुंकहतयोंबड़ीबारभईजाहुभूपपहँभैयां बन्धुबोलिजेईजोभावैग
ईनिछावरभैया कबहुंसमुझिबनगमनरामकोरहिचकिचित्रलिखी
सी तुलसिदासयहसमयकहैंतेलागतिप्रीतिसखीसी १६३ माई
रीमोहिंनकोउसमुझावै रामगमनसांचोकिधोंसपनोमनपरतीतन
आवै लगररहतमेरेनयननिआगेरामलषणअरुसीता तदपिनमि
टतदाहयाउरकोबिधिजोभयोबिपरीता दुखनरहैरघुपतिहिबि
लोकततनुनरहैबिनुदेखे करतनप्राणपयानसुनहुसखिअरुझिपरी
यहिलेखेकौशल्याकेबिरहबचनसुनिरोइउठीसबरानीतुलसिदास
रघुबीरबिरहकीपीरनजातबखानी १६४ जबजबभवनबिलोकति
सूनो तबतबबिकलहोतिकौशल्यादिनदिनप्रतिदुखदूनोसुमिरति
बालबिनोदरामकेसुन्दरमुनिमनहारी होतिहृदयअतिशूलसमुझि
पदपंकजअजिरबिहारी कीअबप्रातकलेऊमांगतरूठिचलैगोमाई
श्यामतामरसनयनश्रवतजलकाहिलेउंउरलाई जियोंतोबिपति
सहोंनिशिबासरमरोंतोमनपछितायो चलतबिपिनभरिनयनराम
कोबदननदेखनपायो तुलसिदासयहदुसहदशाअतिदारुणबिरह
घनेरो दूरिकरैकोभूरिकृपाबिनुशोकजनितरुजमेरो १६५ मेरो
यहअभिलाषबिधाताकबपुरवैसखिसानुकूलहृवै हरिसेवकसुखदा

ता सीतासहितकुशलकोशलपुरआवतहैंसुतदोऊ श्रवणसुधासमब
चनसखीकबआइकहैगोकोऊ सुनिसन्देशप्रेमपरिपूरणहौंसम्भ्रम
उठिधावोंगी बदनबिलोकिरोंकिलोचनजलहर्षहियेमहँलावोंगी
जनकसुताकबसासुकहैंमोहिँरामलषणकहँमयाबाहुजोरिकबअजि
रचलहिंगेश्यामगौरद्वौभैया तुलसिदासयहिभांतिमनोरथकरत
प्रीतिअतिबाढ़ी थकितभईउरआनिरामछबिमनहुंचित्रलिखिका
ढ़ी १६६ सुन्योजबफिरिसुमन्तपुरआयो कहिहैकहाप्राणपति
कीगतिनृपतिबिकलउठिधायो पाँयपरतमंत्रीअतिब्याकुलनृपउ
ठाइउरलायोदशरथदशादेखिनकह्योकछुहरिजोसँदेशपठायोबूझि
नसकतकुशलप्रियतमकीहृदयइहैपछितायो सांचेहुसुतबियोगसु
निबेकहँधिगबिधिमोहिंजियायो तुलसिदासप्रभुजानिनिठुरहौं
न्यायनाथबिसरायो हारघुपतिकहिपर्योअवनिजनुनीरमीनबि
लगायो १६७ मुएहुनमिटैगामेरोमानसिकपछिताउ नारिबशन
बिचारिकीन्होंकाजशोचतराउ तिलककाजबुलाइहैंबनचौगुणोचि
तचाउ हृदयदारिमज्योंनबिहर्योसमुझिशीलसुभाउ सीयरघुब
रलषणबिनुभयेभभरिभाग्योनआउ मोहिंबूझिनपरतयातेंकान
कठिनकुघाउ सुनिसुमन्तकिआनिसुन्दरसुवनसहितजियाउ दा
सतुलसीनतरुमाकहुमरणअमियपियाउ १६८ अवधिबिलोकि
हौंजीवतरामभद्रबिहीन कहाकरिहैंआयसानुजभरतधर्मधुरीन
रामशोकसनेहसंकुलतनबिकलमनलीन टूटितारोगगनमगज्यों
होतक्षणक्षणक्षीन हृदयसमुझिसनेहसादरप्रेमपावनमीन करीतु
लसीदासदशरथप्रीतिपरमितिपीन १६६ ॥ रागगौरी **॥ करतराय**
मनमोअनुमान शोकबिकलमुखबचननआवैबिछुरेकृपानिधान रा
जदेनकहुबोलिनारिवशमैंजोकह्योंबनजान आयसुशिरधरिचले
हरषिहियकाननभवनसमान ऐसेसुतकेबिरहअवधिलोंजोराखौं
यहप्राण तौमिटिजायप्रीतिकीपरमितिअयशसुनोंनिजकान राम

गयेअजहूंहोंजीवतसमुझतहीअकुलान तुलसिदासतनुतजिरघुप तिहितकियोप्रेमपरवान १७० ॥ रागसोरठ॥ असतैंक्योंकटुबचन कह्योरी रामजाहुकाननकठोरतेरोकसधौंहृदयरह्योरी दिनकरबंशपितादशरथसोंरामलषणसोंभाई जननीतूजननीताकहाकहोंबिधिक्यहिखोरिनलाई होंलहिहोंसुखराजमातहै सुतशिरछत्रधरैगो कुलकलंकमलमूलमनोरथतूबिनुकौनकरैगो ऐहैंरामसुखीसबहवै हैंईशअयशममहरिहैं तुलसिदासमोहिंबड़ोशोचहैजन्मकौन बिधिभरिहैं १७१ तातेंहोंदेतनदूषणतोहूं रामबिरोधीउरकठोरते प्रगटकियोबिधिमोहूं सुंदरसुखदसुशीलसुधानिधिजरणिजाइज्यहिजोये विषबारुणीबन्धुकहियतांबधुनातेंमिटतनधोये होतेजोन सुजानशिरोनणिरामसबकेमनहारो तौतेरीकरतूतिमातसुनुप्रीति प्रतीतिकहारो मृदुमंजुलसांचोसनेहशुचिसुनतभरतबरबाणीतुलसीसाधु२सुरनरमुनिकहतप्रेमपहिंचानी १७२ जौंपैहोंमातुमतेमहह्वेहौ तौंजननीजगमेंयामुखकीकहांकालिमाध्वैहौं क्योंहों आजुहोतशुचिसपयनिकोनुमानिहैसांची महिमामृगिकेहिसुकृतीकीखलबचनबिशिखतेंबांची गहिनजातिरसनाकाहूकीकहोजाइजोसूझै दीनबन्धुकारुण्यसिंधुबिनुकोउनहियेकीबूझै तुलसीरामबियोगबिषमविषबिकलनारिनरभारी भरतसनेहसुधासींचेसबभयेत्यहिसमयसुखारी १७३ काहेकोखोरिकैकपिहिलावों धरहुधीरबलिजांउतातमोहिंआजुबिधाताबावों सुनिबेयोगबियोगरामकोहोंनहोहुमोरेप्यारे सोमरेनयननिआगेतेरघुपतिबनहिंसिधारे तुलसिदाससमुझाइभरतकहंआंसुपोंछिउरलाये उपजीप्रीत्ति जानिप्रभुकेहितमनहुंरामफिरिआये १७४ मेरोअवधधौंकहहुकहांहै करहुराजरघुराजचरणतजिलैलटिलोगरहाहै धन्यमातहौं धन्यलागिज्यहिराजसमाजढहाहै तापरमोसोंप्रभुकरिचाहतसबबिनुदहनिदहाहै समशपथकोउकछुकहोजिनिमैंदुखदुसहसहाहै

चित्रकूटचलिहौंचलियेकलिक्षमियेमोहिं हहाहै योंकहिभोरभर त गिरिवरकोमारगबूझिगहाहै सकलसराहतएकभरतजगजन मिसुलाहुलहाहै जानिहिसियरघुनाथभरतकोशीलसनेह महा है कैतुलसीजाकोरामनामसोंप्रेमनेम निबहाहै १७५ भाईहौं अवधकहारहिलैहौं रामलषण सियचरणबिलोकतकालिकान नहिंजैहौं यद्यपिमोतेकैकुमाततेकैअतिआईपोची सन्मुखगयेश रणराखहिंगेरघुपतिपरमसकोची तुलसीयोंकहिचलेभोरहीलोग सकल सँगलागे जनुबनजरतदेखिदारुणदवनिकसिबिहँगमृग भागे १७६ शुकसोंगहबरहियकहशारो बीरकीरसियरामलष णबिनुलागतजगअँधियारो पापिनिचेरिअयानिरानिनृपअनहि तनाहिंबिचारो कुलगुरुसचिवसाधुशोचतबिधिकौनबसायउजा रो अवलोकैनचलतभरिलोचननगरकुलाहलभारो सुनेनबचनक रुणाकरकेजबपुरपरिवारसँभारो भैयाभरतभावतेकेसँगबनसब लोगसिधारो हमपरपाइपिंजरानेतरसतअधिकअभागहमारो सु निखगकहतअंबओगीरहिसमुझिप्रेमपथन्यारो एतेप्रभुहिपहुंचा यफिरेपुनिकरतकर्म्मगुणगारो जीवनजगजानकीलषणकोरमण महीपसवांरो तुलसीऔरप्रीतिकीचरचाकरतकहाकछुचारो १७७ कहैंशुकसुनहिसिखावनशारो बिधिकरतबबिपरीतिबामगतिराम प्रेमपथन्यारो कोनरनारिअवधखगमृगज्यहिजीवरामते प्यारो बिद्यमानसबकेगवनेबनबदनकरमकोकारो अम्बअनुजप्रियसखा सुसेवकदेखिबिषादबिसारो पक्षीपरबशपरेपींजरनिलेखोकौनह मारो रहीनृपकीबिगरीहैसबकीअबयकबारनिहारो तुलसीप्रभु निजचरणपीठिमिसिभरतप्राणरखवारो १७८ तादिनशृंगबेरपु रआयो रामसखातेसमाचारसुनिवारिबिलोचनक्षायो कुशसाथरी देखिरघुपतिकीहेतुअपनपौजानी कहतकथासियरामलषणकीबै ठेहिरैनिबिहानी भोरहिं भरद्वाजआश्रमद्वैकरिनिषादपतिआगे

चलेजनुतक्योतड़ागतृषितगजघोरघामकेलागे बूझतचित्रकूटक
हँज्यहित्यहिमुनिबालकनबताये तुलसीमनहुंफणिकमणिढूंढ़तनि
रखिहर्षिहियधाये १७६ ॥ रागकेदारा ॥ बिलोकेदूरितेद्वौबीर
उरआयतआजानुसुभगभुजश्यामलगौरशरीर शीशजटासरसीरु
हलोचनबनेमुनिपरिधन चीर कटिनिषंगसंगसियशोभितकरनध
रेधनुतीर ममअगहुड़ोतनुपुलकशिथिलभयोनलिननयनभरेनीर
गड़तगोड़मानोसकुचपंकमहँकढ़तप्रेमबलधीर तुलसिदासदशादे
खिभरतकीउठिधायेअतिहिअधीर लियेउठायउरलायकृपानिधि
बिरहजनितहरिपीर १८० भरतभयेठाढ़ेकरजोरि ह्वैनसकतसा
मुहेसकुचवशसमुझिमातुकृतखोरि फिरिहैंकिधौंफिरनकहिहैंप्रभु
कल्पिकुटिलतामोरि हृदयशोचजलभरेबिलोचनदेहनेहभइमोरि
बनबासीपुरलोगमहामुनिकियेहैंकाठकेसेकोरि दैदैश्रवणसुनन
कोजहँतहँरहेप्रेममनबोरि तुलसीरामसुभाउसुमिरिउरधरिधीर
जहिबहोरि बोलेबचनबिनीतउचितहितकरुणारसहिनिचोरि
१८१जानतहौंसबहीकेमनकी यदपिकृपालुकरौंबिनतीस्वइसाद
रसुनहुदीनहितजनकी येसेवकसन्ततअनन्यअतिज्योंचातकहिए
कगतिघनकी यहबिचारिगवनहुपुनीतपुरहरहुदुसहआरतिपरि
जनकी मेरोपुनिजीवनजानियअसजसअहिजासुगईमणिफनकी
मेटहुकुलकलंककोशलपतिआज्ञादेहुनाथस्वहिंबनकी मोकोजोइ
जोइलाइयलागेसोइसोइजौंउत्पतिकुमतियातनकी तुलसिदा
ससबदोषदूरिकरिप्रभुअबलाजकरहुनिजपनकी १८२ तात
बिचारौंधौंहौंक्योंआवौं तुमशुचिसुहृदयसुजानसकलबिधिबहु
तकहाकहिकहिसमुझावौं निजकरखालखैंचियातनुतेज्योंपितुप
गपानहींबनावौं होउँनउऋणपितादशरथतेकसताकोबचनमेटि
पतिपावौं तुलसीजाकोसुयशतिहूंपुरक्योंत्यहिकुलहिंकालिमा
लावौं प्रभुरुखनिरखिनिराशभरतभयेजान्योसबहिंभातिबिधि

बावों १८३ ॥ रागबोरठ ॥ बहुरोभरतचह्योकछुचाहैं सकुचसिं धुवोहितबिबेककरिबुधिबलबचननिबाहैं छोटेहुतेछोहुकरिआये मैंसामुहेंनहेरो एकांहबारआजुबिधिमेरोशीलसनेहनिबेरोतुलसी जोफिरिबोनबनैप्रभुतौहौंआयसुपावों बरफेरियेलषणलरिकाहैं नाथसाथहौंआवों १८४ रघुपतिमोहिंसंगकिनलीजै बारबार पुरजाहुंनाथक्यहिकारणआयसुदीजैयद्यपिहौंअतिअधमकुटिलम तिअपराधिनकोजायो प्रणतपालकोमलसुभाउजियजानिशरणत किआयो जोमेरेतजिचरणआनगतिकह्योहृदयकछुराखीतौपरिहर हुदयालदीनहित प्रभुअभिअन्तरसाखी तातेनाथकहौंमैंपुनिपुनि प्रभुपितुमातुगोसाईं भजनहीननरदेहवृथाखरश्वानफेरुकीनाईं बन्धुवचनसुनिश्रवणनयनराजीवनयनभरिआये तुलसिदासप्रभु परमकृपागहिबांहभरतउरलाये १८५ काहेकोमानतहानिहिये हो प्रीतिनीतिगुणशीलधर्म्मकहँतुमअवलम्बदियेहो तातजातजा निबेनयेदिनकरिप्रमाणपितुबानी ऐहोंबेगिधरहुधीरजउरकठिन कालगतिजानी तुलसिदासअनुजहिंप्रबोधिप्रभुचरणपीठनिजदी न्हे मनहुसबनकेप्राणपाहरूभरतशीशधरिलीन्हे १८६ बिनती भरतकरतकरजोरे दीनबन्धुदीनतादीनकीकबहुंपरेजनिभोरे तुम सेतुमहिंनाथहौंमोकोमोसेजनतुमकोबहुतेरे इहै जानिपहिंचानि प्रीतिक्षमिबेअघअवगुणमेरे योंकहिसीयरामपायँनपरिलषणला इउरलीन्हे पुलकशरीरनीरभरिलोचनचहतप्रेमप्रणकीन्हे तुल सीबीतेअवधिप्रथमदिनजोरघुबीरनऐहौं तौप्रभुचरणसरोजशपथ फिरिजीवतजनहिनपैहौं १८७ अवशिहौंआयसुपायरहोंगो ज न्मिकेकयीकोषिकृपानिधिक्योंकछुचपरिकहोंगो भरतभूपसिय रामलषणबनसुनिसानन्दसहोंगो पुरपरिजनअवलोकिमातुसब सुखसंतोषलहोंगो प्रभुजानतजिहिभांतिअवधिलौंतवनपालिनि बहोंगो आगेकीबिनतीतुलसीतबजबफिरिचरणगहोंग १८८

प्रभुसोंमैंढीठ्योबहुतकईहै कीजैक्षमानाथआरततेकहीकुयुक्तिनई
है योंकहिबारबारपायँनपरिपाँवरिपुलकिलईहै अपनोदिनदेखि
होंडरपतज्यहिबिषवेलिबईहै आपोसदासुधारिगुसाईंजनतेबिग
रिगईहै थकेबचनपैरतसनेहसरिपरयोमानोघोरघईहै चित्रकूट
त्यहिसमयसबनकीबुद्धिबिषादहईहै तुलसीरामभरतकेबिछुरत
शिलासप्रेमभईहै १८६ जबतेंचित्रकूटतेआये नन्दिग्रामखनि अ
वनिडासिकुशपर्णकुटीकरिछाये अजिनबसनफलअशनजटाधरेर
हतअवधिचितदीन्हे प्रभुपदप्रेमनेमव्रतचिररत मुनिननिमितमु
खकीन्हेसिंहासनपुरपूजिपादुकाबारहिंबारजोहारे प्रभुअनुराग
मांगिआयसुपुरजनसबकाजसम्हारे तुलसीज्योंज्योंघटततेजतनु
त्योंत्योंप्रीतिअधिकाई भयेनहैंनहोहिंगेकबहूंभुवनभरतसेभाई
१६० ॥ रागरामकली ॥राखिभक्तिभलिभलाईभलीभांतिभरतस्वारथ
परमारथपथीजयजयजगकरतजोव्रतमुनिबरनि कठिनमानसआ
चरत सोव्रतलियोचातकज्योंसुनतपातकहरतसिंहासनपरसुभग
रामचरणपीठिधरत चलतसबराजकाजआयसुअनुसरत आपुअ
वधबिपिनबन्धुशोचजरणिजरत तुलसीसमबिषमसुगमअगमल
खिनपरत १६१ मोहिंभावतिकहिआवतिनहिंभरतजूकीरहनि
सजलनयनशिथिलबयनप्रभुगुणगणकहनि अशनबशनअयनश
यनधरमगुरुअगहनि दिनदिनप्रणप्रेमनेमनिरुपाधिनिरबहनि
सीतारघुनाथलषणबिरहपीरसहनि तुलसीतजिउभयलोकराम
चरणचहनि १६२ जानीहैशङ्करहनुमानभरतलषणरामभगतिकह
तसुगमकरतअगमसुनतमीठोलगति लहतसुकृतचहतसकलयुग
युगजगमगति रामप्रेमपथतेकबहुंडोलति नहिंडगतिऋधिसिधि
बिधिचारिसुगतिजाबिनुगतिअगति तुलसीत्यहिसंमुखबिनुबिष
यठगनिठगति १६३ ॥ रागगौरी ॥केकयीकरीधौंचतुरईकौनरामलषण
सियबनहिंपठायेपतिपठयोसुरभौन कहाभलोधौंभयोभरतकोल

गेतरुशतनदौन पुरबासिनकेनयननीरबिनुकबहुंतेदेखतिहौंन को शल्यादिनरातिबिसूरतिबैठिमनहिंमनमौनतुलसीउचितनहोइरो इबोप्राणगयेसँगजौंन १९४ हाथमीजिबोहाथरह्योलगीनसंगचि त्रकूटहुतेहौंकहांजातबह्यो पुनिसुरपुरसियरामलषणबनमुनिव्रत भरतगह्यो होरहिघरमशानपावकज्यौंमरिबोईमृतकदह्यो मेरो हियोकठोरकरिबेकहँविधिकहुंकुलिशलह्यो तुलसीबनपहुंचाइफि रीसुतज्यौंकछुपरतकह्यो १९५ हौंतोसरिरहीअपनोसो राम लषणसियकोसुखमोकहँभयोसखीसपनोसो जिनकेबिरहविषाद बटाउहुखगजगजीवदुखारी मोहिंकहासजनीसमुझावतिहौंतिन कीमहतारी भरतदशासुनिसुमिरिभूपगतिदेखिदीनपुरबासी तु लसीरामकहतहौंसकुचतकैहैजगउपहासी १९६ आलीहौंइन हिंबुझावोंकैसे लेतहियेभरिभरिपतिकेहितमातुहेतुसुतजैसे जेहैं बारबारहिहिनातहेरिउतजोबोलेकोउद्वारे अंगलगाइलियेबारेते करुणामयसुतप्यारे लोचनसजलसदासोवतसेखानपानबिसरा ये चितवतचौंकिनामसुनिशोचतरामसुरतिउरआये तुलसीप्रभुके विरहबधिकहठिराजहंससेजोरे ऐस्यउदुखितदेखिहौंजीवतराम लषणकेचोरे १९७॥ रागसोरठ ॥ राघोएकबारफिरिआवो येबरबा जिविलोकिआपनेबहुरोबनहिंसिधावो जेपयप्यायपीषिकरपङ्क जबारबारचुचुकारे क्योंजीवहिंमेरेरामलाड़िलेतैंअबनिपटबिसार रतसौगुणीसुसारकरतहैंअतिप्रियजानितिहारे तदपिदिनहुदिन होतझांवरेमनहुंकमलहिममारे सुनहुपथिकजोराममिलहिंबन कहियोमातसंदेशो तुलसीमोहिंऔरसबहिंनतेंइनकोबड़ोअंदेशो १९८ ॥ रागकेदार ॥ काहूसोंकाहूसमाचारअसपाये चित्रकूटतेराम लषणसियसुनियतअंतसिधाये शैलसरितनिर्झरबनमुनिथलदे खिदेखिसबआये कहतसुनतसुमिरतसुखदायकमानससुगमसु हाये बड़िअवलम्बबामबिधिबिघटितबिषमबिषादबढ़ाये शिरसि

सुमनसुकुमारमनोहरबालकविन्ध्यचढ़ाये अवधसकलनरनारि बिकलअतिअकनिबचनअनभाये तुलसीरामबियोगशोगबशसमु झतनहिंसनुझाये १९९ सुनीमैंसखीमंगलचाहसुहाई शुभपत्रि कानिषादराजकीआजभरतकहँआई कुँअरसोकुशलक्षेमअतित्य हिपललेगुरुपहँपहुंचाई गुरुकृपालुसंभ्रमपुरघरघरसादरसबहिं सुनाई बधिविराधसुरसाधुसुखीकरिऋषिशिषआशिषपाई कुम्भ जशिष्यसमेतसंगसियमुदितचलेद्वौभाई रेवाबिन्ध्यबीचसुपासथ लबसेहैंपर्णगृहछाई पंथकथारघुनाथपथिककीतुलसिदाससुनि गाई २०० ॥ इतिश्रीरामगीतावल्यांअयोध्याकाण्डसमाप्तः २ ॥

अथआरण्यकांडप्रारंभः ॥

रागमलार ॥ **देखेरामपथिकनाचतमुदितमोर मानतमनुशततड़ि** तललितघनधनुसुरधनुगुरुजनिटंकोर कम्पैकलापबरबरहिंफि रावतगावतकलकोकिलकिशोर जहँजहँप्रभुबिचरतहैंतहँतहँसुख दण्डकबनकौतुकनथोर सघनछांहतमरुचिररजनिभ्रमबदनचन्द्र चितवनिचकोर तुलसीमुनिखगमृगनिसराहतभयेहैंसुकृतसबइ नकीओर २०१ ॥ रागकल्याण ॥ सुभगशरासनशायकजोरे खेलत रामफिरतमृगपावनबसतिसोमृदुमूरतिमनमोरे पीतबसनकटि चारुचारिशरचलतकोटिनटसोतृणातोरे श्यामलतनश्रमकणराज तज्योंनवघनसुधाबरोबरखोरे ललितकन्धबरभुजबिशालउरले हिंकंठरेखैंचितचोरे अबलोकतमुखदेतपरमसुखलेतशरदशशिकी छबिछोरे जटामुकुटसरसीरुहनयननगोहैंतकतसुभौंहसकोरे शो भाअमितसमातनकाननउमगिचलीचहुंदिशिमितिफोरे चितवत चकितकुरंगकुरंगिनिसबभयेमगनमदनकेभोरे तुलसिदासप्रभु बाणनचावतसहजसुभायप्रेमबशधोरे २०२ ॥ रागसोरठ ॥ भेटिहैंरा मलषणअरुसीता पंचबटीबरपर्णकुटीतरकहैंकछुकथापुनीता कप टकुरंगकनकमणिमयलखिपियसोंकहतिहेवाला पाइपालिबेयोग

मंजुमृगमारेहुमंजुलछाला प्रियाबचनसुनिबिहँसिप्रेमबशगर्वाहं
चापशरलीन्हे चल्योसोभाजिफिरिफिरिहेरतमुनिमखरखवारेची
न्हे सोहतिमधुरमनोहरमूरतिहेमहरिणकेपाछे धावनिनवनिबि
लोकनिबिथकनिबसैतुलसीउरआछे २०३ ॥ रागकल्याण ॥ करशरध
नुपकटिरुचिरनिषंगप्रियाप्रीति प्रेरितबनबीथिनबिचरतकपटकन
कमृगसंगभुजबिशालकमनीयकंधउरश्रमसीकरसोहैंबरअंग मा
नोंमुक्तामणिमरकतगिरिपरलसतललितरविकिरणप्रसंगनलिन
नयनशिरजटामुकुटबिचसुमनमालमनुशिवशिरगंग तुलसिदास
असमूरतिकीबलिछबिबिलोकिलीजैअमितअनंग २०४ ॥ रागके.
दारा ॥ राघोभावतिमोहिंबिपिनकीबीथिनि अरुणकंजबरणचरण
शोकहरणअंकुशकुलिशकेतुअङ्कितअवनि सुन्दरश्यामलअंगबस
नपीतसुरंगकटिनिषंगपरिकरनिरवनि कनककुरंगसंगसाजैकरश
रचापराजिवनयनइतउतचितवनि सोहतशिरमुकुटजटापलटनि
करसुमनलतासहितरचीबनबनि तैसेइश्रमसीकररुचिर राजतसु
खतैसेयेललितभृकुटिनकीनवनि देखतखगनिकरमृगरवाननयु
तपथिकबिसारिजहँतहँकीभवनि हरिदरशनफलपायोहैज्ञानबि
मलयाचतभक्तिमुनिचाहतजवनि जिनकेमनमगनभयेहैंरससगु
णनिकेलेखेअगुणमुक्तिकवनि श्रवणसुखकरणिभवसरितातरणि
गावततुलसीदासकीरतिपवनि २०५ ॥ रागसोरठ ॥ रघुबरदूरिजाइ
मृगमार्यो लषणपुकारिरामहरुबेकहिमरतहुबैरसँभार्यो सुनहु
तातकोउतुमहिंपुकारतप्राणनाथकीनाईं कह्योलषणहन्योहरिण
कोपिसियहठिपठयेबरिआई बन्धुबिलोकिकहततुलसीप्रभुभाईभ
लीनकीन्हीं मेरेजानजानकीकाहूखलछलकरिहरिलीन्हीं २०६
आरतबचनकहतिवैदेही बिलपतिभूरिबिसूरिदूरिगयेमृगसँगपर
मसनेहीकहेकटुबचनरेखनांयीमैंतातक्षमासोकीजै देखिबधिकबश
राजमरालिनिलषणलालछिनिलीजैबनदेवनसियकहनकहतियों

करिनीचहरीहौं गोमरकरसुरधेनुनाथज्यौंत्यौंपरहाथपरीहौं तु
लसिदासरघुनाथनामसुनिअकनिगृद्धधुकिधायों पुत्रिपुत्रिजिनि
डरहिनजेहैनीचमीचहौंआयों २०७ फिरतनबारहिबारप्रचार्यो
चपरिचोंचचंगुलहतहतिरथखगडखगडकरिडार्यो बिरथबिकल
कियोछीन्हिलीन्हिसियघनघायनिअकुलान्यौ तबअसिकाढ़िका
टिपरपांवरलेअभुप्रियापरान्यौ रामकाजखगराजआजलखेबिष
तनजानकित्यागी तुलसिदाससुरसिद्धसराहतधन्यबिहंगबड़भा
गी २०८ ॥ रागगौरी ॥ हेमकोहरिणहनिफिरेरघुकुलमणिलषणल
लितकरलियेमृगछाल आश्रमआवतचलेसगुणनभयेभलफरको
बामबाहुलोचनबिशाल सरितजलमलिनसरनिसुखिनलिनगुंज
तकलकूजैनमराल कोलिनिकोलकिरातजहँतहँबिलखातबनन
बिलोकिजातखगमृगमाल तरुजेजानकीलायेजायेहरिकरिकपि
हेरेनकहुंझरेफल नरसालजेशुकशारिकापालेमातज्यौंलालकिला
लेतेऊनपटतनपटावेमुनिबाल समुझिसहमेंसूठिप्रियातोनआईउ
ठितुलसीविवरणपरणतृणशाल ओरेसोसबसमाजकुशलनदेखों
आजुगहवरिहियकहैकोशलपाल २०९ आश्रमनिरखिभलेमद्रुन
फूलेफूलेअलिखगमृगमानो कबहुंनहेमुनिनमुनिबधूटीउजरीपर
णकुटीपञ्चबटीपहिंचानि ठाढ़ेईरहेउठिनसलिललियेप्रेमप्रमुदित
हियप्रियान पुलकिप्रियबचनकहेपल्लवशालनहेरोप्राणबल्लभान
तेरीबिरहबियकिलखिलषणगहेदेखेरघुपतिगति बिबुधबिकलअ
तितुलसीगहनिबिनुदहनदहे अनुजादियोभरोसोतोलोहैशोचख
रोसासियसनाचारप्रभुजोलोंनलहे २१०॥ रागसोरठ ॥ जबहिंसि
यसुधिसबसुरनसुनाई भयेसुनिसहजबिरहसरिपैरतथकेथाहसी
पाई कसितूणीरतीरधनुधरधुरधीरबीरद्वौभाई पञ्चबटीगोदहिप्र
णामकरिकुटीदाहिनीलाई चलेबुझितबनबेलिबिटपखगमृगअलि
अवलिसुहाई प्रभुकीदशासोसमोकहिबेकोकबिउरआहनआई र

टनिअकनिपहिंचानिगृद्धफिरेकरुणामयरघुराई तुलसीशमहिंप्रि
याबिसरिगईसुमिरिसनेहसगाई २११ मरेएकोहाथनलागी ग
योबपुबीतिबादिकाननज्योंकल्पलतादवदागी दशरथसुवनप्रेमप्र
तिपाल्यहुतोसकलजगसाखी बरबशहरतनिशाचरपतिसोहठिन
जानकीराखी भरतनमैंरघुवीरविलोकेतापसभेषबनाये चाहतचल
नप्राणपांवरबिनुसियसुधिप्रभुहिसुनाये बारबारकरमींजिशीश
धुनिगृद्धराजपछिताई तुलसीप्रभुकृपालुत्यहिअवसरआइगयेद्वौ
भाई २१२ राघोगृद्धगोदकरिलीन्हो नयनसरोजसनेहसलिल
शुचिमनहुंअर्घजलदीन्हो सुनहुलषणखगपतिहिंमिलेबनमैंपितु
मरणनजान्योंसहिनसक्योसोकठिनबिधातापक्ष्योपक्षअजुभा
न्यो बहुबिधिरामकह्योतनराखनपरमधीरनहिंडोल्यो रोंकिप्रेम
अवलोकिबदनबिधुबचनमनोहरबोल्यो तुलसीप्रभुझूंठेजीवनल
गिसमयनधोखेलैहौं जाकोनाममरतमुनिदुर्लभतुमहिकहांपुनिपै
हौं २१३ नीकेकैजानतरामहियोहौं प्रणतपालसेवककृपालचित
पितुपटतरहिंदियोहौं तृजगयोनिगतगृद्धजनमभरिखाइकुजंतुजि
योहौं महाराजसुकृतीसमाजसबऊपरआजुकियोहौं श्रवणबचम
मुखनामरूपचषुरामउछंगलियोहौं तुलसीमोसमानबड़भागीको
कहिसकैबियोहौं २१४ मेरेजानतातकछुदिनजीजै देखियेआपु
सुवनसेवासुखमोहिंपितुकोसुखदीजै दिव्यदेहइच्छाजीवनजग
बिधिमनाइमांगिलीजै हरिहरसुयशसुनाइदरशदैलोगकृतारथ
कीजै देखिबदनसुनिबचनअमियतनरामनयनजलभीजै बोल्यो
बिहँगबिहँसिरघुबरबलिकह्योलुभायपलीजै मेरेमरिबेसुमनचा
रिफलहोहिंतौकौनकहीजै तुलसीप्रभुदियोउतरुमोवहीपरिमा
नोंप्रेमसहीजै २१५ मेरोसुनियेतातसँदेशो सीयहरणजनिकह
हुपितासोंकैहैअधिकअँदेशो रावरेपुण्यप्रतापअनलमहँअल्पदि
ननिरिपुदहिहै कुलसमेतसुरसभादशाननसमाचारसचकहिहै

सुनिप्रभुबचनआनिउरमूरतिचरणकमलशिरनाई चल्योंनभसुन तरामकलकीरतिअरुनिजभागबड़ाई पितुज्योंगृद्धक्रियाकरिरघुपतिअपनेधामपठायो ऐसेप्रभुबिचारितुलसीशठतूचाहतसुखपायो २१६ ॥ रागसूहोबिलावल ॥ सेवरीसोइउठीफरकतबामबिलोचन बाहु सगुणसुहावनेसूचतमुनिमनअगमउछाहु ॥ छन्द ॥ मुनिअगमउरआनन्दलोचनसजनतनुपुलकावली तृणपर्णशालबनाइजलभरिकलशफलचाहतचली मंजुलमनोरथकरतिसुमिरतिबिप्रबरबाणीभली ज्योंकल्पबेलिसकेलिसुकृतसुफलफूलीसुखकली १ प्राणप्रियापाहुनेऐहैंरामलषणमेरेआजु जानतजनजियकीमृदुचितरामगरीबनेवाजुमृदुचित्तगरीबनेवाजुआजुविराजिहैंगृहआइकै ब्रह्मादिशंकरगौरिपूजितपूजिहैंअबजाइकै लहिनाथहौंरघुनाथबानोपतितपावनपाइकै दुहुंओरलाहुअघाइतुलसीतीसरेहुगुणगाइकै २ दोनारुचिररचेपूरणकन्दफलफूल अनुपमअमियहुतेअंबकअवलोकतअनुकूल अनुकूलअम्बकअम्बज्योंनिजडिम्बहितसबआनिकै क्षणभवनक्षणबाहिरबिलोकतिपुणयभूपरपाणिकै द्वौभाइआयेशवरिकाकेप्रेमप्रणपहिंचानिकै ३ श्रवणहिंसुननचलीआवतदेखिलषणरघुराउ शिथिलसनेहकहैंहैसपनोविधिकैधौंसतभाउसतभाउ कैसपनोनिहारिकुमारकोशलरायके गहेचरणजेअघहरणनिजजनबचनमानसकायके लघुभागभाजनउदधिउमँग्योलाभसुखचितचायके सोजननिज्योंआदरीसानुजरामभूंखेभायके ४ प्रेमपटपांवड़ेदेतसुअर्घविलोचनकारि आश्रमलैजोदियेआसनपंकजपांयपखारि पदपङ्कजातपखारिपूजेपन्थश्रमबिरहितभये फलफूलअंकुरमूलधरेसुधारिभरिदोनानये प्रभुखातपुलकितगातस्वादसराहिसादरजनुजये फलचारिहूंफलचारिदहिपरचारिफलशवरीदये५ सुमनवर्षिहर्षेसुरमुनिमुदितसराहिसिहात कहिरुचिकहिक्षुधासानुजमांगिमांगिप्रभुखात प्रभुखातमांगतदेतशव

रीरामभोगीयोगके बालकसुमित्राकौशलाकेपाहुनेफलसागके पु
लकतप्रशंसतसिद्धशिवसनकादिभाजनभागके सुनिसमुझितुल
सीजानरामहिंबशअमलअनुरागके६रघुबरअँचइउठेशवरीकरिप्र
णामकरजोरि हौंबलिबलिजोगईमंजुमनोरथमोरि पुरईमनोरथ
स्वारथहुपरिमारथहुपूरणकरी अघअवगुणनकीकोठरीकरिकृपा
मुदमंगलभरी तापसकिरातनकोलमृदुमूरतिमनोहरचितधरी शि
रनाइआयसुपाइगवनीपरमनिधिपालेपरी ७ सियसुधिसबजुक
हिनखशिखनिरखिनिरनिह्वौभाई दैदैप्रदक्षिणाकरतिप्रणामनप्रे
मअघाई अतिप्रेममानसराखिरामहिंरामधामहिंसोगई त्यहिमा
तज्योंरघुनाथअपनेहाथजलअंजुलिदई तुलसीभनतशवरीप्रण
तिरघुवरप्रकृतिकरुणामई गावतसुनतसमुझतभगतिहियहोइ
प्रभुपदनितनई ॥ २१७ ॥ इतिश्रीरामगीतावल्यांआरण्यकाण्ड
स्समाप्तः ॥ ३ ॥

अथकिष्किंधाकाण्डप्रारम्भः ॥

रागकेदारा ॥ भूषणबसनबिलोकतसियके प्रेमबिबशमनब्यग्रपु
लकतननीरजनयननीरभरेंपियके सकुचतकहतसमुझिउरउमग
तिशीलसनेहसगुणगणतियके स्वामिदशालखिलषणसखाकपि
पघिलेहैंमांटआंचमानोंघियके शोचतहानिमानिमनगुणिगुणिग
येनिघटफलसकलसकियके बर्णोजामवंतत्यहिअवसरबचनबिलो
किबीररसपियके धीरबीरसुनिसमुझिपरस्परबलउपायउढकत
निजहियके तुलसिदाससहसमउकहेकबिलागतनिपटनिठुरज
ड़जियके २१८ प्रभुकपिनायकबोलिकह्योहै वर्षागईशरदऋ
तुआईअबलौंनहिंसियसोधुलह्योहै जाकारणतजिलोकलाजत
नुराखिबियोगसह्योहै ताकोतौकपिराजु आजुलगिकछुनकाजनि
बह्योहै सुनिसुग्रीवसभीतनमितमुखउत्तरदेनचह्योहैआइगयेइ
रियूथदेखिउरपूरिप्रमोदरह्योहैपठयेबदिब दिअवधिदशहुंदिशि

चलेबलमवनिकह्योहै तुलसीसियलगिभवदधिनिधिमानोफिरि हरिचहतमह्योहै २१६ ॥ इतिश्रीरामगीतावल्यांकिष्किन्धाकां डरसमाप्तः ॥ ४ ॥

अथसुन्दरकाण्डप्रारम्भः ॥

रागकेदारा ॥ रजायसुरामकोजबपायो गालमेलिमुद्रिकामुदि तमनपवनतनयशिरनायो भालुनाथनलनीलसाथचलेबलीबालि कोजायो फरकिसुअंगमयंसगुणकहतमानोमगमुदमंगलछायो दे खिबिबरुसुधिपाइगृद्धसोंसबनिअपनुबलमायो सुमिरिरामतकि तरकितोयनिधिलंकलूकसोआयो खोजतघरघरजनुदरिद्रमनुफि रतलागिधनुधायो तुलसीसियबिलोकिपुलक्योतनुभूरिभागभयो भायो२२०देखीजानकीजबजाइपरमधीरसमीरसुतकेप्रेमउरनस माइ कृशशरीरसुभायशोभितलगीउड़िउड़िधूलि मनहुंमनसिज मोहनीमणिगयोभोरेभूलि रटतिनिशिबासरनिरंतररामराजिवन यन जातनिकटनबिरहनीअरिअकनितातेबयन नाथकेगुणगाथक हिकपिदईमुद्रिकाडारि कथासुनिउठिलईकरबररुचिरनामनिहा रि हृदयहर्षबिषादअतिपतिमुद्रिकापहिंचानि दासतुलसीदशा सोक्यहिभांतिकहैबखानि २२१॥ रागसोरठ ॥ बोलिबलिमुंदरीसा नुजकुशलकौशलुपालु अमियबचनसुनाइमेटहिंबिरहज्वालाजा लु कहतहितअपमानमैंयोंहोतहियसोइशालु रोषक्षमिसुधिकरत कबहूंललितलक्ष्मणलालु परस्परपतिदेवरहिकाहोतिचरचाचा लु देविकबहुंक्यहिहेतुबोलेबिपुलबानरभालु शीलनिधिसमरथ सुसाहिबदीनबन्धुदयालु दासतुलसीप्रभुहिकाहुनकह्योमेरोहालु २२२ सदलसुलक्षणहैंकुशलकृपालुकोशलराउ शीलोसदनसने हसागरसहजसरलसुभाउ नींदभूंखनदेवरहिपरिहरेकोपछिता उ धीरधुररघुबीरकोनहिंसपनेहूंचितचाउ शोधबिनुअनुरोधऋ तुकोबोधबिहितउपाउ करतहैंसोइसमयसाधनफलतिबनतबना

उ पठैकपिदिशिदशहुंजेप्रभुकाजकुटिलनकाउ बोलिलियहनुमा
नकियसनमानजातिसमाउ दईहोसंकेतकहिकुशलातसियहिंसु
नाउ देखिदुर्ग्गबिशेषजानकिजानरिपुगतिआउ कियोसीयप्रबो
धमुंदरीदियोकपिहलखाउ पाइअवसरनाइशिरतुलसीसगुणगुण
गाउ २२३ सुवनसमीरकोधीरधुरीणबीरबड़ोइ देखिगतिसिय
मुद्रिकाकीबालज्योंदियोरोइ अकनिकटुबाणीकुटिलकीक्रोधबिं
ध्यबढ़ोइ सकुचिरामभयोईशआयसुकुशलसबजियजोइ बुद्धिबल
साहसपराक्रमअछतराखोगोइ सकलसाजसमाजसाधकसमयक
हसबकोइ उतरितरुतेनमतपदसकुचातशोचतशोइ चुकेअवसरम
नहुंसुजनहिं सुजनसंमुखहोइ कहेबचनबिनीतप्रीतिप्रतीतिनी
तिनिचोइ सीयसुनिहनुमानजान्योभलीभांतिभलोइ देबिबिनक
रतूतिकहिबोजानिहैलघुलोइ कहोंगोमुखकीसमरसरिकालिका
रिखधोइ करतकछुनहिबनतहरिहियहर्षशोकसमोइ कहतमनतु
लसीसलङ्काकरौंसघनसमोइ २२४ ॥ रागकेदारा ॥ हौंरघुबंशम
णिकोदूत मानमातुप्रतीतिजानकिजानुमारुतपूत मैंसुनीबातैंअसै
लीकहिजेनिश्चरनीचक्योंनमारै गालबैठोकालडाढ़नबीचनिदरि
अरिरघुबीरखललैजाउंजोहठिआजु डरौंआयसुभंगतेअरुबिगरि
हैसुरकाजु बांधिबारिधसाधिरिपुदिनचारिमेंहौं बीर मिलहिंगेक
पिभालुदलसँगजननिउरधरुधीर चित्रकूटकथाकुशलकहिशीश
नायोकीश सुहृदसेवकनाथकोसखिदईअचलअशीश भयेशीतलश्र
बणतनमनसुनेबचनपियूख दासतुलसीरहीनयननदरशहीकीभूं
ख२२५तातोहिंसोंकहतहौंतिहियोगलानि मनकोप्रमथप्रण
समुझिअछततनलखिनइगतिभइमतिमलानि प्रियकोबचनपरि
हर्योजियकेभरोसोसँगचलीबनबड़ोलाभजानि प्रियतमबिरह
तोसनेहसुखससुतअवसरकोचूकिबोसरिषनहानि आरजसुवन
केतोदयादुअनहुंपरमोहिंशोचमोतेसबबिधिनशानि अपनीभला

ईभलीकियोनाथसबहींकोमेरेहीअदिनबशबिसरीबानि नेमतौप
पीहाहीकेप्रेमप्यारीमीनहीकेतुलसीकहीहैंनीकेहृदयआनि इतना
कहीसोकहीसियज्योंहींत्योंहीरही प्रीतिपरसहीबिधिसोंनबसा
नि२२६ मातुकाहेकोकहतिअतिबचनदीन तबकीतुहींजानतिअ
बकीहोंहींकहतसबकेजियकीजानतप्रभुप्रबीन ऐसेतोशोचहिंन्या
यनिठुरनायकरतथलमखगकुरंगकमलमीन करुणानिधानकोतो
ज्योंज्योंतनुक्षीणभयोत्योंत्योंमनभयोतेरेप्रेमपीन सियकोसनेहर
घुबरकीदशासुमिरिपवनपूतदेख्योप्रीतिलीन तुलसीजनकोजन
निहिंप्रबोधकियोसमुझितातजगबिधिआधीन२२७ रागजयतिश्री॥
कहौकपिकबरघुनाथकृपाकरिहैंहरिहैंनिजबियोगसम्भवदुख रा
जिवनैनमैनअनेकछबिरबिकुलकुमुदसुखदमयङ्कमुखबिरहअनल
सहाय समीरनिजतनजरिबेकहँरहीनकछुशक अतिबलजलबर्षत
द्वौलोचनदिनअरुरयनरहतएकहिंतकसुदृढ़ज्ञानअवलंबबसुनहुसु
तराखतिप्राणबिचारिदहनमतिसगुणरूपलीलाबिलाससुखसुमि
रणकरतरहतअनंतगतिसुनहनुमंतअनंतकंतकरुणासुभावसुशील
कोमलअतितुलसिदासयहिआशजानिजियबरुदुखसहौंप्रगटनक
हिसकति२२८॥ रागकेदारा ॥ कबहुंकपिराघवआवहिंगे मेरेनयन
चकोरप्रीतिबशराकाशशिमुखदिखरावहिंगे मधुपमरालमोरचात
कश्चैलोचनबहुप्रकारधावहिंगे अंगअंगछबिभिन्नभिन्नमुखनिरखि
निरखिजहँतहँछावहिंगे बिरहअग्निजरिरहीलताज्योंकृपादृष्टि
जलपलुहावहिंगेनिजबियोगदुखजानिदयानिधिमधुरबचनकहि
समुझावहिंगेलोकपालसुरनागमनुजसबपरेबन्दिकबमुकतावहिं
गेरावणबधरघुनाथबिमलयशनारदादिमुनिजनगावहिंगे यहअ
भिलाषरयनदिनमेरोराजबिभीषणकबपावहिंगे तुलसिदासप्रभु
मोहजनितभ्रमभेदबुद्धिकबबिसरावहिंगे २२६ सत्यबचनसुनु
मातुजानकी जनकेदुखरघुनाथदुखितअतिसहजप्रकृतिकरुणानि

धानकी तवबियोगसम्भवदारुणदुषबिसरिगईमहिमासुबानकी
नतकहुकहँरघुपतिशायकरबितमअनीककहँयातुधानकी कहँहम
पशुशाखामृगचञ्चलबातकहौंगोबिद्यमानकी कहँहरिशिवअजपुं
जज्ञानघननहिंबिसरतिवहलगनिकानकीतवदरशनसन्देशसुनि
हरिकोबहुतभईअवलम्बप्राणकी तुलसिदासगुणसुमिरिरामके
प्रेममगननहिंसुधिअपानकी २३० ॥ रागकेदारा ॥ रावणजोपैरा
मरणरोषे कोसहिसकैसुरासुरसमरथबिशिषकालदशननितेचोषे
तपबलभुजबलकैसनेहबलशिवबिरञ्चिनीकीबिधितोषे सोफलरा
जसमाजसुवनजनआपननाशआपुनेपोषे तुलापिनाकसाहुनृपत्रि
भुवनभटबटोरसबकेबलजोखे परशुरामसेशूरशिरोमणिपलमेंभये
खेतकेओखे कालिहकीबातबालिकीसुधिकरिसमुझहिंताहितखो
लिझरोखे कहौंकुमंत्रिनकोनमानियेबड़ीहानिजियजानित्रिदोषे
जासुप्रसादजन्मिजगपुरुषनिसागरसूनेखनेअरुशोषे तुलसिदा
ससोस्वामिनसूझ्योनयनबीसमन्दिरकेसेमोखे २३१ ॥ रागमारू ॥
जोहोंप्रभुआयसुलैचलतौ तोयहिरिसज्यहिसहितदशाननयातु
धानदलदलतौ रावणसोंरसराजसुभटरससहितलङ्कखलखलतौ
करिपुटपाकनाथनायकहितघनेघनेघरघलतौ बड़ेसमाजलाजभा
जनभयोबड़ोकाजबिनुकुलतौ लङ्कनाथरघुनाथबयरतरुआजुफै
लिफुलिफलतौ कालकर्मदिकपालसकलजगजालजासुकरतलतौ
तारिपुसोंपरभूमिरारिरणजीवनमरणसुथलतौ देखौमैंदशकंठस
भासबमोतेकोउनसबलतौ तुलसीअरिउरआनिएकअबएतीगला
निनलगतौ २३२ तौलोंमातुआपुनीकेरहिबो जौलौंहौंल्यावोंरघु
बीरहिदिनद्वैऔरदुसहदुखसाहिबो सोखिखेतकेबांधिसेतुकरिउ
तरिधौंउदधिनबोहितचाहिबो प्रबलदनुजदलदलितपलआधमें
जीवतदुरितदशाननगहिबो बैरिवृंदबिधवांबनितनिकोदेखिबो
बारिबिलोचनचहिबो सानुजसेनसमेतस्वामिपदनिरखिपरममुद

मंगललहिबो लङ्कदाहउरआनिमानिबोसांचरामसेवककोकहिबो तुलसीप्रभुसुरसुयशगाइहैंमिटिहैंसबकोशोचदवदहिबो २२३ क पिकेचलतसियकोमनगहबरिआयो पुलकशिथिलभयोशरीरनीर नयननछायो कहनचह्योसन्देशनहिंकह्योपियकेजियकीजानिहृद यसुदुसहदुखरायो देखिदशाव्याकुलसुग्रीषमकेपथिकज्योंधरणि तरणितपायो मीचतेनीचलगीआमरताछ्लकोनवलकोथलनिरखि पुरुषप्रेमपायो कैप्रबोधमातप्रीतिसोंमनआशोशदीन्हींहैंहैतिहारो इभायोकरुणाकोपलाजभयभर्योकियोगौनमौनहीनचरणकमल शीशनायो यहसनेहसरबसुसमौतुलसीरसनारूखीताहितेपरत गायो २२४ ॥ रागबसन्त ॥ रघुपतिदेखोआयोआयोहनुमन्त लंके शनगरखेल्योबसन्त श्रीरामराजहितसुदिनसोधि साखीप्रबोधि लांघ्योपयोधि सियपांयपूजिआशिषापाय फलअमियसरिशखाये सुधाय काननदलिहोरोरचिबनाय हठितैलबसनबालधिबँधाय दियढोलचलेसँगलोगलागि बरजोरदईचहुंओरआगि अक्षतआ हुतिकियेयातुधान लखिलपटभभरिभागेबिमान नभतलकौतुक लङ्काबिलाय परिणामपथहिंपातकीपाय हनुमानहांकसुनिबर्षि फूलसुरबारबारबरणहिंलँगूलभरिभुवनसकलकल्याणधूमपुरजा रिबारिनिधिबारिलूम जानकीतोषिपोषेप्रताप जयपवनसुवन दलिदुअनदाप नाचहिंकूदहिंकपिकरिविनोद पिवतमधुमधुवन मगनमोद योंकहतलषणगहेपांयआय मणिसहितमुदितभेंट्यो उठाय लगेसेनसजलभयोहियहुलास जयजययशगावततुलसि दास २२५ ॥ रागजयतिश्री ॥ मनहुंरामबिश्रामधामहरिजनकसु ताअतिबिपतिसहति हैसौमित्रबन्धुकरुणानिधि मनमहँरटतिप्र गटहुनहिंकहति निजपदजलजबिलोकिशोकरननयननबारिरह तनएकक्षण मनहुंनीलनीरजशशिसम्भवरबिबियोगह्वौश्रवतसुधा कण बहुराक्षसासहिततरुकेतरतुम्हरेबिरहनिजजन्मबिगोवति

मनहुंदुष्टइंद्रियसङ्कटमहँबुधिबिबेकउदयमगजोवति सुनिकपिब चनबिचारिहृदयहरिअनपाइनीसदासोएकमन तुलसिदासदुख सुखातीतहरिशोचकरतमानहुंप्राकृतजन २३६ ॥ रागकेदार ॥ रघु कुलतिलकबियोगतिहारे मैंदेखीजबजाइजानकीमनहुंबिरहमूर तिमनमारे चित्रसेनयनअरुगढ़ेसचरणकरमटेसेश्रवणनहिंसुनत पुकारे रसनारटतिनामकरशिररुचिरहनितनिजपदकमलतिहारे दरशनआशलालसामनमहँराखेध्यानप्राणरखवारे तुलसिदास पूजतित्रिजटानीकेरावरेगुणगणसुमनसँवारे २३७ अतिहिंअ धिकदरशनकीआरति रामबियोगअशोकबिटपतरुसीयनिमेषक ल्पसमटारति बारबारबरबारिजलोचनभरिभरिबरतबारिउरढा रति मनहुंबिरहकेमद्यधायहियेलखितकितकिधरिधीरजतारति तुलसिदासयद्यपिनिशिबासरक्षणक्षणप्रभुमूरतिहिंनिहारति मि टतिनदुसहतापतरुतउकीयहबिचारिअन्तरगतिहारति २३८ तु म्हरेबिरहभईगतिजौन चितदैसुनहुंरामकरुणानिधिजानोंकछुपै सकोंकहिहौंन लोचननीरकृपणकेधनज्योंरहतनिरन्तरलोचनकौ न हाध्वनिखगीलाजपिँजरमहँराखिहियेवहबधिकहठौन ज्यहि बाटिकाबसतितहँखगमृगतजितजिभजेपुरातनभौन स्वाससमी रभेंटभइभोरेहुत्यहिमगुपगुनधर्योतिहुंपौन तुलसिदासप्रभुदशा सीयकीसुखकरिकहतहोतिअतिगौन दीजैदरशदूरिकीजैदुखहौ तुमआरतिआरतदौन २३६ कपिकेसुनिकलकोमलबैन प्रेमपु लकिसबगातशिथिलभयेभरेसलिलसरसीरुहनैन सियबियोग सागरनागरमनबूड़नलग्योसहितचितचैन लहीनावपवनजप्रस न्नताबर्ब्बसतहांगह्योगुणमैन सकतनबूझिकुशलबूझेबिनुगिराबि पुलब्याकुलउरऐन ज्योंकुलीनशुचिसुमतिबियोगिनिसंमुखसहै बिरहशरपैन धरिधरिबीरकोशलपतिकियेतत्वसबयउ तरुदैन तुलसिदासप्रभुसखाअनुजसोंसैनहिंकह्योचलहुसजिसैन २४०

रागमारू ॥ जबरघुबीरपयानोकीन्हों क्षुभितसिन्धुडगमगतमहीधर सजिशारँगकरलीन्हों सुनिकठोरटङ्कोरघोरअतिचौंकेविधित्रिपुरारि जटापटलतेचलीसुरसरीसकेनशम्भुसँभारि भयेबिकलदिकपालसकलभयभरेभुवनदशचारि खरभरलङ्कसशङ्कदशाननगर्भश्रवहिंअरिनारि कटकटातभटभालुबिकटमर्कटकरिकेहरिनाद कूदतकरिरघुनाथशपथउपरीउपराबिवाद गिरितरुधरनखमुखकरालरदबलहुकरतबिषाद चलेदशदिशिरिसभरिधरुधरुकहिकोबराकमनुजाद पवनपंगुपावकपतंगशशिदुरिगयेथकेबिमानयाचतसुरनिमेषसुरनायकनयनभारअकुलान गयेपूरिशिरधूरिभूरिभयअघथलजलधिसमान नभनिशानहनुमानहांकसुनिसमुझतकोउनअपान दिग्गजकमठकोलसहसाननधरतिधरगिनहिंधीर बारहिंबारअमर्षतकर्षतकरिकैंपरीशरीर चलीचमूचहुंओरशोरकछुबनैनबर्णतभीर किलकिलातकसमसतकोलाहलहोतनीरनिधितीर यातुधानपतिजानिकालबशमिलेबिभीषणआइ शरणागतपालककृपालुकियोतिलकलियोअपनाइ कौतुकहींबारिधिबँधाइउतरेसुबेलतटजाइ तुलसिदासगढ़देखिफिरेकपिप्रभुआगमनसुनाइ २४१ ॥ रागआसावरी ॥ आयेदूतदेखिसुनिशोचशठमनमें बाहिरबजावैंगालभालुकपिकालबशसोसेबीरशोचहतजीत्योयेरनमें रामछामलरिकालक्ष्मणबालिबालकहि घालिकोगणतऋक्षजलज्योंनघनमें काजकीनकपिराजकायरकपीसमाजमेरेअनुमानहनुमानहरिगनमें समयसयानीरानीमृदुबाणीकहैंपियपावकनहोहिंयातुधानबेणुबनमें तुलसीजानकीदियेस्वामीसोंसनेहकियेकुशलनतरुसबङ्कहैंहङ्कारक्षनमें २४२ आपनीआपनीभांतिसबकाहूकहीहैमन्दोदरीमहोदरमालवानमहामतिराजनीतिपहुंचजहांलौं जाकीरहीहै महामदअन्धदशकन्धनकरतकानमीचुवशनीचहठकुगहनिगहीहै हँसिकहैंसचिवसयानेनमोसोंकहतचहतमेरुउड़गणबड़ीब

यारबहीहै भालुनरबानरअहारनिश्चरनकोसोउनृपबालकनमां
गीधारिलहीहै देखोकालकौतुकपिपीलकनिपक्षलागेभागमेरेलो
गनिकेभईचित्तचहीहै तोसोंनत्रिलोकआजुसाहससमाजुसाजुम
हाराजआयसुभोजोईसोईसहीहै तुलसीप्रणामकैबिभीषणबिनी
तकहेख्यालबधेतालकपिकाललङ्कदहीहै २४३ दूसरोनदेखतसा
हिबसमरामे वेदऊपुराणकबिकोबिदबिरतरतजाकोयशसुनतगा
वतगुणग्रामे मायाजीवजगजालसुभावकरमकालसबकोशासकस
बमेंसचुजामे बिधिसेकरणहारहरिसेपालनहारहरसेहरणहारज
पहिंजाकेनामे सोईनरबेषजानिजनकीबिपत्तिमानिमानेानाथसो
ईजातेभलोपरिनामे सुभटशिरोमणिकुठारपाणिसारिषेहुँलखी
औलखाईइहांकियेशुभसामे बचनबिभूषणबिभीषणबचनसुनि
लागेदुखदूषणसेदाहिनेउबामे तुलसीहुमकिहियेहन्योलातभले
तातचल्योसुरतरुताकितजिघोरघामे २४४ जायमायपायँपरिक
थासोसुनाइहै समाधानुकरतबिभीषणकोबारबारकहाभयोतात
लातमारेबड़ेभाईहै साहिबपितुसमानयातुधानकेतिलकताकेअप
मानतेरीबड़ीयेबड़ाईहै गरतगलानिजानिसनमानिशिषदेतिरोष
कियेदोषसहेसमुझेभलाईहै इहांतेबिमुखभयेरामकीशरणगयेभ
लोनेकुलोकुराखेनिपटनिकाईहै मातपगशीशनाइतुलसीअशीष
पाइचलेभलेसगुनकहतमानभाईहै २४५ भाईकासोंकरौंउरोक
ठिनकुफेरे सुकृतसङ्कटपार्योजातगलानिननेगह्योकृपानिधिको
मिलौंपैमिलिकैकुबेरे जायगहेपांयधायधनदउठाइभेट्योसमाचार
पायशोचशोचतसुमेरे तहँइमिलेमहेशदियोहितउपदेशरामकीश
रणजाहिँसुदिननहेरे जाकोनामकुम्भजकलेशसिन्धुशोषिबेको
मेरोकह्योमानितातबांधैजानिबेरे तुलसीसुदिनचलेपायेहैंसगुन
भलेरङ्कलूटिबेकोमानोंमणिगणटेरे २४६ ॥ रागकेदारा ॥ शङ्करशेष
आशिषपाइकै चलेमनहिंमनकहतबिभीषणशीशमहेशहिंनाइकै

गयेशोचभयेसगुनसुमंगलदशदिशिदेतदेखाइकै सजलनयनसा
नन्दहृदयतनप्रेमपुलकिअधिकाइकै अन्तहुभाभलोभाईकोकियो
अनभलोमनाइकै भइकुबरेकीलातबिधातारखीबातबनाइकैनहिं
तोकोकुबेरघरमिलिहरहितकहतेचितलाइकै नोसुनिसगुणराम
तारोनिजबामताबिहाइकै अनायासअनुकूलशूलधरमगमुदमूल
जनाइकै कृपासिन्धुसनमानजानिजनदीनलियोअपनाइकै स्वा
रथपरमारथकरतलगतश्रमपथगयोसिराइकै सपनोकैसोदुखसु
खशशिसुरसींचतदेतनिसाइकै गुरुगौरीशसाईंसीतापतिहितहनु
मानहिजाइकैमिलिहौंमोहिं कहाकीबेअबअभिमतअवधिअघाइकै
मरतोंकहाजाइकोजानैलटिलालचीललाइकै तुलसिदासभजिहौं
रघुबीरहिअभयनिशानबजायकै २४७ पदपद्मगरीबनिवाजके दे
खिहौंजाइपायलोचनफलहितसुरसाधुसमाजकेगईबहोरिओरनि
र्बाहकसाजकबिगरेसाजके शबरीसुखदगृद्धगतिदायकशमनशोक
कपिराजके नाहिंनमोहिं औरकतहूंकछुजैसेकागजहाजके आयों
शरणसुखदपदपङ्कजचौथेरावणराजके आरतिहरणशरणसमरथ
सबदिनअपनेकीलाजके तुलसीपाहिकहतनतपालकमोसेनिपट
निकाजके२४८ महाराजरामपहँजाउँगो सुखस्वारथपरिहरिक
रिहौंस्वइज्योंसाहिबहिसोहाउँगो शरणागतसुनिबेगिबोलिहैं
हौंनिपटसकुचाउँगो रामगरीबनिवाजनिवाजिहैंजानिहैंठाकुरठा
उँगो धार्योहैनाथहाथमाथेयहितेक्यहिलाभअघाउंगो सपनो
सोअपनी कछूलखिलघुलालचनलोभाउँगो कहिहौंबलिसेटिहा
रावरोबिनमोलहीबिकाउँगो तुलसीपटउतरेओढ़िहौंउबरीजूठ
निखाउँगो २४९ आइसचिवबिभीषणकेकही कृपासिन्धुदशकन्ध
बन्धुलघुचरणशरणआयोसही विषमबिषादबारिनिधिबूड़तथाह
कपीशकथालही गयेदुखदोषदेखिपदपङ्कजअबनसाधएकौरही
शिथिलसनेहसराहतनखशिखनीकीनिकाईनिखही तुलसीमुदित

दूतभयेमनमेंअमियलाहुमांगतमही २५० बिनतीसुनिप्रभुमुदित भये ऋक्षराजकपिराजनीलनलबोलिबालिनन्दनलये बूझियक हारजाइपाइनयधर्म्मसहितउत्तरदये बलीबन्धुताकोबिमोहबश बैरबीजबरबशबये बांहपगारद्वारतेंतेरेसमयनकबहुंफिरिगये तु लसीअशरणस्वामिकेबिरदबिराजतनितनये २५१ हियबिहँसि कहतहनुमानसों सुमतिसाधुशुचिसुहृदबिभीषणबूझिपरतअनु मानसों होंबलिजाउँऔरकोजानैकहिकपिकृपानिधानसों छली नहोइस्वामीसन्मुखज्योंतिमिरशांतिहैभानुसों खोटोखरोसभीत पालियेसोसनेहसनमानसों तुलसीप्रभुकीवोजोभलोसोइबूझि शरासनवानसों २५२ ॥ रागकेदारा ॥ सांचेहुबिभीषणआइहै बूझतिबिहँसिकृपालुलषणसुनिकहतसकुचिशिरनाइहै ऐहैकहा नाथआयोहौंक्योंकहिजातबनाइहै रावणरिपुहिराखिरघुबरबि नुकोत्रिभुवनपतिपाइहै प्रभुप्रसन्नसबसभासराहतिदूतबचनम नभाइहै तुलसीबोलियेबेगिलषणसोभइमहाराजरजाइहै २५३ चलेलेनलक्षनहनुमानहैं मिलेमुदितबूझिकुशलपरस्परसकुचत करसनमानहैं भयोरजायसुपायधारियबोलतकृपानिधानहैं दू रितेदीनबन्धुदेखेजनदेतअभयबरदानहैं शीलसहसहिमवानते जशत कोटिभानहुकेभानुहैं भक्तनकोहितकोटिमातुपितुअरिन कोकोटिकृशानुहैं जनगुणरजगिरिगणसकुचतनिजगुणगिरित रपरबानहैं बांहपगारबोलकोअबिचलुवेदकहतगुणगानहैं चर चाचलतिबिभीषणकीस्वइसुनतसुचितदैकानहैं चारुचापतूणीर तामरसकरनसुधारतबानहैं हरषतसुरबर्षतप्रसूनशुभसगुणक हतकल्यानहैं तुलसीतेकृतकृत्यजेसुमिरतसमयसुभावनध्यानहैं २५४ रामैकरतप्रणामनिहारिकै उठेउमँगिआनंदप्रेमपरिपूरण बिरदबिचारिकै भयेबिदेहबिभीषणउतइतप्रभुअपनपोबिसारि कै भलीभांतिभावतेभरतज्योंभेट्योभुजापसारिकै सादरसबहिं

मिलाइसमाजहिंनिपटनिकटबैठारिकै बूझतकुशलक्षेमसप्रेमअ
पनाहभरोसोभारिकै नाथकुशलकल्याणसुमंगलबिधिमुखसक
लसुधारिकै देतलेतजेनामरावरोबिनयकरतमुखचारिकै जामूर
तिसपनेनबिलोकतमुनिमहेशमनमारिकै तुलसीतेहिहोंलियोंअं
गभरिकहतकछूनसँवारिकै २५५ करुणाकरकीकरुणाभईमि
टीमीचुलहिलङ्कशङ्कगइकाहूसोंनखुनिसखई दशमुखतज्योदूध
माक्षीज्योंआपुकाढ़िसाढ़ीलई भवभूषणसोइकियोबिभीषणमुद
मंगलमहिमामई बिधिहरिहरमुनिसिद्धसराहतमुदितदेवदुंदुभी
दई बारहिंबारसुमनबरषतहियहरषतकहिजयजयजई कौशिक
शिलाजनकसंकटहरभृगुपतिकीटारीटई खगमृगसबरनिशाचर
सबकीपूजीबिनुबाढ़ीसई युगयुगकोटिकोटिकरतबमितकरणीन
कछुबरणीनई रामभजनमहिमाहुलसीहियतुलसीहूकीबनिगई
२५६ मंजुलमूरतिमंगलमई भयोबिलोकिबिशोकबिभीषणनेह
देहसुधिसीनगई उठिदाहिनीओरतेसन्मुखसुखदमांगिबैठकलई
नखशिखनिरखिनिरखिसुखपावतभावतकछुकछुअभई बारकोटि
शिरकाटिसाटिलटिरावणशंकरपैलई सोइलेकालषिअतिथिअन
वसररामतृणाश्रमज्योंदई प्रीतिप्रतीतिरीतिशोभासरिथाहतजहँ
तहँथई बाहुवलीबानैतबोलकोबीरबिश्वबिजईनई कोदयालुदू
सरोदुनीज्यहिंजरनिदीनहियकीहई तुलसीकाकोनामजपतजग
जगतीजामतिबिनुबई २५७ सबभांतिबिभीषणकीबनी कियो
अभयकालहुंतेगईसंसृतिसासतिघनी सखालषणहनुमानशंभुगु
रुधनीराम कोशलधनी हियहिओरओरकीन्हीबिधिरामकृपाओ
रेठनी कलुषकलङ्ककलेशकोशभयोजोपदपाईरावणरनी सोई
पदपाइबिभीषणभोभवभूषणदलदूषणअनी बांहपगारउदारशि
रोमणिप्रतिपालकपावनपनी सुमनबरषिरघुबरगुण बरणतहर
षिदेवदुन्दुभीहनी रङ्कनिबाजरङ्कराजाकियेगयेगर्बगिरिगिरिग

नी रामप्रणाममहामहिमाकरसकलसुमंगलमणिजनी **होइभलो** ऐसेहिअजहूंगयरामशरणपरिहरिमनी भुजाउठाइसाक्षिशंकर **करिकसमखाइतुलसीभनी २५८ कहोक्योंनबिभीषणकीबनै** गयोछांड़िछलशरणरामकीजोफलचारिचार्योजनै मंगलमूलप्र णामजासुजगमूलअमंगलकेखनै तेहिरघुनाथहाथमाथेदियोको ताकीमहिमाभनै नामप्रतापपतितपावनकियजेनआपनेअघनअनै **कोउउलटोकोउसूधोजपिभयेहंसवायसतनै हुतोललातकृशगात** खातखरिभोदपाइकोदोकनै सोतुलसीचातकभतोयाचतरामश्याम सुन्दरघनै २५९ अतिभागविभीषणकेभले एकप्रणामप्रसन्नराम भयेदुरितदोषदारिददले रावणकुम्भकरणबरमांगतशिवविरंचि वाचाछले रामदरशपायोअबिचलपदसुदिनसगुणनीकेचले मि लनिविलोकिस्वामिसेवककीउकठेतरुफूलेफले तुलसीसुनिसन्मा नबन्धुकोदशकन्धरहँसिहियजले २६०गयेरामशरणसबकोभलो गनीगरीबबड़ोछोटोबुधमूढ़हीनबलअतिबलो पंगुअन्धनिर्गुणीनि सम्बलजोनलहैंयाचेचलो सोनिबह्योंनीकेजोजनमिजगरामराज मारगचलो रामप्रतापदिवाकरकरतेंगरततुहिनज्योंकलिमलो सु **तहितनामलेतभवनिधितरिगयोअजामिलसोंखलो प्रभुपदप्रेमप्र णामकामतरुसचविभीषणकोफलो तुलसीसुमिरतनामसबनकोमं** गलमयनभजलथलो २६१ सुयशसुनिश्रवणहोंनाथआयोंशरण उपलकेवटगृद्धसवरीससूतिशमन शोकश्रमसींवसुग्रीवआरतिहर ण रामराजीवलोचनविमोचनविपतिश्यामनवतामरसदामबारि दबरण लसतजटाजूटशिरचारुमणिचीरकटिधीररघुबीरतूणीरश रधनुधरण यातुधानेशभ्रातविभीषणनामबन्धुअपमानगुरुग्ला निचाहतगरण पतितपावनप्रणतपालकरुणासिन्धुराखियेशरण सौमित्रसेवितबरण दीनताप्रीतिसंकुलितमृदुबचनसुनिपुलकत नप्रेमजलनयनलागेभरण बोलिलंकेशकहिअंकभरिभेटिप्रभुति

लकदियोदीनदुखदोषदारिद्दरण रातिचरजातिआसरसबभां तिगतकियोकल्याणभाजनसुमंगलकरण दासतुलसीसदयहृद-यरघुबंशमणिपाहिकहेकाहिनकीन्होनतरण २६२ दीनहितबि रदपुराणनगायो आरतबंधुकृपालुमृदुलचितजा निशरणहोंआयो तवरिपुकोहौंअनुजविभीषणवंशनिशाचरजायो सुनिगुणशीलसु भावनाथकोमैंचरणनचितलायो जानतप्रभुदुखसुखदासनिको तातेकहिनसुनायो करिकरुणाभरिनयनबिलोकहुतबजानोआप नायो बचनबिनीतसुनतरघुनायकहँसिकरिनिकटबुलायो भेट्यो हरिभरिअंकभरतज्योंलंकापतिमनभायो करपंकजशिरपरसिआ भयकियोजनपरहेतुदेखायो तुलसिदासरघुबीरभजनकरिकोनप रमपदपायो २६३ ॥ रागधनाश्री ॥ सत्यकहौंमरोसहजसुभाउ सुन हुसखाकपिपतिलकापतितुममोकोनदुराउ सबबिधिहीनदीनआ तिजड़मतिजाकोकतहुंनठाउ आयेशरणभजोंनतजोंत्यहियहजान तऋषिराउ तिनकेहोंहितसबप्रकारचितनाहिँनऔरउपाउ तिन हिंलागिधरिदेहकरौंसबडरोंनसुयशनशाउ पुनिपुनिभुजाउठाइ कहतहौंसकलसभापतिआउ नाहंनकोउप्रियमोहिंदाससमकप टप्रीतिबहिजाउसुनिरघुपतिकेबचनविभीषणप्रेममगनमनचाउतु लसिदासतजिआशत्राशसबऐसेप्रभुकहँगाउ २६४ नाहिँनभजि बेयोगबियोश्रीरघुबीरसमानआनको पूरणकृपाहियोकहहुकोनसु रशिलातारिपुनिकेवटमीतकियो कौनेगृद्धअधमकोपितुज्योंनिज करपिण्डदियो कोनदेवसेवरीकेफलकरिभोजनसलिलपियो बा लत्रासबारिधिबूड़तकपिक्यहिगहिबांहलियो भजनप्रभावबिभी षणभाष्योसुनिकपिकपटजियो तुलसिदासकोपतिकोशलपति सबप्रकारबरयो २६५ रागजयतिश्री ॥ कबदेखोंगीनयनवहमधुरमू रति राजीवदलनयनकोमलकृपाअयनमयननिवहछबिअंगनिदू रति शिरसिजटाकलापपाणिशायकचापउरसिरुचिरबनमाललू

रति तुलसिदासरघुबीरकीशोभासुमिरिभईहैमगननहितनुकीसू
रति २६६ ॥ रागकेदारा॥ कहुकबहुंदेखिहौंआलीहौंआरजसुवन
सानुजसुभगतनजबतेंबिछुरेबनतबतेंदवसीलागीतीनिहुंभुवन मू
रतिसूरतिकियेप्रगटप्रियतमहियेमनकेकरनचाहैंचरणछुवन चि
तबढ़िमोबियोगदशाकहिबेयोगपुलकगातलागेलोचनचुवन तुल
सीत्रिजटाजानिसीयअतिअकुलानी मृदुबानीकह्योऐहैंदवनदुवन
तमीचरतमहारी सुरकुंजसुखकारी रविकुलरविअब चाहतउवन
२६७ अबलौंमैंतोसोंनकहेरी सुनित्रिजटाप्रियप्राणनाथबिनुबा
सरनिशिदुखदुसहसहेरी विरहबिषमबिषबेलिबढ़ीउरसुखसक
लसुभायदहेरी सोइसींचिबेलागिमनसिजकेरहटनयननितरहत
नहेरी सरशरीरसुखप्राणबारिचरजिवनआशतजिचलनचहेरी ते
प्रभुसुयशसुधाशीतलकरिराखेतदपिनतृप्तिलहेरी रिपुरिसघो
रनदाबिबेकबलधीरसहितहुजातबहेरीदैमुद्रिकाटेकित्यहिअवस
रशुचिसमीरसुतपैरिगहेरीतुलसिदाससबशोचपोचमृगमनकान
नभरिपूरिरहेरी अबसखिसियसन्देहपरिहरुहियआइगयेद्वौबी
रअहेरी२६८ ॥रागबिलावल॥ सोदिनसोनेकोकहुकबऐहै जादिन
बँध्योसिन्धुत्रिजटासोंतूसम्भ्रममोहिंआनिसुनैह बिश्वदेवनसुर
साधुसतावनरावणकियोआपनोपैहै कनकपुरीभयोभूपबिभीषण
बिबुधसमाजबिलोकनधैहै दिविदुन्दुभीप्रशंसिहैंमुनिगणनभत
लबिमलबिमाननिछैहैं परखिहैकुसुमभानुकुलमणिपरतबमोहिंप
वनपूतलैजैहै अनुजसहितशोभिहैकपिनमहँतनुछबिकोटिमनोज
हितहै इननयननयेभांतिप्राणपतिनिरखिहृदयआनन्दसमैहै बहु
रोसदलसनाथसलक्षणकुशलकुशलबिधिअवधदेखैहै गुरुपुरलो
गसासुद्वौदेवरमिलतदुसहउततपतबितैहै मंगलकलशबधावनघ
रघरपैहैमांगनजोज्यहिभैहै विजयरामराजाधिराजकोतुलसिदा
सपावनयशगैहै २६९ सियजियधीरजधरियराघवअबऐहैं पव

नपूतपहँपाइजोरिसुधिसहजकृपालबिलम्बनलेहैं सेनसाजिक पिभालुकालसमकौतुकहीपाथोधिबँधैहैं घेरोईदेखिबोलङ्कगढ़बि कलयातुधानीपछितैहैं निश्चरसलभकृशानुरामशरउड़िउड़िपर तजरतजड़जैहैं रावणकरिपरिवारअगमनोयमपुरजातुबहुतसकु चैहैं तिलकसारिअपनाइबिभीषणअभयबाहुदैअमरबसहैं जयधु निमुनिबर्षिहैं सुमनसुरव्योमबिमाननिशानबजैहैं बन्धुसमेतप्रा णबल्लभपदपरशिसकलपरितापनशहैं रामबामदिशिदेखितुमहिं सबनयनवन्तलोचनफलपैहैं तुमअतिहितचितइहोनाथतनुबारबा रप्रभुतुमहिंचितैहैंयहशोभासुखसमयबिलोकतकाहूतोपलकैनहिं लैहैं कपिकुललषणसबशजयजानकिसहितकुशलनजनगरबसैहैं प्रेमपुलकिआनन्दमगनमनतुलसिदासकलकीरतिगैहैं २७० ॥

इतिश्रीरामगीतावल्यांसुन्दरकाण्डस्समाप्तः ५ ॥

अथलङ्काकाण्डप्रारम्भः ॥

रागमारू ॥ मानुअजहुंशिखपरिहरिक्रोध पियपूरोआयोतुकाहि कहुकरिरघुबीरबिरोध ज्यहिताड़कासुबाहुमारिमखराखिजनायो आपु कौतुकहीमारीचमीचमिसप्रगट्योबिशिथप्रतापु सकलभूप बलगर्वसहिततोर्योकठोरशिवचापु ब्याहीज्यहिजानकीजीतिज गहर्योपरशुधरदापु कपटकाकसासतिप्रसादकरिबिनुश्रमबध्यो बिराधु खरदूषणत्रिशिराकबन्धहितकियेसुखीसुरसाधु एकहि बाणबालिमार्योज्यहिजोबलउदधिअगाधु कहुधौंकन्तकुशलबी तीक्यहिकियेरामअपराधुलांघिनसकेलोकबिजयीतुमजासुअनुज कृतरिपु उतरिसिन्धुजार्योप्रचारिपुरजाकेदूतबिशेषु कृपासिन्धु खलबनकृशानुसमयशगावतश्रुतिशषु सोइबिरदैतबीरकोशलप तिनाथसमुझिजियदेखु मुनिपुलस्त्यकेयशमयङ्कमहँकतकलङ्कह ठिहोहि औरप्रकारउबारनहींकहुमैंदेख्योंजगटोहि चलुमिलिबे गिकुशलसादरसियसहितअग्रकरिमोहिं तुलसिदासप्रभुशरणश

ब्दसुनिअभयकरैंगेतोहिं २७१ ॥ रागकान्हरो ॥ तूदशकण्ठभलेकुल जायो गामहूशिवसेवाविरञ्चिवरभुजबलबिपुलजगतयशपायो ख रदूषणत्रिशिराकबन्धरिपुज्यहिबालीयमलोकपठायो ताकोदूत पुनीतचरितहरिशुभसन्देशकरणहोंआयो श्रीमदनृपअभिमान मोहबशजानतअनजानतहरिल्यायो तजिब्यलीकभजिकारुणीक प्रभुदैजानकिहिसुनिहिसमुझायो वातेतवहितहोहिकुशलकुलअ चलराजचलिहैनचलायो नाहितरामप्रतापअनलमहँकैपतंगपरि हैशठधायो यद्यपिअंगदनीतिपरमहित कह्योतथापिनकछुमन भायो तुलसिदाससुनिबचनक्रोधअति पावकजरतमनहुंघृतना यो २७२ तैंमेरोमर्म्मकछुकनहिंपायो रेकपिकुटिलढीठपशुपां वरमोहिंदासज्योंडाटनआयो भ्राताकुम्भकरणरिपुघातक सुतसु रपतिहिबांधकरिल्यायो निजभुजबलअतिअतुलकहोंक्योंकन्दुक ज्योंकैलासउठायो सुरनरअसुरनागखगकिन्नरसकलकरतमेरो मनभायो निश्चररुचिरअहारमनुजतनुजाकोयशखलमोहिंसुना यो कहाभयोबानरसहायमिलिकरिउपायजोसिन्धुबँधायो जात रिहैभुजबीसघोरनिधिऐसोकोत्रिभुवनमेंजायो सुनिदशशीशबच नकपिकुंजरबिहँसिईशमायहिशिरनायो तुलसिदासलङ्केशकाल बशगनतनकोटियतनसमुझायो २७३ सुनखलमैंतोहिंबहुत बुझायो येतेमानशठमोहबशजानतहूंचाहतबिषखायो जगतबि दितअतिबीरबलजानतहौंकिधौंअबबिसरायो बिनुप्रयाससोउ हत्योएकशरशरणागतपरप्रेमदेखायो पावहुगेनिजकर्म्मजनित फलभलेठौरहठिबैरबढ़ायो बानरभालुचपेटनमारततबङ्कैहैपछि तायो हौंहींदशनतोरिबेलायककहाकरौंजोनआयसुपायो अब रघुबीरबाणबिदलितउर सोवहिगोरणभूमिसुहायो अबिचल राजबिभीषणकोसबज्यहिरघुनाथचरणचितलायो तुलसिदास यहिभांतिबचनकहिगर्जतचल्योबालिनृपजायो २७४ ॥ रागकेदारा

रामलषणउरलाइलयेहैं भरेनीररराजीवनयनसबअंगअंगपरिता
पतयेहैं कहतसशोकविलोकिबन्धुमुखबचनप्रीतिगृथयेहैं सेवक
सखाभक्तिभायपगुणचाहतअबअथयेहैं निजकीरतिकरतूतितात
तुमसुकृतीसकलजयेहैं मैंतुमबिनुतनुराखिलोकअपनेअवलोकल
येहैं मरेप्रणकीलाजइहांलोंहठिप्रियप्राणदयेहैं लागतसांगबिभी
षणहींपरसीपरआपुभयेहैं सुनिप्रभुबचनभालुकपिगणसुरशोच
सुखायगयेहैं तुलसोआयपवनसुतनिधिमनोंकरिनिरमयेनयेहैं
२७५ ॥ रागसोरठ ॥ मोपैतोनकछूकैआई औरनिबाहिभलीबिधि
भायपचल्योलषणमोभाई परपितुमातुसकलसुखपरिहरिज्यहि
बनबिपतिबटाई तासँगहौंसुरलाकशाकतजिसक्योनप्राणरटाई
जानतहौंयाउरकठोरतेकुलिशकठिनतापाई सुमिरिसनेहसुमित्रा
सुतकोदरकिदरारनजाई तातमरणतियहरणगृद्धबधभुजदाहिनी
गँवाई तुलसोमैंसबभांतिआपनेकुलहिकालिमालाई २७६ मेरो
सबपुरपारथथाको बिपतिबढ़ावनबन्धुबाहुबिनुकरोंभरोसोकाको
सुनुसुग्रीवसांचेहूमोंपरफेरयोबदनबिधाता ऐससमयसमरसङ्कट
हौंतज्योंलषणसेभ्राता गिरिकाननजेहैंशाखामृगहौंपुनिअनुजसँ
घाती कैहैकहा बिभीषणकीगतिरह्योशोचभरिछाती तुलसोसुनि
प्रभुबचनभालुकपिसकलबिकलहियहारे जामवन्तहनुमन्तबोलि
तबअवसरजानिप्रचारे२७७ ॥ रागमारू ॥ जोहौंअबअनुशासनपा
वों तोचन्द्रमहिंनिचोरिचेलज्योंआनिसुधाशिरनावों कैपातालद
लोंब्यालावलिअमृतकुण्डमहिल्यावों भेदिभुवनकरिभानुबाहि
रोतुरतराहुदैतावों बिबुधबैद्यबर्वशआनोंधरितोप्रभुअनुगकहावों
पटकों मीचुनीचमूपकज्योंसबहिकोपापबहावोंतुम्हरेहिकृपाप्रता
पनिहारेहिनेकुविलम्बनलावों दीजैसोइआयसुतुलसीप्रभुज्यहि
तुम्हरेमनभावों २७८ सुनिहनुमन्तवचनरघुबीर सत्यसमीरसु
वनसबलायककह्योरामधरिधीर चाहियबैद्यईशआयसुधरिशीश

कीशबलऐन आन्योसदनसहितसोवतहीजौलौंपलकपरैन जियें
कुंवरनिशिमिलैमूलिकाकीन्हीबिनयसुखैन उठ्योकपीशसुमिरि
सीतापतिचल्योसजीवनलैन कालनेमिदलिबेगिबिलोक्योद्रो
णाचलजियजानि देखीदिव्यऔषधीजहँतहँजरीनपरिपहिंचानि
लियोउठायकंधरकन्दुकज्योंबेगिनजाइबखानि ज्योंधायेगजराज
उधारणसपदिसुदरशनपानि आनिपहारजोहारप्रभुकियोबैद्यरा
जउपचार करुणासिन्धुबन्धुउठिभेंट्योमिट्योसकलदुखभार मु
दितभालुकपिकटकलह्याजनुसमरपयोनिधिपार बहुरिठौरहीरा
खिमहीधरआयोपवनकुमार सेनसहितसेवकहिसराहतपुनिपु
निरामसुजान बरषिसुमनहियहरषिप्रशंसतबिबुधबजाइनिशान
तुलसिदाससुधिपायनिशाचरभयोमनहुंबिनुप्रान परीभोरहीरा
रिलङ्कगढ़दइहांकहनुमान २७६ ॥ रागकदारा ॥ कौतुकहीकपिक
न्धरलियोहै चल्योनभनाइमाथरघुनाथहिसरिसनबगिबियोहैदे
ख्योजातजानिनिश्चरबिनुकरशरहन्योहियोहै परयोकहिरामप
वनराख्योगिरिपुरत्यहितंजपियोहै जाइभरतभरिअङ्कभेंटिनिज
जीवनदान दियोहै दुखलघुलषणमरमघायलसुनिसुखबड़ोकीश
जियोहै आयसुइतस्वामिसङ्कटउतपरतनकळूकियोहै तुलसिदा
सबिहर्योआकाशसोंकैसेकजातसियोहै २८० भरतशत्रुसूदनबि
लोकिकपिचकितभयोहै रामलषणरणजोतिअवधआयेकैधोंमाहिं
भ्रमकैधोंकाहूकपटठयोहै प्रेमपुलकिपहिंचानिजानिकैपदपद्मनि
योहै कह्योनपरतज्यहिभांतिदुहुभाइनसनेहसोंसोउरलाइलयोहै
समाचारकपिगहरुभोत्यहितापतयोहै कुधरसहितचढ्योबिशिख
बेगिपठवोंसुनिहरिहियगर्बगूढ़पयोहै तीरतेउतरियशकह्योचहैगु
णगणनिजयाहै धन्यभरतधन्यभरतभयोगमनमौनरह्योमनअनु-
रागरयोहै यहजलबिधिखन्योमथ्योलँघ्योबँध्योअचयोहै तुलसि
दासरघुबीरबन्धुमहिमाकोसिन्धुतरिकोकपिपारगयोहै२८१ हो

तोनहिंजोजगतजननमभरतको तोकपिकहतकृपाणधारमगचलि आचरतबरतको धीरजधर्म्मधरणिधरधरहुंतेगुरुधुरुधरणिधरत को सबसद्गुणसन्मानिआनिउरअघओगुणनिदरतको शिवहुन सुगमसनेहरामपदसुजननसुलभकरतको सजिनिजयशसुरतरु तुलसीकहुंअभिमतफरनिफरतको २८२ सुनिरणघायलललषण परेहैं स्वामिकाजसंग्रामसुभटसोंलोहेललकारिलरेहैं सुक्नशोक सन्तोषसुमित्रहिरघुप्रतिभक्तिबरेहैं क्षणक्षणगातसुखातक्षणहिक्ष णहुलसतहोतहरेहैं कपिसोंकहतसुभायअम्बकेअम्बकअम्बुभरेहैं रघुनन्दनबिनबन्धुकआसरयद्यपिधनुदुसरेहैं तातजाहुकोपसंम रिपुसूदनउठिकरजोरिखरेहैं प्रमुदितपुलकिपैंतपूरेजनुबिधिबश सुढरढरेहैं अम्बअनुजगतिलखिपवनजभरतादिगलानिगरेहैं तु लसीसबसमुझाइमातत्यहिसमयसचेतकरेहैं २८३ बिनयसुनाय बीरपरिपाय कहोकाहकपीशशुचिसुमतिसुहृदसुभाय स्वामिस ङ्कटहेतुहोंजड़जननिजनम्योजाय समोपायकहायसेवकघट्योतो नसहाय कहतशिथिलसनेहभोजनुधीरघायलघाय भरतगतिल खिमातसबरहिज्योंगुड़ीबिनबाय भेंटहिंकहिबोकह्योयोंकठिनसा नसमाय लाललोनेलषणसहितसुलल्तिलागतनाय देखिबन्धु सनेहअम्बसुभाउलषणकुठाय तपतितुलसीतरणित्रासकुयहिन येतिहुताय २८४ हृदयघाउमेरेपीररघुबीरे पाइसचिवानिजागि कहतियोंप्रेमपुलकिबिसरेशरीरे मोहिकहापूछतपुनिपुनिजैसेपा ठअरथचरचाकीरे शोभासुखछबिलाहुभूपकहँकेवलकान्तिमोलही रे तुलसीसुनिसौमित्रबचनसबधरिनसकतधीरोधीरे उपमाराम लषणकोप्रीतिकीक्योंदीजेक्षीरेनीरे २८५ ॥ रागकान्हरा ॥ राजत रामकामशतसुंदर रिपुरणजीतिअनुजसँगशोभितफेरतचापबिशि खबनरुहकर श्यामशरीररुचिरश्रमसीकरशोणितकरबिचबीचम नोहर जनुखद्योतनिकरहरहितगुणभ्राजतमरकतशैलशिखरपर

घायलबीरबिराजतचहुंदिशिहरषितसकलऋक्षअरुबनचर कुसु
मितकिंशुकतरुसमूहमहँतरुणतमालबिशालबिटपवर राजिवन
यनबिलोकिकृपाकरिकियेअभयमुनिनागबिबुधवर तुलसिदास
यहरूपअनूपमहदसरोजबसिदुसहबिपतिहर २८६॥ रागआसावरी
अवधिआजुकिधौंओरोदिनह्वैहै चढ़िधवरहरबिलोकिदक्षिणदि
शिबूझधौंपथिककहतिआवैवैहैं बहुरिबिचारिहारिहियशोचतपु
लकगातलोगेलोचनचैहै निजबासरनिबरषपुरवैगोबिधिमेरेतहँ
करमकठिनकृतकैहै बनरघुबीरमातुगृहजीवतिनिलजप्राणसुनि
सुखलैवैहै तुलसिदासमोसोंकठोरचित कुलिशशालभंजीकोह्वैहै
२८७ आलीअबरामलषणकितह्वैहैं चित्रकूटतज्योतबतेनलहीसु
धिबधूसमेतकुशलसुतह्वैहैं बारिबयारिबिषमआतपसहिबिनबस
नभूमितलस्वैहैं कंदमूलफलफूलअशनबनभोजनसहितमिलतक
सवहैं जिनहिंबिलोकिशोचिहैंलताद्रुमखगमृगमुनिलोचनजलछै
हैं तुलसिदासजिनकीजननीहोंमोसोनिठुरऔरकहुंकैहैं २८८॥
रागसोरठ ॥ बैठीसगुणबिचारतिमाता कबएहैंमेरेबालकुशलघरक
हहुकाकफुरिबाता दूधभातकीदोनीदैहौंसोनेचोंचमढ़ैहौं जबसिय
सहितबिलोकिनयनभरिरामलषणउरलैहौंअवधिसमीपजानिज
ननीजियअतिआतुरअकुलानी गणकबुलायपाइपरिपूछतिप्रेमम
गनमृदुबानीत्यहिअवसरकोउभरतनिकटतेसमाचारलैआयोप्रभु
आगमनसुनततुलसीमानोंमीनमरतजलपायो २८६॥ रागगौरी॥
क्षेमकरीबलिबोलिसुबाणी कुशलक्षेमसियरामलषणकबएहैंअव
धअवधरजधानीशशिमुखकुंकुमबरणिसुलोचनिमोचनि शोचनिवे
दबखानी देविदयाकरिदेहिदरशफलजोरिपाणिबिनवहिंसबरा
नीसुनिसनेहमयबचननिकटह्वैमंजुलमंडलकैमड़रानी मंगलआ
नँदगगनधुनिअकनिअकनिउरजरनिजुड़ानी फरकनलगेसुअंग
बिदिशिदिशिमनप्रसन्नदुखदशासिरानो करहिंप्रणामसप्रेमपुल

कितनुमानिबिबिधिबलिसगुणसयानी त्यहिअवसरहनुमानभर
तसोंकहीसकलकल्याणकहानी तुलसिदाससोइचाहसिजोबनि
बिषमबियोगबिथाबड़िभानी २६० ॥ रागधनाश्री ॥ सुनियतशाग
रसेतुबँधायोकोशलपतिकीकुशलसकलसुधिकोउएकदूतभरतपहँ
ल्यायो बध्योबिराधत्रिशिराखरदूषणसूर्पनखाकोरूपनशायो ह
तिकबंधुबलअंधुबालिदलिकृपासिन्धुसुग्रीवबसायो शरणागत
अपनाइबिभीषणरावणसकुलसमूलबहायो बिबुधसमाननिवाजि
बाहुदैबंदिछोरबरबिरदबहायो एकएकसोंसमाचारसुनिनगर
लोगजहँतहँउठिधायो घनधुनिअकनिमुदितमयूरज्यौंबूड़तजल-
धिपारसोंपायो अवधि आजुयोंकहतपरस्परबेगिबिमाननिकटपुर
आयो उतरिअनुजअनुगनिसमेतप्रभुगुरुद्विजगणचरणनशिरना
यो जोज्यहियोंगरामत्यहितिहिंमालसबकेमनअतिमोदबढ़ायो
भेंटिभरतभरतानुजक्योंकहांप्रेमअमितअनमायो ताहीदिनमुनि
वृन्दअनन्दिततुरततिलककोसाजसजायो महाराजरघुबंशनाथ
कोसादरतुलसिदासगुणगायो २६१ ॥ रागजयश्री ॥ रणजीति
रामराउआये सानुजसदलससीयकुशलसबआजुअवधआनन्द
बधाये अरिपुरजारिउजारिमारिखलबिबुधसकलसुखबासबसा
ये धरणिधेनुमहिदेवसाधुसबकेसबशोचनशाये दईलङ्कशिरथपे
बिभीषणबचनपियूषपियाये सुधासींचिकपिकृपानगरनरनारि
निहारिजियाये मिलिगुरुबन्धुमातुजनपरिजनभयेसकलमनभा
ये दरशहरषदशचारबरषकेदुखपलमेंबिसराये बोलिसचिवशु
चिसोधिसुदिनसुनिमंगलसाजसजाये महाराजअभिषेकबरषि
सुरसुमननिशानबजाये लैलैभेंटनृपअहिपलोकपतिअतिसनेह
शिरनाये पूजिप्रीतिपहिचानिरामआदरेअधिकअपनाये दान
मानसनमानिजानिरुचियाचकजनपहिराये गयेशोकसरसूखि
मोदसरितासमुद्रगहिरायेप्रभुप्रतापरबिरहितअमंगलअघउलूक

तमनाये कियोबिशोकहितकोककोकनदलोकसुयशशुभछाये राम राजकुलिकाजसुमंगलसबनिसबैसुखपाये देहिंअशीषभूमिसुरप्रमुदितप्रजाप्रमोदबढ़ाये आश्रमधर्म्मबिभागबेदपथपावनलोगचलाये धर्म्मनिरतसियरामचरणरतमनहुंरामसियजाये कामधेनुमहिबिटपकामतरुकोउबिधिबामनलाये तेतबअबतुलसीतेउजिनहितसहितरामगुणगाये २६२ ॥ रागटोड़ी ॥ आजुअवधआनन्दबधावनरिपुरणजीतिरामआये साजिसुबिमाननिशानबजावतमुदितदेवदेखनधाये घरघरचारुचौकचन्दनमणिमंगलकलशसबनसाजे ध्वजपताकतोरणबितानबरबिबिधिभांतिबाजनबाजे रामतिलकसुनिद्वीपद्वीपकेनृपआयेउपहारलिये सीयसहितआसीनसिंहासननिरखिजोहारतहरषिहिये मंगलगानवेदधुनिजयधुनिमुनिअशीषधुनिभुवनभरे बरषिसुमनसुरसिद्धप्रशंसतसबकोसबसंतापहरे रामराजभइकामधेनुमहिसुखसम्पदालोकछाये जन्मजन्मजानकीनाथकेगुणगणतुलसिदासगाये २६३ ॥ इति श्रीरामगीतावल्यांलंकाकाण्डस्समाप्तः ॥ ६ ॥

अथउत्तरकाण्डप्रारम्भः ॥

बनतेआइकैराजारामभयेभुवाल मुदितचौदहुभुवनसबसुखसुखीसबसबकाल मिटेकलुषकलेशकुलक्षणकपटकुपंथकुचाल गयेदारिददोषदारुणदम्भदुरितदुकाल कामधुकमहिकामतरुतरुउपलमणिगणलाल नारिनरत्यहिसमयसोहतिभरेभागसभाल बरणआश्रमधर्म्मरतमनबचनभेषमराल रामसियसेवकसनेही साधुसुमुखरसाल रामराजसमाजबरणतसिद्धसुरदिगपाल सुमिरिसोतुलसीअजहुंहियहर्षहोतबिशाल २६४ ॥ रागललित ॥ भोरजानकीजीवनजागे सूतमागधप्रबीणबेणुबीणाधुनिधारेगायकसरसरागे श्यामलसलोनेगातआलसतसजँभातप्रियाप्रेमरसपागे उनीदेलोचनचारुमुखसुखमाशिंगारुहेरिहारेमारुमूरिभागे स

हजसहाईछबिउपमानलहैकविमुदितबिलोकनलागे तुलसिदास निशिबासरअनूपरुषरहतप्रेमअनुरागे २६५ ॥ रागकल्याण ॥ रघुपतिराजीवनयनशोभातनुकोटिमयनकरुणारसअयनचयनरूपभूपमाई देखोसखिअतुलितछबिसन्तकंजकाननरबिगावतकलकीरतिकविकोविदसमुदाई मज्जनकरिसरयुतीरठाढ़ेरघुबंशबीरसेवतपदकमलधीरनिर्मलचितलाई ब्रह्ममण्डलीमुनिन्द्रवृन्दमध्यइन्दुबदनराजतसुखसदनलोकलोचनसुखदाई बिछुरतशिररुहबरुत्थकुंचितबिचसुमनयुत्थमणियुतशिशुफणिअनीकशशिसमीपआई जनुसभीतदैअकोरदेखेयुगरुचिरमारकुण्डलछबिनिरखिचोरसकुचतअधिकाई ललितभृकुटितिलकभालचिबुकअधरद्विजरसालहासचारुतरकपोलनाशिकासुहाई मधुकरयुगपङ्कजबिचशुकबिलोकिनीरजपरलरतमधुपअवनिमनोबीचकियोजाई सुंदरपटपीतबिशदभ्राजतबनमालउरसितुलसिकाप्रसूनरचितबिबिधबिधिबनाई तरुतमालअर्द्धबीचजनुत्रिविधकीरपांतिरुचिरहेमजालअन्तरपरितातेनउड़ाई शङ्करहृदपुण्डरीकनिबसतहरिचञ्चरीकनिर्व्यलोकमानसगृहसन्ततरहछाई अतिशयआनन्दमूलतुलसिदाससानुकूलहरणसकलशूलअवधमण्डनरघुराई २६६ राजतरघुबीरधीरभंजनभवभीरपीर हरणसकलसरुजतीर निरचहुसखिसोहैं अनुजमनुजनिकरसंगकरणदनुजबलबिभंगअंगअंगछबिअनंगअगणितमनमोहैं सुखमासुखशीलअयननयननिरखिनिरखिनीलकुंचितकचकुण्डलकलनाशिनचितपोहैं मनहुंइन्दुबिम्बमध्यकंजमीनखंजनलखि मधुपमकरकीरआयतकितकिनिजगोहैं ललितगण्डमण्डनसुबिशालभालतिलकझलक तंजुतरमयङ्कअंकरुचिरबङ्कगोहैं अरुणअधरमधुरबोलदशनदमकदामिनिद्युतिहुलसतिहिबहँसतचारुचितवनितिरछोहैं कम्बुकण्ठभुजबिशालउरसितरुणतुलसिमालमंजुलमुक्तावलियुतजागतिजियजोहैं जन

कलिन्दनन्दनीमणिन्द्रनीलशिखरपरशि धसतिलसतिहंससेनि शंकुलअधिकोहैं दिव्यतरदुकूलभव्यतव्यरुचिरचम्पकचयचञ्च लाकलापकनकिनिकरअलिकिधौंहैं सज्जनचक्षुझषनिकेतभूषण मणिगणसमेतरूपजलधिबपुषलेतमनगयंदबोहैं अकनिबचनचा तुरीतुरीयप्रेमपेषिमगन पगनपरतइतउतसबचकितत्यहिसमोहैं तुलसिदासयहसुधिनहिंकोनकीकहांतेआई कोनकाजकाकेढिग कोनठाउँकोहैं २९७देखुसखिआजुरघुनाथशोभाबनी नीलनीरद बरणबपुषभुवनाभरणपीतअम्बरधरणहरणद्युतिदामिनी सरयु मज्जनकियेसंगसज्जनलियेहेतुजनपरहियेकृपाकोमलघनी मत्त गजबरगवनलङ्कमृगपतिठवन सजनआवतभवनकवनकोशलध नी सघनचिक्कनकुटिलचिकुरबिलुलितमृदुलकरनिबिवरनअतुल सरससुखमाजनी ललितअहिशिशुनिकरमनहुंशशिसनसमरल रतधरहरिकरतरुचिरजनुयुगफनी भालभ्राजततिलकजलजलो चनपलकचारुभ्रूनाशिकासुभगशुकआननी चिबुकसुन्दरअधरअ रुणद्विजद्युतिसधरबेनगम्भीरमृदुहासभवभाननी श्रवणकुण्डल बिमलगण्डमण्डित चपलकलित कलकान्तिअतिभांतिकछुतेन्ह तनीयुगलकंजनिमकरमनहुंबिधुकरमधुपिवतपहिचानिकरिसिंधु कीरतिभनी उरसिराजतपदिकज्योतिरचनाअधिकमाल सुबिशा लचहुंपासबनिगजमनी श्यामनवजलदपरनिरखिदिनकरकला कौतुकीमनहुंरहिघेरि उड़गणअनी मन्दिरपरखरीनारि आन न्दनिरखिहर्षि बरषहिं बिपुलकुसुमकुंकुमकनी दासतुलसीरा-मपरमकरुणाधामकामशतकोटिमदहरतछबिआपनी २९८ आ जुरघुबीरछबिजातनहिंकछुकही सुभगसिंहासनासीनसीतारम नभुवनअभिरामबहुकामशोभासही चारुचामरव्यजनछत्रमणि गणबिपुलदाममुक्तावलीज्योतिजगमगरही मनहुंराकेशसँगहं-सउड़गणबरहिमिलनआयेहृदयजानिनिजनाथही मुकुटसुन्दर

शिरसिभाल बरतिलक भ्रूकुटिलकच कुण्डलनिपरमआभाल-
ही मनहुंहरडरयुगलमकरध्वजकेमकरलागिश्रवणनिकरतमेरु
कीबतकही अरुणराजीवदलनयनकरुणाअयनबदनसुखमासद
न हरतत्रयतापही बिबिधकङ्कनहारउरसिगजमणिमालमनहुंब
गपाँतियुगमिलिचलीजलदही पीतनिर्मलबइलमनहुंकरकतश
लपृथुलदामिनिरहीछाइतजिसहजही ललितशायकचापपीनभु
जबलअतुलमनुजतनुदनुजबदनदहनमण्डलमही जासुगुणरूप
नहिंकलतनिर्गुणसगुणशम्भुसनकादि शुकशक्तिदृढ़करगही दा
सतुलसी रामचरणपङ्कजसदाबचनमनकर्म्मचहे प्रीतिनितनिर्ब-
ही २६६ रामराजराजमौलिमुनिबरमनहरणशरणलायकसुख
दायकरघुनायकदेखोरी लोकलोचनाभिरामनीलमणितमालश्या
मरूपशीलधामअंगछबिअनङ्गकोरी भ्राजतशिरमुकुटपुरटनिर्मि-
तमणिरचितचारुकुञ्चितकचरुचिरपरशोभानहिंथोरी मनहुंचञ्च
रीकपुंजकंजवृन्दप्रीतिलागिगुंजतकलगानतानदिनमणिरिझयो
री अरुणकंजदलबिशाललोचनभ्रूतिलकभालमण्डितश्रुतिकुण्ड
लबरसुन्दरतरजोरी मनहुंशम्बरारिमारिललितमकरयुगबिचा
रिदीन्हीशशिकहुंपुरारिभ्राजतदुहुंओरी सुन्दरनाशाकपोलचिबु
कअरुणअधरबोलमधुरदशनराजतजबचितवतमुखमोरी कंजका
शभीतरजनुकंजरागशिखरनिकररुचिररचितबिधिबिचित्र तड़ि
तरंगबोरी कम्बुकण्ठउरबिशालतुलसिकानबीनमालमधुकरब
रबासबिबशउपमासुनिसोरी जनुकलिन्दजातनीलशैलतेधसी
समीपकन्दवृन्दबरषतछबिमधुरघोरिघोरी निर्मलअतिपीतचैल
दामिनिजनुजलदनीलराखीनिजशोभाहितबिपुलबिधि निहोरी
नयननिकाफलबिशेषब्रह्मअगुणसगुणबेषनिरखउतजि पलकसु
फलजीवनलेखोरी सुन्दरसीतासमेतशोभितकरुणानिकेतसेवक
सुखदेतलेतचितवनिचितचोरी बरणतयहअमितरूपथकितनि

गमनागभूपतुलसिदासछबिबिलोकिशारदभइभोरी३०० ॥ राग केदारा ॥ सखिरघुनाथरूपनिहारु शारदबिधुरबिसुवनमनसिज मानभंजनिहारु श्यामसुभगशरीरजनमनकामपूरणिहारु चारुचन्दनमनहुंमरकतशिखरलसतनिहारु रुचिरउरउपबीतराजतपदिकगजमणिहारु मनहुं सुरधनुनक्षत्रगणबिचतिमिरगंजनिहारु बिमलपीतदुकूलदामिनिद्युतिबिनिन्दनिहारु बदनसुखमासदनशोभितमदनमोहनिहारु सकलअंगअनूपनहिंकोउसुकबिबरणनिहारु दासतुलसीनिरखतेहिंसुखलहतनिरखिनिहारु ३०१ सखिरघुबीरमुखछबिदेखु चित्तभीतसुप्रीतिरंगस्वरूपताअवरेखु नयनसुखमानिरखिनागरिसुकलयौबनलेखु मनहुंबिधियुगजलजबिरचेशशिसुपूरणमेखु भृकुटिभालबिशालराजितरुचिरकुंकुमरेखु भ्रमरद्वैरबिकिरणल्यायेकरणजनुउनमेखु सुमुखकेशसुदेशसुन्दरसुमनसंयुतपेखु मनहुंउड़गणबाहुआयोमिलनतमतजिद्वेषु श्रवणकुण्डलमनहुंगुरुकबिकरतबादबिशेषु नाशिकाद्विजअधरजनुरह्योमदनकरिबहुबेषु रूपबरणिनसकतनारदशंभुशारदशेषु कहतुलसीदासक्योंमतिमन्दसकलनरेषु ३०२ ॥ रागजयतिश्री ॥ देखोराघवबदनबिराजतचारुजातनबरणिबिलोकतहींसुखमुखकिधौंछबिबरनारिशिङ्गारु रुचिरचिबुकरदज्योतिअनूपमअधरअरुणासितहासनिहारु मानोंशशिकरबश्योचहतकमलमहुं प्रगटतदुरतनबजतबिचारु नाशिकसुभगमनहुंशुकसुंदरचितवतचकितार्यअपारु कलकपोलमृदुबोलमनोहररीझिचित्तचितुरमयनापोबारु नयनसरोजकुटिलकचकुण्डलभ्रकुटिसुभालतिलकशोभासारु मनहुंकेतुकेमकरचापशरगेबिसरिमेमोहितमारु निगमशेषशारदशुकशङ्करबरणतरूपनपावतपारु तुलसिदासकहकहौंकवनबिधिअतिलघुमतिजड़कूरगँवारु ३०३ आजुरघुपतिमुखदेखलागतसुस्वसेवकनिरखिशोभाशारदशशिसिहाइदशनबदनलालबिशदहाँ

सरसालमानोंहिमकररराखेराजीवमनाइ अरुणनयनबिशाल ललितभृकुटिभालतिलकचारुकपोलचिबुकनाशासुहाइ बिथरेकुटिलकचमानहुंमधुलालचअलिनलिनयुगुलऊपररहेलोभाइ श्रवणसुन्दरसमकुण्डलकलयुगमतुलसिदासअनूपउपमाकहीनजाइ मानोंमरकतसीयसुंदरशशिसमीपकनकमकरयुतबिधिबिरचेबनाइ ३०४ ॥ रागभैरों ॥ प्रातकालरघुबीरबदनछबिचितैचतुरचितमेरे होहिंबिबेकबिलोचननिर्मलसफलसुशीतलतेरे भालबिशालबिकटभृकुटीबिचतिलकरेखरुचिराजै मनहुंमदनतमतकिमरकतधनुयुगुलकनकशरसाजै रुचिरपलकलोचनयुगतारकश्यामअरुणसितकोये जनुअलिनलिनकोशमहंबंधुकसुमनसेजसजिसोये विलुलितललितकपोलनिपरकचमेचककुटिलसुहाये मानोंबिधुमहँबनरुहबिलोकिअलिबिपुलसकौतुकआये शोभितश्रवणकनककुण्डलकलअवलम्बितभुजमूले मनहुंकेकितकिगहनचहतयुगउरगइन्दुप्रतिकूले अधरअरुणतरदशनपांतिबरमधुरमनोहरहासा मनहुंशोनसरसिजमहुंकुलिशनितड़ितसहितकृतबासा चारुचिबुकशुकतुण्डबिनिन्दिकसुभगसुउन्नतनासा तुलसिदासछबिधामरामसुखसुखदशमनभवत्रासा ३०५ ॥ रागकेदारा ॥ सुमिरतश्रीरघुबीरकीबाहैं होतसुगमभवउदधिअगमअतिकोउलांघतकोउउतरतघाहैं सुन्दरश्यामशरीरशैलतेधसिजनुद्वैयमुनाअवगाहैं अमितअगलजलपरिपूरणजनुजनमीशिंगारसविताहैं धारैबाणकूलधनुभूषणजलचरभ्रमर सुभगसबघाहैं बिलसतिबीचबिजयबिरदावलिकरसरोजसोहतसुखमाहैं सकलभुवनमंगलमन्दिरकेद्वारबिशालसुहाईशाहैं जेपूजीकौशिकमखऋषियनिजनकगणपशङ्करगिरिजाहैं भवधनुदलिजानकीबिवाहीभयेबिहालनृपालतृपाहैं परशुपाणिजिनकिये महामुनिजेचितयेकतहूंनकृपाहैं यातुधानतियजानिबियोगिनिदुखईसीयसुनाइकुचा

हैं तिनरिपुमारिसुरारिनारितेइशीशउघारिदेवाईधाहैं दशमुख बिवशतिलोकलोकपतिबिकलबिनायेनाकचनाहैं सुबशबसेगाव तजिनकोयशश्रमरनागनरसुमुखसनाहैं जेभुजबेदपुराणनवाहैंक रिश्राईकरिहैकरतीहैतुलसिदासदासनिपरछाहैं ३०६ ॥ राग भैरों ॥ रामचन्द्रकरकंजकामतरुबामदेवहितकारी सियसनेहबर बेलिबलितबरबन्धुप्रेमबरवारी मंजुलमंगलमूलमूलतरुकन्दमनों कुरशाखा रोमपरशिनखसुमनसुफलसबकालसुजनश्रभिलाषा श्रबिचलश्रमलश्रनामयश्रबिरललितरहितछलछाया शमनस कलसन्तापपापरुजमोहमानमदमाया सेवहिंशुचिमुनिभृङ्गबिहँ गमनमुदितमनोरथपाये सुमिरतहियहुलासतुलसीश्रनुरागउमँ गिगुणगाये ३०७ रामचरणश्रभिरामकामप्रदतीरथराजबिराजे शङ्करहृदयभक्तिभूतलपदप्रेमश्रक्षयबटभ्राजे श्यामबरणपदपीठश्र रुणतललसतिबिशदनखश्रेणी जनुरविसुताशारदासुरसरिमिल चलिललितत्रिबेणी श्रंकुशकुलिशकमलध्वजसुन्दरभ्रमरतरंगबि लासा मज्जहिंसुरसज्जनमुनिजनमनमुदितमनोहरबासा बिनु बिरागजपयागयोगब्रतबिनुतीरथतनत्यागे सबसुखसुलभसदा तुलसीप्रभुपदप्रयाग श्रनुरागे ३०८ ॥ रागबिलावल ॥ रघुबररूप बिलोकुनेकुमन सकललोकलोचनसुखदायकनखशिखसुभगश्या मसुन्दरतन चारुचरणतलचिन्हचारिफलचारिदेतपरचारिजानि जन राजतनखजनुकमलदलनिपरश्ररुणप्रभारंजिततुषारकन जं घाजानुश्रानुउरउरुकटिकिङ्किनिमणिपटपीतसुहावन रुचिरनिषं गनाभिरोमावलित्रिवलिबलितउपमाकछुश्रावन भृगुपदचिह्नप दिकउरशोभितमुक्तमालकुंकुमश्रनुलेपन मनहुंपरस्परमिलिपङ्क जरविप्रगट्योनिजश्रनुरागसुयशघन बाहुबिशाललललितशायकध नुकरकङ्कनकेयूरमहाधन बिमलदुकूलदलनदामिनिद्युतियज्ञोप वीतलसतश्रतिपावन कम्बुग्रींवछबिसीवचिबुकद्विजश्रधरकपोल

बोलभयमोचन नाशिकसुभगकृपाकरिपूरणतरुणअरुणराजीव बिलोचन कुटिलभृकुटिबरभालतिलकरुचिशुचिसुन्दरतरश्रवण बिभूषण मनहुंमारिमनसिजपुरारिदियेशशिहिचापशरमकरअद्भु षण कुञ्चितकचकञ्चनकिरीटशिरजटितज्योतिमयबहुबिधिमणिग ण तुलसिदासरविकुलरविछबिकबिकहिनसकतशुकशम्भुसहस फण ३०९ ॥ रागकान्हरा ॥ देखोरघुपतिछबिअतुलितअति जनुत्रि लोकसुखमासकेलिबिधिराखीरुचिरअंगअंगनिअतिपद्मरागरुचि मृदुपदतलध्वजअंकुशकुलिशकमलयहिमूरतिरहीआनिचहुंबिधि भक्तनकीजनुअनुरागभरीअन्तरगति सकलशुचिन्हसुजनसुखदा यक ऊरधरेखबिशेषबिराजतिमनहुंभानुमण्डलहिंसँवारत धर्‌यो सूतबिधिसुतबिचित्रमतिशुभअंगुष्टअंगुलीअबिरल कछुकअरुणान खज्योतिजगमगति चरणपीठउन्नतनतपालकगूढ़गुल्फजंघाकद लीजति कामतूणतलसरिसजानुयुगउरुकरिकरकरभहिं बिलखा वति रसनारचितरत्नचामीकरपीतबसनकटिकसेसखासति नाभि सरसिजिवलीनशेणिकारोमराजिसेबालछबिपावतिउरमुक्तामणि मालमनोहरमनहुंहंसअवलीउड़िआवति हृदयपदिकभृगुचरणचि न्हबरबाहुबिशालजानुलगिपहुंचति कलकेयूरपूरकंजनमणिपहुं चीमंजुकंजकरसोहति सुजनसुरेखसुनखअंकुलिश्रुतिसुन्दरपाणि मुद्रिकाराजति अंगुलित्राणकमानबाणछबिसुरनिसुखदअसुरनि उरशालति श्यामशरीरसुचन्दनचर्चितपीतदुकूलअधिकछबिछाज ति नीलजलदपरनिरखिचन्द्रिकादुरनित्यागिदामिनिजनुदमक ति यज्ञोपवीतपुनीतबिराजतगूढ़यंत्रबनिपीनअसन्तति सुगढ़पृष्ठ उन्नतकृकाटिकाकम्बुकण्ठशोभामनमानति शरदसमयसरसीरुह निन्दकमुखसुखमाकछुकहतनहिंबनति निरखतहीनयननिनिरु पमसुखरबिसुतमदनसोमद्युतिनिदरति अरुणअधरद्विजपांतिअ नूपमललितहँसनिजनमनआकरषति बिद्रुमरचितबिमानमध्य

मानोंसुरमण्डलीसुमनचयबरषति मंजुलचिबुकमनोहरहनुथलक
लकपोलनाशामनमोहति पङ्कजमानबिमोचनलोचनचितवनिचा
रुअमृतजलसींचति केशसुदेशगँभीरबचनबरश्रुतिकुण्डलडोलनि
जियजागति लखिनलनीलपयोदरसितसुनिरुचितमोरजोरीजनु
नाचतिभौंहैंबङ्कमयङ्कअङ्करुचिकुंकुमरेखभालभलिभ्राजति शिर
सिहेमहीरकमाणिकमयमुकुटप्रभासबभुवनप्रकाशति बर्णतरूप
पारनहिंपावतनिगमशेषशुकशङ्करभारति तुलसिदासक्यहिवि
धिबखानिकहैयहमनबचनअगोचरमूरति १॥ रागमल्लार ॥ आलीरी
राघवकेरुचिरहिंडोलाझूलनजैये ॥ टेक ॥ फटिकनीतिसुचारुचहुँ
दिशिमंजुमणिमयपौरि गवकाँचलखिमननाचसखिजनुपाँचसर
सुकहौरि तोरणबितानपताकचामरध्वजसुमलफलघौरि प्रतिछाँ
हछबिकविसाखिदैप्रतिसोंकहैडरुओरि १ मदनजयकेखम्भरो
खेखम्भरब्रविशाल पाटीरपाटबिचित्रभँवराबलितबलनालाल ड
ण्डीकनककुंकुमतिलकरेखैंसुमनसिजमाल पटलीमदिकरतिहृद
यजनुकलधौतकोमलमाल २ उनयेसघनघनघोरमृदुझरिसुखद
श्रावणलाग बगपाँतिसुरधनुदमकदामिनिहरतिभूमिविभाग दा
दुरमुदितभरेसरितसरनहिंउमँगजनुअनुराग पिकमोरमधुपच
कोरचातकशोरउपबनबाग ३ सोसमयदेखिसुहावनोनवशतसँ
वारिसँवारि गुणरूपयौबनसीवसुन्दरिचलींझुण्डनिझारि हिंडो
लशालविलोकिसबअञ्चलपसारिपसारि लागींअशीषनरामसी
तहिसुखसमाजनिहारि ४ झूलहिँझुलावहिँओसरिहुँगावहिँ
सुगण्डमलार मञ्जीरनूपुरबलयधुनिजनुकामकरतलतार अति
मचतश्रमकणमुखनिबिथुरचिकुरबिललितहार तमतड़ितउड़ग
णअरुणबिधुजनुकरतब्योमबिहार ५ हियहरषिबरषिप्रसूननि
रखतिबिबुधतियतृणतूरि आनंदजललोचनमुदितमनपुलकतनभ
रिपूरिसबकहहिंअबिचलराजनित कल्याणमंगलभूरि चिरजियो

जानकिनाथजगतुलसीसजीवनिमूरि३११॥ (रागसूहा) ॥कोशलपुरी सुहावनिसरिससरयूकेतीर भूपावलीमुकुटमणिनृपतिजहांरघुबीर पुरनरनारिचतुरअतिधर्म्मनिपुणरतनीति सहजसुभायसकल उरश्रीरघुबरपदप्रीति ॥ छन्द ॥ श्रीरामपदजलजातसबकेप्रीतिअबिरलपावनी जोचहतशुकसनकादिशम्भुबिरंचिमुनिमनभावनी रांवहींकेसुंदरमंदिररावरङ्कनलखिपरे नाकेशदुर्ल्लभभोगलोग करहिंनमनबिषयनिहरे १ सबऋतुसुखप्रदसोपुरीपावसअतिकमनीय निरखतमनहिंहरतिहठिहरतिअवनिरमनीयबीरबहूटिबिराजहींदादुरधुनिचहुँओरमधुरगरजिघनबरषहिंसुनिसुनिबोलतमोर बोलतजोचातकमोरकोकिलकीरपारावतघनेखगबिपुलपालेबालकन्हिकूजतउड़ातसुहावने बकराजराजतिगगनहींसुरधनुतड़ितदिशिसोहहीं नभनगरकीशोभाअतुलअवलोकिमुनिमनमोहहीं २ गृहगृहरचेहिँडोलनामहिगचकांचसुढार चित्रविचित्रचहूँदिशिपरदाफटिकपगारसरलबिशालबिराजहीं विद्रुमखंभसुजोरचारुपाटिपटपुरटकीझलकतमरकतभोर मरकतभँवरडाँड़ीकनकमणिजटितद्युतिजगमगरही पटुलीमनहुँबिधिनिपुणकरिनिजप्रगटकरिराखासही बहुरंगलसतबितानमुक्तादामसहितमनोहरा नवसुमनमालसुगन्धलोभेमञ्जुगुञ्जतमधुकरा ३ झुगड झुगडझूलनलगींगजगामिनिबरनारि कुसुमचीरतनुसोहहींभूषणबिबिधिसँवारिपिकबयनीमृगलोचनीशरदशशीसमतुगडरामसुयशसबगावहींसुस्वरसुसारँगगुगड सारंगगुगडमलारसोरठसुहबसुघरनिराजहां बहुभांतितानतरंगसुनिगन्धर्बकिन्नरलाजहीं अतिमचतछटतकुटिलकचछबिअधिकसुन्दरपावहीं पटउड़तभूषणखसतिहँसिहँसिअपरसखीझुलावहीं४ फिरिफिरिझूलहिंभामिनीअपनीअपनीबार बिबुधबिमानथकितभयेदेखतचरितअपारबरषिसुमनहरषहिं सुरबरणहिं हरिगुणगाथपुनिपुनि प्रभुहिंप्रशं

सहिंजयजंयजानकिनाथ जयजानकीपतिविशदकीरतिसकललो
कमलापहासुरबधूदेहिँ अशीशजीवहुरामसुखसम्पतिमहा पायसु
समयकछुअवधबरणतसुनिअछोध नशावहीं रघुबीरकेगुणगण
नवलनितदासतुलसीगावहीं ५ । ३१२ ॥ रागअसावरी ॥ साँझस
मयरघुबीरपुरीकीशोभाआजु बनी ललितदीपमालिकाविलोक
हिंहितकरिअवधधनी फटिकदीपशिखरनिपरराजतिकञ्चनदी
पअनी जनुअहिनाथमिलनआयोमणिशोभितसहसफनी प्रतिम
न्दिरकलशनपरभ्राजहिमणिगणद्युति अपनी मानहुँप्रगटबिपु
ललोहितपुरपठइदियेअवनी घरघरमंगलचारएकरसहरषितर
ङ्गनीतुलसिदासकलकीरतिगावहिंजोकलिमल शमनी ३१३
रागगौड़ ॥ अवधनगरअतिसुंदरबरसरिताकेतीर नीतिनिपुणन
रतियबसहिंधर्म्मधुरंधरधीर सकलऋतुमहँसुखदायकतामहँअ
धिकबसंत भूपमौलिमणिजहँबसैंनृपतिजानकीकन्त वनउपब
ननवकिशलयकुसुमितनानारंग बोलतमधुरमुखरखगपिकबर
गुंजतभृङ्ग समयबिचारिकृपानिधिद्वारदेखि अतिभीर खेलत
हुमुदितनारिनरबिहँसिकह्योरघुबीर नगरनारिनरहर्षितचले
खेलनफाग देखिरामछबिअतुलितउमँगतउरअनुराग श्यामत
मालजलदतनुनिर्मलपीतदुकूल अरुणकंजदललोचनसदादास
अनुकूल शिरकिरीटश्रुतिकुण्डलतिलकमनोहरभाल कुञ्चितके
शकुटिलभ्रूचितवनिभक्तकृपाल कलकपोलशुकनासिकाललित
अधरद्विजजोति अरुणकंजमहँजनुयुगपांतिरुचिरगजमोति ब
रदरग्रीवअमितबलबाहुसुपीनबिशाल कञ्चनहारमनोहरउरसि
लसतिवनमाल उरभृगुचरणबिराजतभृगुप्रियचरितपुनीत भ
क्तहेतुनरबिग्रहसुरबरगुणगीतीत उदरत्रिरेखमनोहरनाभीअति
गम्भीर हाटकघटितजटितमणिकटितटमंजीर उरुअरुजानुपी
नमृदुमरकतखम्भसमान नूपुरसुनिमनमोहन करतसुकोमल

गान अरुणबरणपदपङ्कजनखद्युतिइन्दुप्रकाश जनकसुताकरप
ल्लवलालितबिपुलबिलाश कंजकुलिशध्वजअंकुशरेखचलनशुभ
चारि जनमनमीनहरणकहँबंशीरचीसँवारि अंगअंगप्रतिअतुलि
तसुखमाबरणिनजाइ यहिसुखमगनहोहिंमनफिरिनहिं अनत
लोभाइखेलतफागुअवधपतिअनुजसखासबसङ्ग बरषिसुमनसुर
निरखहिंशोभाअमितअनङ्ग तालमृदङ्गझांझडफबाजहिं पनच
निशान सुघरसरससहनाइन्हगावहिंसमयसमान बीणाबेणुमधु
रधुनिसुनिकिन्नरगन्धर्ब्ब निजगुणगरुअहरुअअतिमानहिंमन
तजिगर्ब्ब निजनिजअटनिमनोहरमानकरहिंपिकबयनि मनहुं
हिमालयशिखरनिलसतिअमरमृगनयनि धवलधामतेनिकसहिं
जहँतहँनारिबरुत्थ मानहुंमथनपयोनिधिबिपुलअप्सरायुत्थ किं
शुकबरणसुअंशुकसुखमामुखनिसमेत जनुबिधुनिबहरहेकरि दा
मिनिनिकरनिकेत कुंकुमसरसअँबीरनिभरहिचतुरनरनारिऋतु
सुभायसुठिशोभितदेहिंबिबिधिबिधिगारि जोसुखयोगयागजप
तपतीरथतेदूरि रामकृपातेसोइसुखअवधलगनिरह्योपूरि खेलि
बसन्तकियोप्रभुमज्जनसरयूनीर बिबिधिभांतियाचकजनपायेभू
षणचीरतुलसिदासत्यहिअवसरमाँगीभक्ति अनूपमृदुमुसकायदी
न्हतबकृपादृष्टिरघुभूप ३१४ ॥ रागबसन्त ॥ खेलतबसंतराजाधि
राजनभकौतुकदेखतसुरसमाज सोहैंसखाअनुजरघुनाथसाथली
न्हेअबीरपिचकारिहाथबाजहिंमृदंगडफतालबेणु छिरकहिंसुग
न्धभरेमलयरेणु उतयुवतियुत्थजानकीसंगसमपटभूषणबरसरि
सरंगलियेछरीबेतसाधेबिभागचांचरिझूमतगावैसरसरागकिङ्कि
निनूपुरधुनिअतिसुहाय ललनागणजबज्यहिंधरहिंधाय लोचन
आंजहिंकुंकुमाभनाय छांड़हिंनचायहाहाकराय चढ़िखरनिनिदू
षकस्वांगसाजि करैकूटिकाटिगइलाजभाजि नरनारिपरस्पर
गारिदेत सुनिहँसतरामभाइनसमेत बरषतप्रसूनबरबिबुधवृन्द

जयजयदिनकरकुलकुमुदचन्द ब्रह्मादिप्रशंसतअवधरास गाव तकलकीरतितुलसिदास ३१५ ॥ रागकेदारा ॥ देखअवधकोआन न्दहरषिबरषतसुमनदिनदिनदेवतनिकोवृन्द नगररचनाशिव नकोबिदतकतबहुबिधिवृन्द निपटलागतअगमज्योंजलचरहि गमनस्वछन्द मुदितपुरलोगनिसराहतनिरखिसुखमाकन्द जि नकेअलिचक्षुपियतराममुखारबिन्द मकरन्दमध्यव्योमबिलम्बि चलतदिनेशउड़गणचन्द रामपुरीबिलोकितुलसीमिटतसबदुख दन्द ३१६ ॥ रागबेरठ ॥ पालतराजयोंराजारामधर्म्मधुरीन सा वधानसुजानसबदिनरहतनयलयलीन श्वानखगपातन्यायदे ख्योआपुबैठिप्रबीन नीचहतिमहिदेवबालककियेमीचबिहीन भ रतज्योंअनुकूलजगनिरुपाधिनेहनबीन सकलचाहतरामहींज्यों जलअगाधहिमीनगाइराजसमाजयाचतदासतुलसीदीन लेहुनि जकरिदेहुनिजपदप्रेमपावनिपीन ३१७ ॥ रागकेदारा ॥ सकहुंसु कृतकोशोचतजानिजियरघुराउसहसद्वादशपञ्चशतमेंकछुकहे अ बआउ भोगपुनिपितुआपुकोसोउकियेबनैबनाउ परिहरेबिनुजा नकीनहिंअरअनषउपाउ पालिबेअसिधारवतप्रियप्रेमपालसु भाउ होइहितक्यहिभांतिनितसुबिचारनहिंचितचाउ निपटअ समंजसहुंबिलसतसुखमनोहरताउ परमधीरधुरीणहृदयकिहरष बिसमयकाउ अनुजसेवकसचिवहैंसबसुमतिसाधुसखाउ जान कोउनजानकीबिनअगमअलखलखाउ रामयागवतसीयमनप्रि यमनहिंप्राणपियाउ परमपावनप्रेमपरमितिसमुझितुलसीगाउ ३१८ रामबिचारिकैराखीकिदैमनमाहिं लोकबेदसनेहपालत पलकृपालहिजाहिं प्रियतमापतिदेवताज्यहिउमारमासिहाहिंगु र्बिनीसुकुमारिसियतियमनि समुझिसकुचाहिं मेरेहीसुखसुखों सुखअपनोसपनेहुनाहिं गेहिनीपुनिगेहिनीगुणसुमिरिशोचसमा हिं रामसीयसनेहबरणतअगमसुकबिसकाहिं रीतिप्रीतिरहस्य

तुलसीकहतरामकृपाहि ३१९ चरचाचरनिसोंचरचीजुनमणिरघु
राइ दूतमुखसुबिलोकिधुनिघरघरनिबूझीआइ प्रियानिजअभि
लाषतिचिकहिकहहिंसियसकुचाइ प्रियतनयसमेततापसपूजिहौं
बनजाइ जानिकरुणासिन्धुभाबीबिबशसकलसहाइ धीरधरिरघु
बीरभोरहिंलियेलषणबुलाइ ततुरतहिसाजिस्यन्दनसीयलेहु
चढ़ाइ बालमीकिमुनीशआश्रमआइयेपहुंचाइभलेहिनाथसुहाइमा
थेराखिरामरजाइ चलेतुलसीपालिसेवकधर्मअवधिअघाइ ३२०
आयेलषणलैसोंपीसियमुनीशहिंआनि नाइशिररहेपाइआशिष
जोरिपङ्कजपानि बालमीकिबिलोकिब्याकुललषणगरतगलानि
सर्बबिदबूझतनबिधिकीबामतापहिंचानि जानिजियअनुमानिर
हिसियसहसबिधिसनमानि रामसद्गुणधामपरमितभईकछुकम
लानि दीनबन्धुदयालदेवरदोषअतिअकुलानि कहतिबचनउदास
तुलसीदासत्रिभुवनरानि ३२१ तौलौंबलिआपहीकीबिनयसमु
झिसुधारि जौंलौंहौंशिषलेउबनऋषिरीतिबसिदिनचारि तापसी
कहिकहापठवतिन्नृपतिकोमनुहारि बहुरितोहिंबिधिआइकहिहैं
साधुकोउहितकारि लषणलालुकृपालुनिपटहिडारिबीनबिसारि
पालिवीसबतापसिनिज्योंराजधर्मबिचारि सुनतसीताबैनमोचत
सकललोचनबारि बालमीकिनसकेतुलसीसोसनेहसँभारि ३२२
सुनिब्याकुलभयेउतरुकछुकह्योनजाइ जानिजियबिधिबामदीन्ही
मोहिंसरुषसजाइ कहतहियमेरीकठिनाईगईप्रीतिलजाइ आजु
अवसरऐसहूंजोनचलैप्राणबजाइ इतहिसीयसनेहसङ्कटउतहिरा
मरजाइ मौनहौंगहिचरणगवनेशिषसुआशिषपाइ प्रेमनिधिपितु
कोकह्योमैंपरुषबचनअघाइ पापत्यहिपरितापतुलसीउचितसहे
सिराइ ३२३ गौनेमोनहींबारबारपरिपाय जातुजनुरथरचील
क्ष्मणमलतकरपक्षिताय अशनबिनबनबर्मबिनुरणबन्योकठिनकु
घाय दुसहसासतिसहैकोहनुमानज्यायोजाय हेतुहौंसियहरणका

तबअबहुंभयोसहाय होतहठिमोहिंदाहिनोदिनदैवदारुणदाय त
ज्योतनुसंग्रामज्यहिलगिगृद्धयशीजटाय ताहिहोंपहुंचायकानन
चल्योअवधसुभाय घोरहृदयकठोरकरतबसृज्योहोंबिधिबाय दा
सतुलसीजानिराख्योकृपानिधिरघुराय ३२४ पुत्रिनशोचियेआ
ईहौजनकगृहजियजानि कालिहीकल्याणकौतुककुशलतवकल्या
नि राजऋषिपितुश्वसुरप्रभुपतितूसुमंगलखानि ऐसेहूंथलबाम
ताबड़िबामबिधिकीबानि बालिमुनिकन्यासिखाईप्रीतिगतिपहिं
घानि आलसिन्हिकीदेवसरिसियसेइयहुमनमानि न्हाइप्रातहि
पूजिबोबटबिटपिअभिमतदानि सुवनलाहुउछाहुदिनदिनदेविअ
नहितहानि पापतापबिमोचनीकहिकथासरसपुरानि बालमीकि
प्रबोधितुलसीगईगरुइगलानि ३२५ जबतेजानकीरहीरुचिरआ
श्रमआइ गगनजलथलबिमलतबतेसकलमंगलदाइ निरसभूरुह
सरसफूलतफलतअतिअधिकाइ कन्दमूलअनेकअंकुरस्वादसुधा
लजाइ मलयमरुतमरालमधुकरमोरपिकसमुदाइ मुदितमनमृग
बिहँगबिहरतबिषमबैरबिहाइ रहतरविअनुकूलदिनशशिरजनि
सजनिसुहाइ सीयसुनिसादरसराहतिसखिन्हभलोमनाइ मोद
बिपिनबिनोदचितवतलेतचितहिचोराइ रामबिनुसियसुखदबन
तुलसीकठिनकहगाइ ३२६ शुभदिनशुभघरीनीकोनक्षत्रलगन
सुहाइ पूतजायेजानकीद्वैमुनिबधूउठिगाइ हर्षिबरषतसुमनसुर
गहगहबधाइबजाइ भुवनकाननआश्रमनिरहेमोदमंगलछाइ त्य
हिनिशातहँशत्रुसूदनरहेबिधिबशआइ मांगिमुनिसोंबिदागवने
भोरभोसुखपाइ मातमौसीबहिनहूंतेसासुतेअधिकाइ करहिताप
सतीयतनयासीयहितचितलाइ कियेबिधिव्यवहार मुनिबरबिप्र
वृन्दबुलाइ कहतसबऋषिकृपाकेफलभयोआजुअघाइ सुरुषऋ
षिसुखसुतनिकोसियसुखदसकलसहाइ शूलरामसनेहकीतुलसी
नजियतेजाइ ३२७ मुनिबरकरिछठीकीन्हींबारहेंकीरीति वनब

सनपहिराइतापसतोषिपोषेप्रीति नामकर्णसुअन्नप्राशनबेदबाधी
नीति समयसबऋषिराजकरतसमाजसाजसप्रीति बाललालहि
कहहिकरिहैंराजसबजगजीति रामसियसुतगुरुअनुग्रहउचितअ
चलप्रतीति निरखिबालबिनोदतुलसीजातबासरबीति पियचरि
तसियचितचितेरोलिखतनितहितभीति ३२८ बालकसियकेबि
हरतमुदितमनद्वौभाइ नामलवकुशरामसियअनुहरतसुन्दरताइ
देतमुनिमुनिशिशुखेलौनालेतधरतदुराइ खेलखेलतनृपशिशुनके
बालवृन्दबोलाइ भूपभूषणबसनबाहनराजसाजसजाइ धरमच
रमकृपाणशरधनुतूणलेतबनाइ दुखीसियपियबिरहतुलसीसुखी
सुतसुखपाइ आंचपयउफनातसींचतसलिलज्योंसकुचाइ ३२९
केकयीजौलौंजियतरही तौलौंबातमातसोंमुहभरिभरतनभूलिक
ही मानीरामअधिकजननीतेंजननिहुंगसनगही सीयलषणरिपु
दवनरामरुखलखिसबकीनिबही लोकवेदमर्याददोषगुणगतिचि
तचक्षुनचही तुलसीभरतसमुझिसुनिराखीरामसनेहसही ३३०
रागरामकली ॥ रघुनाथतिहारेचरितमनोहरगावहिंसकलअवधबा
सी अतिउदारअवतारमनुजबपुधरेब्रह्मप्रभुअबिनासी प्रथमता
ड़काहतिसुबाहुबधिमखराख्योद्विजहितकारी देखिदुखीअतिशि
लाशापवशरघुपतिबिप्रनारितारी सबभूपनकोगर्बहर्योहरिभं
ज्योशम्भुचापभारी जनकसुतासमेतआवतगृहपरशुरामअतिमद
हारी तातबचनतजिराजकाजसुरचित्रकूटमुनिबेषधर्यो एकनय
नकीन्होंसुरपतिसुतबधिबिराधऋषिशोकहर्यो पंचबटीपावनरा
घवकियसूपणखाकुरूपकीन्हींखरदूषणसंहारिकपटमृगगृद्धराज
कहँगतिदीन्हीं हतिकबन्धसुग्रीवसखाकरिभेदेतालबालिमार्यो
बानरऋक्षसहायअनुजसँगसिन्धुबांधियशबिस्तार्यो सकलपुत्र
दलसहितदशाननमारिअखिलसुरदुखटार्यो परमसाधुजियजा
निबिभीषणलंकापुरीतिलकसार्यो सीताअरुलक्ष्मणसँगलीन्हे

औरोजितेदासआये नगरनिकटबिमानआयोजबनरनारीदेखन धाये शिवबिरंचिशुकनारदादिमुनिस्तुतिकरतबिमलबानी चौ दहभुवनचराचरहरषितआयेरामराजधानी मिलेभरतजननीपुर परिजनचाहतपरमानन्दभरे दुसहबियोगजनितदारुणदुखराम चरणदेखतबिसरे बेदपुराणबिचारिलगनशुभमहाराजअभिषेक कियो तुलसिदासजियजानिसुअवसरभक्तिदानतबमांगिलियो ३३१ ॥ इतिश्रीरामगीतावल्यांउत्तरकाण्डस्समाप्तः ॥

श्रीराममेनभजुपरमानन्दपुनीत ब्यापकसर्वसर्बतेन्यारोगुणा तीतगोतीत अजअरूपअबिनाशीअबिचलनिर्मलअनअरिमीत सो धरिरूपभक्तअभिमतप्रदकरीबिरदकीरीति बालचरितसुखदयो मातुपितुपालीप्रेमप्रतीतिमुनिमखराखितारितापसतियभूयस्वय म्बरजीति भंजिचापमुनिमानव्याहकरिसकलभ्रातसमीत छयो मंगलअवधसबजगभनततुलसीगीत १ अद्भुतचरितअवधपुर भयो चाह्योनृपअभिषेकरामकोसबसमाजनिरमयो कुबरीसुनिके कयीप्रबोधीत्यहिगृहभूपगयो भइप्रतिकूलभूपतेरघुपतिबोलिबि पिनपठयो तमसातरनिषादसँगसुरसरितरिप्रयागमगलयो मु निगणदरशशिषाशिषलैगेचित्रकूटबसयो फिर्योसुमन्तभूपसुनि तनतजिसुरपुरबासठयो गुरुसम्मतिकरिभरतबोलिकैभूपतिदाह दयो मानिगलानिभरतसँगपुरजनरामसमागमयो बिनयभक्ति बलपाइपादुकानन्दिग्रामसुथयो तुलसीभरतसुयशरबिप्रगट्यो कुलकलंकअथयो २ बिचरतबिपिनबिबिधिरघुराई मुनिगणअभ यकिये प्रणकरिदृढ़बधिबिराधदुखदाई हतिकबंधबसिपंचबटीत हूँसूर्पणखाकुटिलाई करिकुरूपपठईखरदूषणआइलरेगतिपाई जाइदशाननसोंकहिपठयोकपटकुरंगबनाईछलिकरिहरिजानकी

बिहँगपतिकीन्हीप्रबललराई भेबिनुपंखरामिलिसुधिदैतुलसी सुगतिबनाई ३ रघुपतिकपिपतिभेटभईकरिदृढ़प्रीतिबालिबधि सुखलैपठईकपिकटकई सिंधुनिकटसंपातिसमागमहनुमतलंकल ई सीतादरशदाहिहाटकपुरसबसुधिप्रभुहिदई शिषदैलैअवमान बिभीषणतुलसीशरणठई ४ रघुपतिसेतुबँधायोसागर बालिसुपूत दूतपठयोलखिबलबुधिनीतिउजागर कोकहिअंगदक्योंआयोहि तुपितुतबहोकोगागरसुनतहँस्योनसह्योपदरोप्योटरयोनगोलद्यु तागर रावणसभातेजलैतुलसीआइजुहारयोनागर ५ खेलतबस न्तकपियातुधानलरिगिरतदोउदोउजीतिमान मेघनादकरिशक्ति तानलखिलषणबिकलभेहरिनिदान भेसचेतहत्योताहिआनकुंभ करणमर्योरामबान आयोबीरदशाननबलअमानबहुखेलखेलाये रामजान दशदशशिरडारेबिशिखभान बरषिसुमनसुरकरैंगान मिलितुलसीभुजापतिसुजान ६ रघुपतिसमुझिभरतबिकुलाई बेगिबिमानसाजिसहमित्रनिचलेअवधनियराई पवनकुमारजाइ सुधिदीन्हीमिलेआइसबभाई सुखीमातुपुरजनगुरुबेगिहिंराज तिलकसुखपाई तुलसीमंगलमुदितसकलजगसुबसबसेरघुराई इतिसंक्षेपगीतावलीसमाप्तः ॥

दोहा ॥

तुलसीकृतगीतावली रामायणसुखरास ॥
गावैंसुनैसोसुखलहैं हियकेसकलहुलास १
अनुजसहितरघुनाथ सियमंगलमूरतिख्यात ॥
सुमिरतजनसङ्कटहरतगावतहरिपुरजात २



नामकिताब	नामकिताब	नामकिताब
मिश्रितमाहात्म्य	प्रेमरत्न	सतीविलास
वैद्यक भाषा	युगुलविलास	**मुतफ़र्क़ात**
निघंटु	विचचन्द्रिका	शनिश्चर की कथा
अमरविनोद	बारहमासाबल्देवप्रसाद	ज्ञानमाला
वैद्यजीवन	मनोहरलहरी	गोपीचन्दभरतरी
औषधिसंग्रहकल्पवल्ली	मंगालहरी	कथाश्रीगंगाजीकी
अमृतसागर बड़ा	यमुनालहरी	अवधयाचा
तथा छोटा	जगद्विनोद	भरतरीगीत
वैद्यमनोत्सव	शृङ्गारबत्तीसी	दानलीला नागलीला
नाटक	पद्मावत	रासलीला द्वारकाप्रसाद कृत
प्रबोधचंद्रोदय	**राग**	दोहावली रत्नावली
रामाभिषेक	रागप्रकाश	गोकर्ण माहात्म्य
आनन्द रघुनन्दन	लावनी	श्रीगोपालसहस्रनाम
वेदान्त	**क़िस्सा वग़ैरह**	कथासत्यनारायण
योगवाशिष्ट	नानार्थनीसंग्रहावली	हनुमान बाहुक
आनन्दाऽमृतवर्षिणी	ब्रह्मसार	जनकपच्चीसी
सांख्यतत्वकौमुदी	शिवसिंहसरोज	हरिहरसगुणनिर्गुणपदावली
काव्य	भक्तमाल	बनयाचा
सूरसागर	इंद्रसभा	कायस्थवर्णनिर्णय
कृष्णसागर	विक्रमविलास	बिहारवृन्दाबन
विश्रामसागर	बैतालपच्चीसी	समरबिहारवृन्दाबन
प्रेमसागर	पद्मावतीखण्ड	कल्पभाष्य
ब्रजविलासबड़ा वा छोटा	शुकबहत्तरी	**दरसी**
कृष्णप्रिया	बकावली सुमन	अक्षरावली
विजयमुक्तावली	चहारदरवेश	स्वयम्बोध
अनेकार्थ छन्दोर्णवपिङ्गल	क़िस्साहातिमताई	ज्ञानचालीसी
कविकुलकल्पतरु	अपूर्व्वकथा	दोहावली
रसराज	क़िस्सागुलसनोवर	बालाबोध
सत्सई मूल तथा सटीक	सहस्ररजनीचरित्र	विद्यार्थीकीप्रथमपुस्तक
सभाविलास	सिंहासनबत्तीसी	किताबजंची
तुलसीशब्दार्थ	राविन्सन्काइतिहास	गणितकामधेनु
भजनावली	सीताहरण	लीलावती

नामकिताब	नामकिताब	नामकिताब
पटवारियोंकीपुस्तकें ४ भाग	मुहूर्त्तदीपक	रीडर नम्बर १
ज्योतिषभाषा	बृहज्जातकसटीक	रीडर नम्बर २
जातकचन्द्रिका	जातकालंकार	सीक्वेल
जातकालंकार	जातकाभरण	कालिंजर माहात्म्य
दैवज्ञाभरण	होरामकरन्द	सुधामन्दाकिनी
ज्ञानस्वरोदय	**संस्कृतउर्दू टीका सहित**	रामबिनय शतक
रमलसार	मनुस्मृति	नारीबोध
इन्द्रजाल	विष्णुहारीत	प्रताप बिनोद
संस्कृतकीपुस्तकें	महिम्नस्तोच	सतीबिलास
लघुकौमुदी	ब्रतार्क	मनमौजचरिच
सिद्धान्तचंद्रिका	याज्ञबल्क्यस्मृति	भविष्योत्तरपुराण
अमरकोषतीनोंकांडसटीक	**संस्कृतभाषाटीका सहित**	स्कन्दपु०का सेतुबन्धखण्ड
पञ्चमहायज्ञ	अमरकोष	मनोहर कहानी
निर्णयसिंधु	याज्ञवल्क्यस्मृति	भ्रमजालक नाटक
संग्रहशिरोमणि	संध्यापद्धति	सीताबनबास
भगवद्गीतासटीक	ब्रतार्क	किस्सामर्द औरत
दुर्गापाठमूल	भगवद्गीताटीकाह०बं०	नवीनसंग्रह
दुर्गापाठ सटीक	भगवद् गीताटीकाआ० गि०	सुदामाचरिच
विष्णु भागवत	गीतगोविन्द	ज्ञानतरंग
अपराधभंजनस्तोच	कथा सत्यनारायण	सप्तशतिका
दुर्गास्तोच सटीक	परमार्थसार	बिजयचंद्रिका
कायस्थकुलभास्कर	शार्ङ्गधरसंहिता	रामायणबाल्मीकी
कायस्थधर्मनिरूपण	पाराशरीसटीक	भुवनेश भूषण
तथा छोटा	शीघ्रबोध सटीक	महाभारतभाषा सबलसिंह चौहान कृत
मथुरा सभा	लघुजातक	सुन्दरबिलास
तुलसीतत्वभास्कर	षट्पञ्चाशिका	गीतरसिका
रामबिबाहोत्सव	सामुद्रिक	कवितावलीरामायण सटीक
ज्योतिष	**नवीनकिताबें**	इलाजुलगुरबा भाषा
मुहूर्त्तगणपति	सौदागरलीला	रसायनप्रकाश
मुहूर्त्तचक्रदीपिका		रामचंद्रिका सटीक
मुहूर्त्तचिन्तामणि सटीक		वाराह पुराण
मुहूर्त्तमार्त्तण्डसटीक		

